07 मार्च, 2025
फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 138

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

मंईयां के बराबर वृद्ध, दिव्यांग और विधवा को पेंशन देने के मुद्दे पर गरमाया सदन

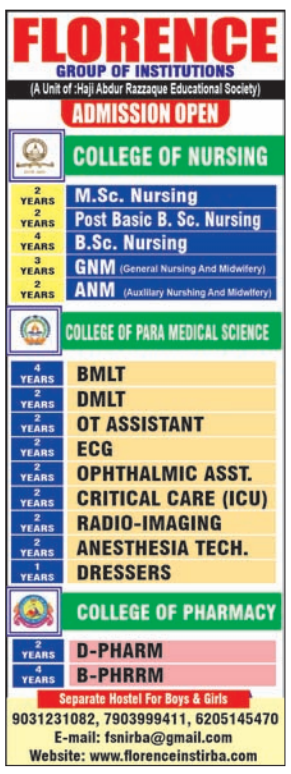

पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्या बसु पर केस दर्ज

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने जादवपुर विश्वविद्यालय में हुई झड़पों को लेकर पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्या बसु, उनके ड्राइवर और टीएमसी नेता ओम प्रकाश मिश्रा के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। एफआइआर दर्ज करवाने वाले छात्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन के दौरान बसु की कार से उसे चोट आयीं हैं। बताते चलें कि 1 मार्च को छात्र संघ चुनाव की तारीख घोषित करने की मांग को लेकर विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन हुआ था।

भाजपा विधायक दल के नेता चुने गये बाबूलाल

- अब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनेंगे
- सदन के भीतर और बाहर दोनों जगह करेंगे कामः बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को गुरुवार को झारखंड भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों भूपेंद्र यादव और के. लक्ष्मण के साथ विधायकों की बैठक हुई। इसमें बाबूलाल मरांडी के नाम पर मुहर लगी। इसके साथ ही बाबूलाल मरांडी का अब नेता प्रतिपक्ष बनना तय हो गया। बताते चलें कि बाबूलाल मरांडी धनवार विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं। वर्तमान में वह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा गया पत्रः भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो को बाबूलाल मरांडी को विधायक दल नेता चुने जाने संबंधित जानकारी दे दी है। विधायक सत्येंद्र तिवारी ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय और केंद्रीय पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव व डॉ के लक्ष्मण के हस्ताक्षरित पत्र सौंपा। पत्र में नेता प्रतिपक्ष के रूप में बाबूलाल मरांडी को मान्यता देने का आग्रह किया गया है।

बाबूलाल को दी बधाईः बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता चुने जाने पर पार्टी के विधायकों एवं पदाधिकारियों ने बधाई दी। पार्टी पदाधिकारियों ने माला पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। बधाई देने वालों में रवींद्र कुमार राय, राकेश प्रसाद, कर्मवीर सिंह, आदित्य साहू, प्रदीप वर्मा समेत अन्य नेता और पदाधिकारी शामिल थे।

सर्वसम्मति से चुना गया विधायक दल नेताः भूपेंद्र यादव

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय पर्यवेक्षक सह केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पार्टी के विधायकदल की बैठक में सर्व सम्मति से पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को नेता विधायक दल चुना गया। पार्टी के वरिष्ठ विधायक राज सिन्हा, डॉ नीरा यादव, नवीन जायसवाल और प्रकाश राम ने बाबूलाल के नाम का प्रस्ताव किया, जिसे सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी का जीवन पार्टी के लिए संघर्षों से भरा है। उन्होंने गांव,गरीब के जीवन में परिवर्तन केलिए लगातार संघर्ष किया है। भाजपा झारखंड निर्माण से लेकर राज्य के सर्वांगीण विकास केलिए समर्पित और संकल्पित है।

झारखंड के लोगों का ध्यान रखते हुए चयन हुआः लक्ष्मण

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद के. लक्ष्मण ने कहा कि झारखंड के लोगों का ख्याल रखते हुए ही विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी का चयन किया गया है। आदिवासी वर्ग को भी देखते हुए उनका चयन हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम पूरे देश में सदन के बाहर और भीतर अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। भाजपा हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखती है।

पार्टी और संगठन के लिए 24 घंटे काम करूंगा: बाबूलाल

रांची (आजाद सिपाही)। विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वे पार्टी और संगठन के लिए 24 घंटे काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सदन के अंदर और बाहर दोनों जगहों पर काम करूंगा। पार्टी के सभी विधायक और पदाधिकारियों के साथ पार्टी को कैसे मजबूत किया जाये, इस पर काम करेंगे। अपनी पूरी क्षमता और पूरी ताकत का उपयोग करूंगा। सबको साथ लेकर चलने का प्रयास रहेगा। सदन में हमारे सभी वरिष्ठ विधायक हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर ने पिछली बार पूरे समय तक नेता प्रतिपक्ष के मामले को लटका कर रखा था। तब भी भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष के बिना ही सदन के भीतर और बाहर अपनी लड़ाई लड़ी। नेता चुने जाने को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं के प्रति अभार व्यक्त किया।

कल्पना के सवाल का जवाबः अंतरराज्यीय सीमा पर चेक पोस्ट तीन माह में

आजाद सिपाही संवाददाता

- कल्पना सोरेन ने ध्यानाकर्षण के जरिये उठाया था मुद्दा, मंत्री दीपक बिरुआ ने दिया आश्वासन

रांची। गांडेय की विधायक कल्पना मूर्मू सोरेन ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से गुरुवार को सदन में अंतरराज्यीय बॉर्डर में वाणिज्यिक वाहनों के लिए चेक पोस्ट का मामला उठा। उन्होंने कहा कि पिछले 7-8 सालों से यह बंद है, जिससे राज्य के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस पर प्रभारी मंत्री दीपक बिरुआ ने ये प्रावधान 2017 से ही बंद था। आने वाले तीन माह में इसे फिर से शुरू किया जायेगा।

बजट सत्र : रसोइयों को होली से पहले मिलेगा बढ़ा हुआ मानदेय

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य की रसोइयों को होली से पहले बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। बजट सत्र के दौरान विधानसभा सदन में गुरुवार को मंत्री सुदिव्य कुमार ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य में कार्यरत रसोईयों को प्रतिमाह 3000 रुपये का मानदेय मिलेगा। इसका फैसला पहले ही सरकार ले चुकी है। तृतीय अनुपूरक इसके लिए राशि का प्रावधान किया गया है। सरकार की कोशिश रहेगी कि यह राशि रसोइयों को होली से पहले मिले। दरअसल, प्रश्नकाल के दौरान विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने मंईयां सम्मान योजना के तहत 2500 रुपये देने और दिव्यांग, रसोइया और सहिया सेविकाओं को केवल 2000 रुपये दिये जाने का मामला उठाया था। मंत्री ने बताया कि पहले 2000 रुपये में केंद्र सरकार का योगदान 600 रुपये और राज्य सरकार का 1400 रुपये था, जिसे हेमंत सोरेन सरकार ने बढ़ाकर 3000 रुपये करने का सराहनीय कदम उठाया है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
198000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 80,600 रु./10 ग्राम
चांदी 1,02000 रु./प्रति किलो

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद भी कम नहीं हैं बाबूलाल की चुनौतियां

■ बनेंगे प्रतिपक्ष का नेता, सदन में भाजपा विधायकों को मिलेगा बूस्टर डोज

■ मजबूत हेमंत सरकार के समक्ष चुनौती पेश करने की कठिन घड़ी, विधायकों में जोश भरना भी आसान नहीं

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड के पहले मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। झारखंड की छठी विधानसभा में वह नेता प्रतिपक्ष होंगे। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के इस फैसले से जहां बाबूलाल मरांडी को कद के अनुसार पार्टी में सम्मान मिला है, वहीं उन्हें चुनाव में करारी हार के बाद मायूस हो चुके भाजपा समर्थकों और खासकर विधायकों के अंदर उत्साह का संचार करने की चुनौती भी है। चुनौती हेमंत सोरेन सरकार की कई सफल योजनाओं से राज्य के लोगों के बीच मिली अपार सहानुभूति के बीच भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की है। कहीं न कहीं भाजपा के इस फैसले में सही मायने में कई निशानों को एक साथ साधने की कोशिश की गयी है। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद से झारखंड के आदिवासी जिस तरह भाजपा से दूर छिटक गये हैं, उससे पार्टी को 2024 के चुनाव में केवल झेलना ही नहीं पड़ा, बल्कि अब तक की सबसे बड़ी पराजय का सामना भी करना पड़ा। विधानसभा चुनाव से पहले बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन चुनाव की पूरी कमान बाहरी नेताओं को सौंप कर आलाकमान ने चूक कर दी थी। चुनाव के दौरान एक तरह से झारखंड के पार्टी नेतृत्व को हाशिये पर धकेल दिया गया था। हालांकि बाबूलाल मरांडी ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया, लेकिन इसका सकारात्मक संदेश मतदाताओं में नहीं गया। मतदाताओं में यह भ्रम की स्थिति अंतिम समय तक बनी रही कि अगर भाजपा सफल भी होती है, तो जनता के किये गये वायदे को कौन लागू करेगा। यही कारण है कि भाजपा को चुनावी सफलता नहीं मिली। अब विधायक दल के नेता की जिम्मेदारी सौंप कर पार्टी ने बता दिया है कि वह चुनावी हार को भूल कर आगे की रणनीति बनाने में जुट गयी है। वैसे भी बाबूलाल मरांडी के बारे में कहा जाता है कि वह कर्म पर भरोसा करते हैं और संघर्ष से कभी नहीं घबड़ाते हैं। उनकी गिनती झारखंड के उन गिने-चुने नेताओं में होती है, जिनके दिलो-दिमाग में हमेशा झारखंड और यहां के लोग रहते हैं। अपने राजनीतिक करियर में तमाम उतार-चढ़ाव झेलने के बावजूद उनका संघर्ष का माद्दा आज भी बरकरार है। विचारों में स्पष्टता और लक्ष्य के प्रति उनका समर्पण तमाम लोगों के लिए ऊर्जा कस संचार भी करता है। वह अपनी साफगोई के लिए तो जाने जाते ही हैं, उनका कोई व्यक्तिगत दुश्मन नहीं है, यह सबसे खास बात है। भाजपा के सबसे बड़े आदिवासी नेता के रूप में पहले से ही स्थापित बाबूलाल मरांडी की बात आज भी कार्यकर्ताओं के बीच गौर से सुनी जाती है। राज्य के पहले मुख्यमंत्री के रूप में उनके कामों का आज भी मिसाल दिया जाता है। भाजपा ने ऐसे चेहरे को विधायक दल का नेता बना कर यह संदेश दिया है कि विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद भी भाजपा आदिवासी मतदाताओं से विमुख नहीं हुई है। हालांकि कहा जा सकता है कि बाबूलाल मरांडी के सिर पर कांटों भरा ताज रखा गया है, क्योंकि उन्हें पग-पग पर झारखंड की मजबूत हेमंत सरकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। दूसरी ओर पिछले विधानसभा से खाली पड़ी प्रतिपक्ष के नेता की सीट अब सदन में भरी हुई दिखेगी। संख्या बल में कम होने के बाद भी सदन में भाजपा विधायकों के लिए यह बूस्टर डोज का काम करेगा। सदन में सत्ता पक्ष द्वारा समय-समय पर विधायक दल नेता नहीं होने का ताना अब नहीं सुनना पड़ेगा। बाबूलाल मरांडी को झारखंड में भाजपा विधायक दल की कमान सौंपे जाने से सदन के अंदर और बाहर राजनीतिक असर का आकलन कर रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

बाबूलाल मरांडी को झारखंड में भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। वह अब नेता प्रतिपक्ष होंगे और इसके साथ ही झारखंड की छठी विधानसभा के भीतर का परिदृश्य भी अब बदल जायेगा। इस एक घोषणा का झारखंड में कितना इंतजार हो रहा था, इसका पता इसी बात से चलता है कि घोषणा के कुछ ही घंटे बाद इस पर सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गयी। पिछले साल नवंबर में विधानसभा चुनाव में बुरी तरह पराजित होने के बाद से भाजपा विधायक दल के नेता के चयन में देरी कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद भाजपा इस पद पर किसी को नहीं चुन रही थी। उसे लोगों के सवालों का सामना भी करना पड़ रहा था।

अब भाजपा ने देर आये दुरुस्त आये के अंदाज में बाबूलाल मरांडी को यह जिम्मेदारी सौंप दी है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले रवींद्र कुमार राय को प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष बना कर भाजपा ने बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी से मुक्त करने का संकेत दे दिया था। बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बनाये जाने के पीछे का कारण यह बताया जाता है कि विधानसभा चुनाव हारने के बाद से ही भाजपा इस बात को लेकर चिंतित है कि वह झारखंड में अपनी खोयी जमीन को कैसे हासिल कर सकेगी। राज्य के आदिवासी जिस तेजी से भाजपा से छिटक कर दूर चले गये हैं, पार्टी भविष्य को लेकर बेहद सशंकित है। बाबूलाल मरांडी को विधायक दल की कमान सौंपने के बाद जो सबसे बड़ा और पहला अंतर आयेगा, वह यह कि अब भाजपा कम से कम खुद को प्रतिद्वंद्वियों से आगे नहीं, तो कम से कम उनके बराबर तो मान ही सकती है। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार जिस आक्रामक तरीके से काम कर रही है, उसके समक्ष चुनौती पेश करने की कोशिश करेगी।

अलग किस्म की राजनीति की

बाबूलाल मरांडी ने हमेशा अलग किस्म की राजनीति की है। चाहे कोडरमा के अभ्रक मजदूरों का मामला हो या संथाल के विस्थापितों का, गिरिडीह में उग्रवाद का मुद्दा हो या धनबाद में अपराध का, बाबूलाल मरांडी आंदोलन के लिए पहली कतार में रहे। उग्रवाद के खिलाफ उन्होंने 'टॉर्चलाइट अभियान' चलाया, जिसने नक्सलियों को बुरी तरह नाराज कर दिया। अभियान के तहत बाबूलाल मरांडी ने उग्रवाद प्रभावित गांवों में टॉर्चलाइट बांटना शुरू किया था। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें अपना जवान बेटा खोना पड़ा।

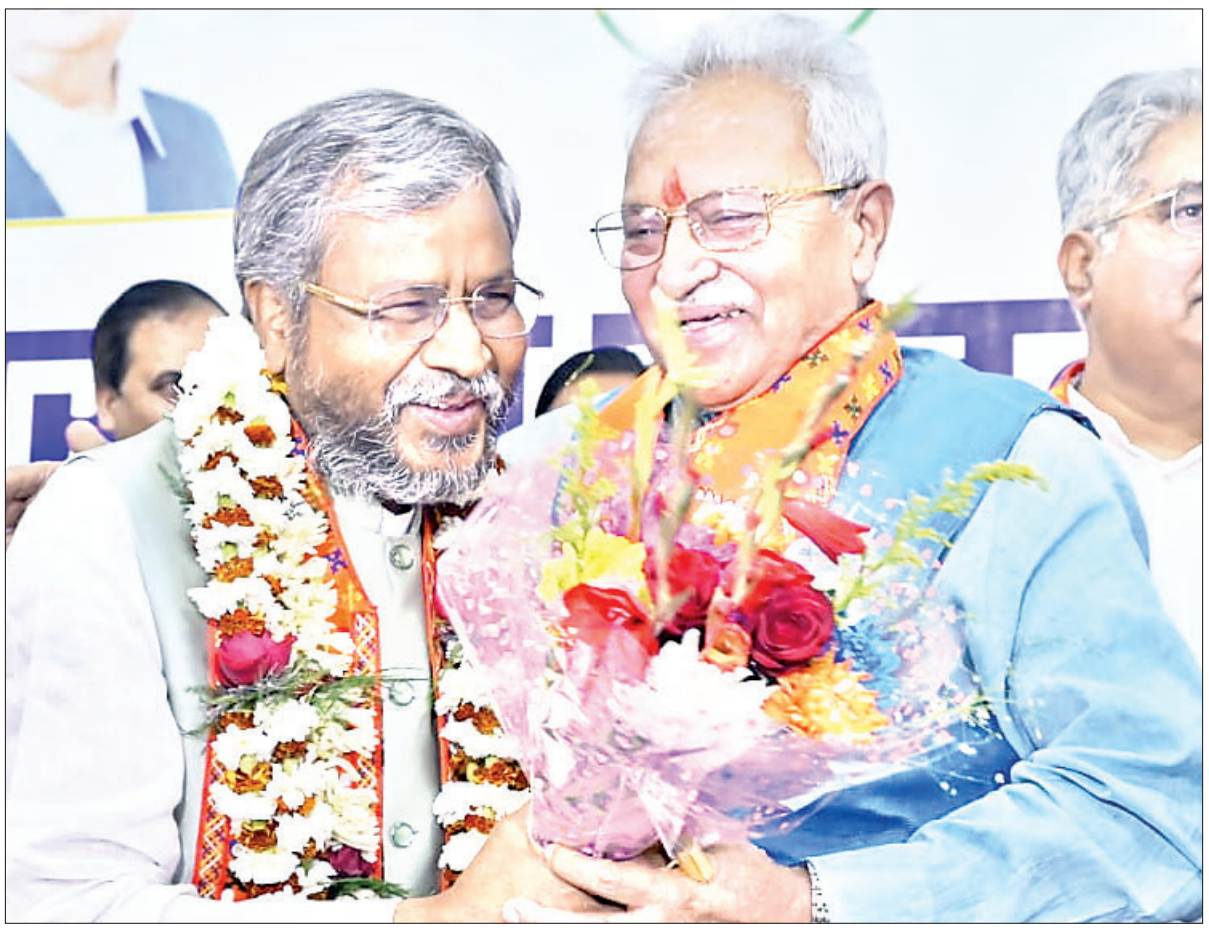

हमेशा राजनीति के केंद्र में रहे

बाबूलाल मरांडी के व्यक्तित्व को इसी बात से समझा जा सकता है कि वह हर परिस्थिति में राजनीति के केंद्र में रहे। इसका मुख्य कारण यह है कि चुनाव हारने के बावजूद उन्होंने जनता से अपना संपर्क जीवित रखा है। लगातार जनता के संपर्क में रहने और पूरे राज्य की यात्रा करने के कारण उन्होंने अपने राजनीतिक वजूद को मजबूत ही किया। बाबूलाल के बारे में कहा जाता है कि वह कभी हल्की बात नहीं करते और बहुत आगे की सोच कर अपनी रणनीति तैयार करते हैं। उनके बारे में यह बात भी मशहूर है कि वह किसी फैसले पर पहुंचने से पहले खूब विचार-विमर्श करते हैं, लोगों के सुझाव सुनते हैं और तब फैसले पर पहुंचते हैं। एक बार फैसला लेने के बाद पीछे नहीं हटते। राजनीति के मैदान में ऐसा कम देखने को मिलता है। बाबूलाल मरांडी सोच-समझ कर अपनी रणनीति बनाते हैं और फिर उस पर अमल करते हैं। वह जो भी मुद्दा उठाते हैं, उसे अंजाम तक पहुंचाने के बाद ही दम लेते हैं। वह यात्राओं और दौरों की मदद से लोगों से सीधा संवाद बनाते हैं। उनके पास झारखंड के विकास का एक विजन है, जिस पर वह काम करते हैं। साफ-सुथरी और स्पष्ट राजनीतिक विचारधारा इनकी खासियत है। एक साधारण सरकारी स्कूल के शिक्षक से सांसद, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री का सफर तय करनेवाले बाबूलाल मरांडी के विचारों में यही बारीकी और स्पष्टता उन्हें प्रदेश के दूसरे नेताओं से अलग करती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के निष्ठावान स्वयंसेवक और प्रचारक के रूप में कैरियर शुरू करनेवाले बाबूलाल मरांडी का जीवन कई झंझावातों से गुजरा है।

शिबू सोरेन से हारे पहला चुनाव

1991 में मरांडी ने भाजपा के टिकट पर दुमका लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। 1996 में वह फिर शिबू सोरेन से हार गये। इसके बाद भाजपा ने 1998 में विधानसभा चुनाव के दौरान उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। पार्टी ने उनके नेतृत्व में झारखंड क्षेत्र की 14 लोकसभा सीटों में से 12 पर कब्जा कर लिया। उस चुनाव में उन्होंने शिबू सोरेन को दुमका से हरा कर चुनाव जीता था। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में उन्हें वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री बनाया गया। 15 नवंबर, 2000 को अलग झारखंड राज्य बनने के बाद एनडीए के नेतृत्व में बाबूलाल मरांडी ने राज्य की पहली सरकार बनायी और करीब 18 महीने तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। इसके बाद उन्होंने 2004 के लोकसभा चुनाव में कोडरमा सीट से चुनाव जीता, जबकि पार्टी के अन्य उम्मीदवारों को हार का मुंह देखना पड़ा। मरांडी ने कोडरमा सीट सहित 2006 में भाजपा की सदस्यता से भी इस्तीफा देकर अपनी नयी पार्टी झारखंड विकास मोर्चा बना ली, जिसमें भाजपा के पांच विधायक पार्टी छोड़ शामिल हो गये। इसके बाद कोडरमा उपचुनाव में वह निर्विरोध चुन लिये गये। कोडरमा सीट से 2009 का लोकसभा चुनाव जीत कर वह एक बार फिर संसद में पहुंच गये।

लगातार हार भी नहीं तोड़ सकी हौसला

अपनी अलग पार्टी बनाने के बाद बाबूलाल मरांडी को लगातार चुनावी हार का सामना करना पड़ा। 2014 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के आठ विधायक चुने गये, लेकिन बाद में उनमें से छह ने इस्तीफा दे दिया। लोकसभा चुनाव में झाविमो को कोई सफलता नहीं मिल सकी। खुद बाबूलाल मरांडी भी चुनाव हार गये। लेकिन बार-बार की चुनावी पराजय से भी उनका हौसला कम नहीं हुआ। वह हमेशा संघर्ष के रास्ते पर आगे बढ़ते रहे।

14 साल बाद भाजपा में वापसी

करीब 14 साल तक अलग पार्टी के माध्यम से राजनीति करनेवाले बाबूलाल मरांडी 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद 17 फरवरी, 2020 को भाजपा में वापस आ गये। पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह की मौजूदगी में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया और खुद पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उसके बाद उन्हें विधानसभा में भाजपा विधायक दल का नेता बनाया गया। उस विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को तीन सीटें मिली थीं, लेकिन दो विधायकों ने बाबूलाल का साथ छोड़ दिया। बाबूलाल मरांडी एक बार फिर राज्य की राजनीति के केंद्र में हैं। भाजपा के सबसे बड़े आदिवासी चेहरे के रूप में उनकी चुनौती कम नहीं है। पार्टी के विधायकों का नेतृत्व करना और उनके भीतर नये तरह का उत्साह पैदा कर विधानसभा के भीतर सत्ता पक्ष के लिए मुश्किलें खड़ी करना उनके लिए इतना आसान नहीं होगा।

झामुमो का राष्ट्रीय महाधिवेशन रांची में 14 और 15 अप्रैल को

बंगाल, ओड़िशा, तमिलनाडु, बिहार और छत्तीसगढ़ के 3,600 प्रतिनिधि शामिल होंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अब क्षेत्रीय दल की छवि से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने की रणनीति बना रहा है। इसी को लेकर 14 और 15 अप्रैल को रांची के खेलगांव में पार्टी का महाधिवेशन आयोजित किया जायेगा। झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने बताया कि इस महाधिवेशन में झारखंड के साथ-साथ बंगाल, ओड़िशा, तमिलनाडु, बिहार और छत्तीसगढ़ के 3,600 प्रतिनिधि शामिल होंगे।

महाधिवेशन में बनेगी नयी केंद्रीय समिति : विनोद पांडेय

विनोद पांडेय ने बताया कि महाधिवेशन की शुरुआत अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल) से की जायेगी। इस दौरान झामुमो की केंद्रीय समिति को भंग कर नयी समिति का गठन किया जायेगा। महाधिवेशन के लिए अप्रैल के पहले सप्ताह में प्रतिनिधियों का पंजीयन और शुल्क जमा करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

सदस्यता अभियान का नया लक्ष्य 60 लाख

झामुमो ने इस बार सदस्यता अभियान का लक्ष्य 60 लाख रखा है, जो पिछले अभियान के 50 लाख से अधिक है। झामुमो महासचिव के अनुसार, पार्टी को लगातार बढ़ता जनसमर्थन मिल रहा है, जिसे देखते हुए इस बार सदस्यता अभियान को और विस्तृत किया गया है।

संगठनात्मक ढांचे को किया जा रहा मजबूत

झामुमो ने 16 जनवरी से पंचायत समिति से लेकर जिला समिति तक सभी संगठनात्मक इकाइयों को भंग कर दिया था। इसके बाद से नये सिरे से सदस्यता अभियान और संगठनात्मक ढांचे के पुनर्गठन का कार्य जारी है। 31 मार्च तक सभी जिला, ब्लॉक और मंडल कमेटियों का गठन पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। महाधिवेशन के बाद 15 अप्रैल से फिर से नया सदस्यता अभियान शुरू किया जायेगा।

ऑनलाइन गेमिंग में हार गया 9 लाख रुपये, करने लगा चोरी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। ऑनलाइन गेमिंग में पैसे हारने के बाद एक युवक चोरी करने पर उतर गया। मामला बोकारो स्टील सिटी का है। दरअसल ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में एक युवक 9 लाख रुपया हार गया था। इसके बाद युवक चोरी करने लगा। लड़का बोकारो के सेक्टर 1 में रहता है। जिसका नाम सोनू सिंह है। जिसकी सेक्टर 1 मार्केट में एक दुकान भी है। दरअसल सोनू ऑनलाइन गेम में 9 लाख रुपये हार गया था। जिसकी भरपाई के लिए उसने अपने मार्केट में ही स्थित ज्वेलरी की दुकान में चोरी करने की सोची।

सख्ती से पूछताछ पर संलिप्तता कुबूल की

सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि सोनू ने राम मंदिर मार्केट में स्थित ज्वेलर्स के यहां सेंधमारी कर चोरी की। चोरी के सामान को पुराने फल दुकान में छुपाकर रख दिया ताकि समय आने पर उसे बेच सके। बोकारो एसपी मनोज स्वर्गीयारी ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए तात्कालिक कार्रवाई की और एक टीम का गठन किया। मामले की छानबीन के बाद, सोनू की संलिप्तता इस चोरी में सामने आयी, पुलिस ने उसे सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपनी संलिप्तता स्वीकार की और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों के अधिकारियों के साथ की बैठक

राजनीतिक दलों के साथ करें बैठक : के रवि कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए निर्वाचन संबंधी विषयों पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक किया जाना है। उन्होंने सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं इआरओ को अपने स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ ससमय बैठक करने का निर्देश दिया। श्री कुमार निर्वाचन सदन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त एवं निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

के रवि कुमार ने कहा है कि नयी दिल्ली में आयोजित सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ भारत निर्वाचन आयोग की बैठक में विशेष रूप से राजनीतिक दलों का चुनाव से संबंधित विषयों पर बैठक कर प्रतिवेदनों को संग्रहित करने की बात कही गयी है।

उन्होंने कहा कि सभी इआरओ 17 मार्च तक अपने स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ बैठक करते हुए इसका प्रतिवेदन 19 मार्च तक वहीं सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी 22 मार्च तक बैठक करते हुए 25 मार्च तक इसका प्रतिवेदन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में समर्पित करना सुनिश्चित करें। श्री कुमार ने कहा कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में इन सभी प्रतिवेदनों को संकलित कर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ राज्य स्तर पर बैठक की जायेगी एवं सभी प्रतिवेदनों को संयोजित करते हुए भारत निर्वाचन आयोग को अंतिम प्रतिवेदन भेजा जायेगा। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, इआरओ गढ़वा संजय कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, इआरओ, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
198000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.8 °C	11.0 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.54 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.06 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 07 मार्च, 2025
www.azadsipahi.in

मंईयां के बराबर वृद्ध, दिव्यांग और विधवा को पेंशन देने के मुद्दे पर गरमाया सदन

नाराज भाजपा विधायकों ने किया वॉकआउट, सत्ता पक्ष ने कहा- केंद्र सरकार नहीं दे रही अपनी हिस्सेदारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बजट सत्र के आठवें दिन प्रश्नकाल के दौरान मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों की तरह वृद्ध, दिव्यांग और विधवा को 1000 रुपये की जगह 2,500 रुपये देने की भाजपा की मांग पर काफी हंगामा हुआ। भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य सहिया को तो सिर्फ 2000 रुपये प्रति माह मानदेय मिलता है। यह सरासर गलत है। काम करने के बावजूद इतना कम मानदेय क्यों। उन्होंने कहा कि अगर मंईयां योजना की लाभुक दिव्यांग या विधवा हो जाये तो क्या उसे 1,000 रुपये दिये जाने लगेंगे।

मामला तब गरमा गया जब इसी से जुड़ा भाजपा विधायक शत्रुघ्न महतो का तारांकित प्रश्न आ गया। सवाल और जवाब के दौरान हंगामा बढ़ता चला गया और जवाब पर असंतोष जताते हुए भाजपा के विधायक वेल में आ गये। पूछने लगे कि दूसरे जरूरतमंदों को मंईयां के समतुल्य राशि मिलेगी या नहीं। यह कहते हुए भाजपा के विधायक सदन से वॉक आउट कर गये।

किस बात पर गरमाया मामला : भाजपा विधायक शत्रुघ्न महतो को जानना था कि दिव्यांगजनों को सिर्फ 1,000 रुपये क्यों। ऊपर से चार माह से राशि क्यों नहीं मिली। इसपर मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि दिव्यांग पेंशन मद में 18 साल से 79 साल तक के दिव्यांगों को 300 रुपये केंद्र और 700 रुपये राज्य सरकार देती है। जबकि 80 साल से ज्यादा उम्र के दिव्यांगजनों को केंद्र और राज्य सरकार 500-500 रुपये देती है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार से जून तक की राशि मिली है। लेकिन राज्य सरकार ने रिवॉल्विंग फंड से दिसंबर तक का भुगतान कर दिया है। राज्य सरकार फरवरी तक का हिस्सा दे चुकी है। इसी बीच बाबूलाल मरांडी ने प्रश्न किया कि दिव्यांग को इतनी कम राशि क्यों। उन्होंने कहा कि बोकारो की एक दिव्यांग ने मैसेज भेजा है कि चार माह से पेंशन नहीं मिला है।

इसपर संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य अपने संसाधनों के अनुसार योजना बनाती है। हम दिखवा लेंगे कि यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ में किस तरह की व्यवस्था है। तब इस पर विचार होगा। इस पर नीरा यादव के साथ-साथ नवीन जयसवाल ने कहा कि सिर्फ हां या ना में जवाब दें कि दिव्यांगजनों को मंईयां के समतुल्य पैसा मिलेगा या नहीं।

संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि अफसोस इस बात का है कि राष्ट्रीय विधवा, दिव्यांग पेंशन की राशि 1 अरब 41 करोड़ तो दिलवा दीजिए। इसपर आपत्ति जताते हुए भाजपा के विधायक सदन से वॉक आउट कर गये।

मंईयां से अन्य पेंशन की तुलना नहीं : चमरा लिंडा

मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि अक्सर यह सवाल उठाया जाता है कि मंईयां सम्मान की लाभुकों की तरह वृद्धों, दिव्यांगों और विधवा को भी राशि क्यों नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मसले पर काफी मंथन हुआ है। मंईयां योजना से उन योजनाओं की तुलना नहीं की जा सकती। क्योंकि मंईयां की राशि से एक परिवार के जीवन में बदलाव आ रहा है जबकि वृद्धा, दिव्यांग पेंशन से व्यक्ति विशेष को लाभ मिल रहा है। आमतौर पर मंईयां की शादी 20-22 साल की उम्र में हो जाती है। वह मां बनती है तो उस पैसे से अपने बच्चे के पोषण का ख्याल रख सकती है। उसे पढ़ा-लिखा सकती है। इससे पलायन रुकेगा। शिक्षा का स्तर सुधरेगा। कुपोषण कम होगा। इसी दौरान उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन जब जेल में थे, उसी दौरान यह कान्सेप्ट तैयार हुआ था। इसमें कल्पना सोरेन की बड़ी भूमिका थी। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन एकल है। मतलब, खैनी-चूना, तंबाकू, चाय, पानी। क्योंकि वृद्ध लाभार्थी अपने पेंशन की राशि से नाती-पोता को भी मदद नहीं करते। जबकि मंईयां अपने बच्चों और परिवार को संभालती हैं। उन्होंने कहा कि वृद्ध, दिव्यांगजनों की पेंशन के मामले में केंद्र और राज्य दोनों की भागीदारी जुड़ी होती है। जहां तक स्वास्थ्य सहिया को 2000 रुपये प्रति माह मानदेय देने की बात है तो यह मामला स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा है लेकिन उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सहिया को अलग से 3000 रुपये का मानदेय मिलता है।

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी का पक्ष

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि किसी भी स्वास्थ्य सहिया को 2000 रुपये प्रतिमाह के अलावा कोई राशि नहीं मिल रही है। मंत्री गलत बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों को मीड डे मिल का संचालन करने वाली महिलाओं को रसोइया के रूप में सिर्फ 3,000 रुपये का मानदेय मिल रहा है। उन्होंने पूछा कि क्या ये महिलाएं नहीं हैं क्या। इसपर बीच बचाव करते हुए मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि पूर्व में रसोइया को बहुत कम मानदेय मिलता था। उनकी सरकार ने ही मानदेय बढ़ाकर 3000 रुपये किया था। पूर्व में उन्हें सिर्फ दस माह के मानदेय मिलता था जिसे 12 माह किया गया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रसोइया की बकाया राशि होली से पहले मिल जायेगी।

सहिया को सिर्फ 2000 रुपये क्यों : डॉ रामेश्वर

भाजपा विधायक के सवालों का समर्थन करते हुए सत्ता पक्ष के कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव ने भी अपनी ही सरकार से जवाब मांगा। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि मंईयां को मदद मिलने से आर्थिक असमानता कम हो रही है। हर घर में पैसे पहुंच रहे हैं। लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि काम के बावजूद सहिया को सिर्फ 2000 रुपये क्यों। सरकार को इसपर विचार करना चाहिए। बहस बढ़ने पर संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि केंद्र के सहयोग से चलने वाली कई पेंशन स्कीम मद की राशि कई माह से नहीं मिली है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष परिश्रम-प्रयास से आवश्यक कार्य में सफलता मिलेगी। नौकरी-व्यापार में उन्नति।

वृष रोजी-रोजगार में सफलता मिलेगी,किसी खास व्यक्ति के सहयोग से महत्वपूर्ण काम बनेगा

मिथुन परिस्थिति में सुधार होगा,बकाये रकम की प्राप्ति होगी, वस्त्र-आभूषण,धन-द्रव्य की प्राप्ति होगी।

कर्क कर्मक्षेत्र में यशस्वी कार्य करने का अवसर मिलेगा, महत्वकांक्षा पूरी होगी।

सिंह रुका हुआ काम पूरा होगा, हर्षदायक समाचारों की प्राप्ति होगी, वाहन की सवारी सावधानी से करें दुर्घटना की आशंका।

कन्या नौकरी में उन्नति होगी, महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा, आर्थिक लाभ, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

तुला परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा. स्वजन-मित्रों का सहयोग, नौकरी में बदलाव होने की संभावना।

वृश्चिक संतान पक्ष से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी,व्यवसाय की स्थिति में सुधार,संतोषजनक धनलाभ होगा.

धनु इच्छित कार्य सफल होगा, महत्वपूर्ण समाचारों की प्राप्ति होगी, विरोधियों पर विजय, मन प्रसन्न रहेगा।

मकर आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, रोग-ऋण-शत्रुबाधा का शमन, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण बनेगा।

कुंभ स्वास्थ्य बाधा,दिमागी तनाव, इष्ट-मित्रों-स्वजनों से मार्मिक पीड़ा, परिश्रम-प्रयास से आवश्यक काम पूरा होगा।

मीन आयु-आरोग्य की रक्षा होगी, बकाये रकम की प्राप्ति, श्रेष्ठजनों के सहयोग से रोजी-रोजगार में उन्नति होगी।

एनपीए खाता धारक किसानों के भी ऋण जल्द माफ होंगे: शिल्पी नेहा तिर्की

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग का 4587 करोड़ रुपये का बजट पारित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि अब तक स्टैंडर्ड कृषि ऋण की ही माफी हो सकी है। इसके तहत उन किसानों के ऋण माफ हुए हैं जिन्होंने नियमित ऋण का पेमेंट करते रहे हैं। अब जल्द ही उन किसानों के भी ऋण माफ किये जायेंगे, जिनका खाता एनपीए हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनकी बात हुई है। सहमति बन गयी है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की गुरुवार को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की अनुदान मांगों पर सदन में हुई चर्चा का जवाब दे रही थीं। इसके अलावा शिल्पी नेहा तिर्की ने कई भावी योजनाओं की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि विभाग अब छोटे छोटे कोल्ड स्टोरेजों के निर्माण पर जोर देगी। साथ ही राज्य में बचे हुए चार जिलों खूंटी, रामगढ़, धनबाद और बोकारो में प्रक्रियाधीन पांच हजार मीट्रिक टन के कोल्ड स्टोरेज का निर्माण जल्द करायेगी। शिल्पी ने कहा कि बड़े कोल्ड स्टोरेज का लाभ किसानों को कम मिल रहा है। क्योंकि कोल्ड स्टोरेज के बहुत दूर होने के कारण वहां तक किसान अपने उत्पाद को नहीं ले जा पाते। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की जरूरत के अनुसार बकरी और भेड़ वितरण की नीतियों में भी परिवर्तन किया जायेगा। मसलन पलामू में बकरी की जगह भेड़ वितरण की मांग होती है। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य के अलग अलग जिलों में अलग-अलग तरह के कृषि उत्पादों की बहुलता है। मसलन खूंटी में महुआ अधिक होता है। इस आधार पर जिलों को उनके उत्पाद के अनुसार किसानों को प्रश्रय दिया जायेगा। ताकि वहां किसानों को उसके उत्पादन और मार्केटिंग में लाभ प्राप्त हो सके। शिल्पी ने कहा कि सीमांत किसानों के सामने मुख्य रूप से चार तरह की मुश्किलें होती हैं। समय पर बीज मिले। बीज मिल गया तो वर्षा भी समय से हो। कृषि के लिए ऋण कहां से मिले। फिर उत्पाद हो गया तो उसे अच्छा मूल्य और बाजार उपलब्ध हो। उनका विभाग इन चारों विषयों पर विशेष फोकस कर काम कर रही है।

विभाग की उपलब्धियां गिनायीं

कृषि मंत्री ने अपने विभाग की कई उपलब्धियां गिनायीं। बताया कि 2020 में जहां प्रतिदिन 1.30 लाख लीटर दूध का उत्पादन होता था आज यह बढ़ कर 2.50 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। मत्स्य उत्पादन में 10 और पशुपालन में सात फीसदी की वृद्धि हुई है। अब 34-36 फीसदी किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। केवल वर्ष 2024 को छोड़ कर जिसमें विधानसभा और लोकसभा के चुनाव के कारण आचार संहिता लागू था। 16 लाख स्वायल कार्ड का वितरण किया गया। कृषक पाठशाला के जरिए किसानों को नये प्रयोगों को सीखने को तैयार किया जा रहा है। उन्होंने विभाग द्वारा किये जा रहे दूसरे प्रयासों की जानकारी भी दी। इसके बाद विभाग का 4587 करोड़ रुपये का बजट सदन से पारित हुआ।

कृषि विभाग के बजट पर चर्चा

जैविक खेती, उत्पादकता को बढ़ाने पर जोर दें : सरयू राय

रांची। कृषि विभाग के बजट पर चर्चा में जदयू विधायक सरयू राय ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है। फसलों की पैदावार के संबंध में एक्शन प्लान बने। जैविक खेती, उत्पादकता को बढ़ाने पर जोर दें, जिससे किसान भी लाभान्वित हों। बाजार समितियों को उन्होंने करीब-करीब निष्क्रिय बताया। कृषि के साथ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने को लेकर भी प्रयास करने को कहा।

ममता कुमारी ने कोल्ड स्टोरेज उपलब्ध कराने की मांग की

ममता कुमारी ने रामगढ़ में कोल्ड स्टोरेज की उपलब्धता कराये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि गोला, दुलमी में इसकी जरूरत है पर किसानों को लाभ नहीं मिल रहा। कई भवन बनकर तैयार हैं तो कुछ अधूरे हैं, ऐसे में जिला प्रशासन या संवेदक की भूमिका तय होनी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार को किसान हितैषी सरकार और केंद्र सरकार को किसान विरोधी बताया। चर्चा में नरेश सिंह, मथुरा महतो, चंद्रदेव महतो सहित अन्य ने भी हिस्सा लिया।

धान क्रय केंद्र की संख्या बढ़ायें : संजय सिंह यादव

संजय सिंह यादव ने हुसैनाबाद (पलामू) में धान क्रय केंद्र नहीं खुले होने और इसकी संख्या बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि धान की अच्छी खेती होने के बावजूद कृषि को लेकर अच्छी उपलब्धि नहीं है।

गोदाम निर्माण में संवेदक मनमानी करते हैं : जयराम

जयराम महतो ने कहा कि 4587 करोड़ रुपये का बजट कृषि विभाग का बढ़िया है पर हकीकत है कि एक भी पंचायत राज्य में ऐसी नहीं जो कृषि के जरिये आत्मनिर्भर हो। पैक्स झारखंड सक्षम नहीं हैं। इसे सोलर सिस्टम से कनेक्ट किया जाये। गोदाम निर्माण में संवेदक मनमानी करते दिखते हैं। धरातल पर कृषि विभाग की योजनाएं उतर जाये तो पलायन की समस्या को रोकने में मदद मिलेगी।

किसानों के लिए हेमंत सरकार मसीहा : सुदीप गुड़िया

चर्चा में भाग लेते हुए सुदीप गुड़िया ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी के आने के बावजूद हेमंत सोरेन सरकार ने किसानों को 50 हजार रुपये तक लोन माफी के तहत लाभ दिया। इसके बाद भी यह सिलसिला जारी है। राज्य के किसानों के लिए हेमंत सरकार मसीहा साबित हुई है। राज्य के विकास का पैमाना किसानों की समृद्धि है। समय पर बीज उपलब्ध कराने से लेकर सूखा राहत स्कीम, सीएम पशुधन योजना और दूसरी योजनाओं से किसान लाभान्वित हो रहे हैं। अनंत प्रताप देव ने कहा कि राज्य सरकार दो लाख रुपये तक के लोन माफी का लाभ किसानों को दे रही है पर बैंक लाभ देने में आनाकानी कर रहे। सरकार को बदनाम कर रहे हैं। बैंक और उसकी शाखाओं को किसानों को लाभ देने को कहा जाये ना कि वे बदमाशी करें।

सहारा इंडिया के निवेशकों का पैसा लाने के लिए अधिकारी भेजेगी सरकार

प्रदीप यादव ने सदन में उठाया था सवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में सहारा इंडिया के निवेशकों के पैसे वापसी का मामला गुरुवार को उठा। पोड़ैयाहट के विधायक और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से सदन में इस मामले को उठाते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने इस पर निर्णय दिया है लेकिन दो साल के बाद भी झारखंड के निवेशकों का पैसा नहीं मिला है।

वित्त मंत्री ने कहा- सेंट्रल रजिस्ट्रार को पत्र लिखा गया है

विधायक प्रदीप यादव के ध्यानाकर्षण पर जवाब देते हुए वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन को बताया कि इस संदर्भ में सेंट्रल रजिस्ट्रार को कई बार पत्र लिखा गया। 6 बार पत्राचार किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं आया। वित्त मंत्री ने कहा कि हम फिर पत्र लिखेंगे। हम राज्य के किसी अधिकारी को दिल्ली भेजने की भी तैयारी कर रहे हैं।

विधानसभा में उठा आउटसोर्सिंग कंपनी की गुंडागर्दी करने का मामला

स्पीकर ने कमिटी गठित करने की बात कही

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में माले विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो ने ध्यानाकर्षण में आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा अवैध तरीके से माइनिंग कंपनी द्वारा गुंडागर्दी का मामला उठाया। कई विधायकों ने इसकी जांच विधानसभा की कमिटी से करवाने की मांग की।

जयराम महतो ने भी की जांच की मांग : डुमरी के विधायक जयराम कुमार महतो ने भी कहा कि यह मामला भले ही माले के विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो ने उठाया लेकिन इस समस्या से हर वो विधायक अवगत होंगे जो कोयलांचल इलाके से आते हैं। कंपनी के लोग लठैत रखे हुए हैं। ऐसा लगता है ये लोकतंत्र नहीं लठैत तंत्र है। विधायक ने कहा कि कंपनी खुद को प्रशासन से भी बड़ा मानती है।

विधानसभा के अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने इस मामले में कमिटी गठित की बात को स्वीकार किया और कहा कि सदन को सूचित किया जायेगा।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 07 मार्च, 2025
www.azadsipahi.in
04

श्रीलेदर्स के दूसरे स्टोर की ओपनिंग पंडरा में 8 मार्च को

बेहतरीन रेंज, उच्च क्वालिटी प्रोडक्ट, किफायती दाम से आकर्षित करेगा यह स्टोर

999 रुपये की प्रति खरीदारी पर 400 रुपये का एक एश्योर गिफ्ट बिल्कुल मुफ्त मिलेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के रोस्पा टावर स्थित श्रीलेदर्स ने हाल ही में अपने 25 साल पूरे किये। 14 हजार स्क्वायर फीट का यह स्टोर फुटवियर और एक्सेसरीज के सेक्टर में एक बेंचमार्क बन चुका है। सस्ता दाम और उच्च क्वालिटी का प्रोडक्ट सर्व करने वाली श्रीलेदर्स की डिमांड निरंतर बढ़ती जा रही है। इस बढ़ती डिमांड को देखते हुए श्रीलेदर्स अपना दूसरा स्टोर रांची के पंडरा में 8 मार्च को खोलने जा रहा है। इस संबंध में गुरुवार को श्रीलेदर्स कंपनी के मैनेजर और डीलर ने प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। इस अवसर पर सुमन सील और सोहम दासगुप्ता, डीलरशिप मैनेजर, श्रीलेदर्स लिमिटेड (मुख्यालय), तलविंदर सिंह, डीलरशिप मालिक, श्रीलेदर्स रांची, रविंदर सिंह, डीलरशिप

मालिक, श्रीलेदर्स रांची, कुलदीप सिंह, हरभजन सिंह और त्रिलोचन सिंह मौजूद थे। उन्होंने कहा कि श्रीलेदर्स के प्रति लोगों का विश्वास है, इसके परिणामस्वरूप आज कंपनी देशभर में अपना स्टोर खोल रही है। उन्होंने कहा कि इस नये 7850 स्क्वायर फीट में निर्मित यह स्टोर आलिशान तो है ही, साथ ही बेहतरीन रेंज में उपलब्ध है। यहां आपको चप्पल, सैंडल, लेदर शूज, कैजुअल शूज, स्नीकर्स या फिर लेदर बैग, ट्रॉली, लेदर पर्स, बेल्ट, वॉलेट, यहां सब कुछ मिलेगा, वो भी पॉकेट फ्रेंडली प्राइस और बेस्ट क्वालिटी के साथ। शो रूम के ओपनिंग के मौके पर पहले 2001 कस्टमर्स के लिए एक धमाकेदार इनॉगुरल ऑफर दिया जायेगा। इसमें 999 रुपये की प्रति खरीदारी पर 400 रुपये का एक एश्योर गिफ्ट बिल्कुल मुफ्त दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि कस्टमर की सुविधा को देखते हुए पंडरा में यह स्टोर खोला जा रहा है। ताकि उन्हें यहां आने में कोई दिक्कत ना हो। श्रीलेदर्स ने लगातार किफायती कीमतों पर आरामदायक जूते उपलब्ध कराये हैं। गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति ब्रांड की अटूट प्रतिबद्धता ने इसे एक वफादार ग्राहक आधार और आरामदायक और स्टाइलिश जूते के साथ-साथ चमड़े के सामान में एक महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी अर्जित की है।

महत्वपूर्ण खबरें

गांधी शिल्प बाजार मेला में लाख की चूड़ियों की खूब हो रही खरीददारी

रांची (आजाद सिपाही)। पुराना विधान सभा मैदान में आयोजित गांधी शिल्प बाजार मेला में लाख की चूड़ियां, शिल्प आर्ट और डोकरा आर्ट की वस्तुओं को बहुत ही पसंद किया जा रहा है। यहां मेले में संपूर्ण भारत वर्ष के हस्तशिल्प, हेंडिक्राफ्ट और विशेषकर झारखंड के उत्पादों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। मेले में जूट के सामान, झारखंडी खादी कुर्ता, डिजाइनर साड़ियां, जूट बैग, चूड़ियां, झारखंड, असम और गुजरात के पारंपरिक परिधान महिलाओं के लिए तसर सिल्क की साड़ियां और सलवार, कुर्ती आदि मिल रहे हैं। असम के उत्पादों को भी काफी ख्याति प्राप्त हो रही है। मेले को रांची स्थित छोटनागपुर क्राफ्ट डेवलपमेंट सोसाइटी ने आयोजित किया है। सहायक निदेशक ने कहा इस प्रकार के रोजगार के प्रोत्साहन के लिए केंद्र और राज्य सरकार वचनबद्ध है। मेले को फलीभूत करने हेतु संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। मेला परिसर में लोगों के मनोरंजन के लिए प्रत्येक दिन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आदिवासी छात्र संघ का गोस्सनर कॉलेज रांची में विरोध प्रदर्शन

रांची (आजाद सिपाही)। गोस्सनर कॉलेज, रांची के भूगोल विभाग की दो छात्राओं को परीक्षा फॉर्म भरने से रोके जाने के खिलाफ आदिवासी छात्र संघ ने कॉलेज में विरोध प्रदर्शन किया। छात्राओं को फिजिकल फील्ड टूर में शामिल न हो पाने के कारण परीक्षा देने से वंचित किया जा रहा है, जिससे उनका एक वर्ष बर्बाद हो जायेगा। आदिवासी छात्र संघ रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष मनोज उरांव के विरोध के बाद रांची विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर और कुलपति ने मामले में हस्तक्षेप किया और परीक्षा फॉर्म भरने के लिए स्थानीय फील्ड टूर आयोजित करने की स्वीकृति दी। लेकिन इसके बावजूद कॉलेज के भूगोल विभाग अध्यक्ष और प्राचार्य के अपना मनमानी करते हुए छात्राओं को परीक्षा फार्म भरने से रोक दिया जिस करण छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते हैं। आदिवासी छात्र संघ रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष के नेत्तृत्व में गोस्सनर कॉलेज कार्यालय का घेराव किया और कार्यालय में ताला बंदी किया गया।मनोज उरांव ने इस रवैये की कड़ी निंदा करते हुए इसे छात्राओं के शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन बताया है। संघ का कहना है कि विश्वविद्यालय द्वारा अनुमति मिलने के बावजूद छात्राओं को परीक्षा से रोकना अन्यायपूर्ण है और उनके भविष्य को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है। संघ ने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप करने और छात्राओं को परीक्षा फॉर्म भरने की अनुमति देने की मांग की है। मौके पर आदिवासी छात्र संघ प्रेरणा भगत, चंद्रिका सिंकु, विवेक तिर्की, अमित टोप्पो, नितेश टोप्पो, मनीष क्षेत्री, रवींद्र पूर्ति, बलबल सिंह कुंटिया, सूरज कारोवा, पीटर बानरा, सूरज सिंह, राहुल पूर्ति, निश्चल सोए ,रजत क्रिकेट, निशांत तिर्की, अभिनव भगत, अलोक तिर्की, राहुल उरांव,उपस्थित रहे।

डीएवी सरला स्कूल तुपुदाना ने अपना पहला स्थापना दिवस मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डीएवी सरला स्कूल तुपुदाना ने स्थापना के एक वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। इस अवसर पर विद्यालय में एक केक कटिंग समारोह आयोजित किया गया, जहां बच्चों को टॉफियां वितरित की गयीं। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने इस मौके पर कहा कि डीएवी सरला स्कूल बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। बच्चों की प्रतिभा को देखकर यह साफ झलक रहा है। विद्यालय के डायरेक्टर मेंहुल दुबे ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को नैतिक मूल्यों और संस्कारों से भी सशक्त बनाना है। यह एक वर्ष सभी के परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के उप प्राचार्य सोनम दुबे, शिक्षिका आरती मिंज, मेघा बाखला, महिमा सिंह सहित स्कूल के सभी बच्चे एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

रांची के 33 अवैध रूफटॉप बार पर कार्रवाई की मांग को लेकर राज्यपाल से मिले रोहित सिन्हा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को रांची जिला युवा कांग्रेस कमिटी के पूर्व महासचिव एवं प्रभारी, रोहित सिन्हा ने राजभवन में भेंट की और शहर के 33 अवैध बार पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि हाइकोर्ट ने राजधानी में रूफटॉप पर अवैध रूप से संचालित 33 बार के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश कई महीने पहले रांची नगर निगम और उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग को दिया था। लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि संबंधित विभागों द्वारा न्यायालय को गुमराह कर अवैध बार संचालकों को संरक्षण दिया जा रहा है।

कानून के खिलाफ जाकर जारी किये गये लाइसेंस : रोहित सिन्हा ने बताया कि बिल्डिंग बायलॉज के अनुसार, रूफटॉप में व्यवसायिक निर्माण और संचालन वर्जित है, बावजूद इसके 36 रूफटॉप बार को लाइसेंस दिया गया। इस पूरे मामले में रांची नगर निगम और उत्पाद विभाग की संलिप्तता स्पष्ट दिख रही है।

उन्होंने नगर निगम की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों का सामान जब्त कर लिया जाता है, लेकिन अवैध रूप से चल रहे बार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

राज्यपाल से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की अपील : श्री सिन्हा ने राज्यपाल से आग्रह किया कि हाइकोर्ट के निर्देशों का पालन कराते हुए उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग और रांची नगर निगम को अवैध बार संचालकों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दें। उन्होंने अवैध बार को तत्काल सील करने, उनके लाइसेंस रद्द करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

कानून में बदलाव की हो रही कोशिश

श्री सिन्हा ने आरोप लगाया कि कुछ अवैध बार संचालकों को बचाने के लिए कानून में बदलाव करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि न्यायालय के आदेश को निष्प्रभावी कर अवैध बार को वैध बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि रूफटॉप पर व्यवसाय और निर्माण को मंजूरी देने वाला कानून लागू हो जाता है, तो इससे हजारों अपार्टमेंट प्रभावित होंगे।

सेंट जेवियर्स कॉलेज में इंटरएक्टिव सत्र आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अर्थ ऑब्जर्वेशन एंड कंजर्वेशन सोसाइटी (इओसीएस), सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची ने आइक्यूएसी के सहयोग से 'झारखंड में एक्वाकल्चर प्रैक्टिसेज और बायो एंटरप्रेन्योरशिप की संभावनाएं' विषय पर कॉलेज परिसर में गुरुवार को एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया। पर्ल कल्चर (मोती उत्पादन) पर ऐड-ऑन सर्टिफिकेट कोर्स के विद्यार्थियों और अन्य विभागों के विद्यार्थियों ने इस सत्र में भाग लिया। फिश

फार्मर ट्रेनिंग सेंटर, शालीमार, रांची से आमंत्रित अधिकारी और वक्ता डॉ प्रशांत कुमार दीपक ने विद्यार्थियों को मत्स्य पालन की नयी तकनीकों, सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान समय में मत्स्य पालन कैसे एक महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। कॉलेज के रजिस्ट्रार फादर डॉ प्रभात सोरेंग ने छात्रों को संबोधित किया और आमंत्रित वक्ताओं का स्वागत किया। सत्र का आयोजन जूलॉजी विभाग के डॉ रितेश कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में किया गया, और अंत में प्रगति बनर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अनुष्का चौधरी ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे प्रतिभागियों को जलीय कृषि के क्षेत्र और उसके अवसरों के बारे में अधिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिली। सत्र में डॉ शिव शंकर प्रसाद, डॉ मनोज और डॉ राकेश भी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षित शिक्षक संघ ने राज्यपाल से की मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रशिक्षित शिक्षक संघ झारखंड का प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष महिपाल महतो के नेतृत्व में राज्यपाल संतोष गंगवार से मिला। मिलकर जल्द से जल्द झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) आयोजित करवाने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल को बताया कि राज्य में पिछले 8 साल से जेटेट परीक्षा का आयोजन नहीं हुआ है। जिससे लाखों शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त छात्र प्रभावित हैं। जेटेट की परीक्षा नहीं होने से शिक्षक नियुक्ति में

शामिल नहीं हो पा रहे हैं। राज्य में सिर्फ दो बार वर्ष 2013 और 2016 में ही जेटेट परीक्षा आयोजित हुई है। जबकि एनसीटीइ की गाइडलाइन के अनुसार प्रत्येक वर्ष कम से कम एक जेटेट परीक्षा का आयोजन होना चाहिए था। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में चल रही सहायक आचार्य बहाली प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों से भी राज्यपाल का ध्यानआकृष्ट करते हुए बताया कि कई सारे विषय (कुड़माली , पंचपरगनिया और उर्दू) की परीक्षा झारखंड हाइकोर्ट से रद्द कर दिये गये हैं। इसलिए नये सिरे से इस नियुक्ति को वापस लेते हुए सभी योग्य व्यक्तियों के अवसर की समानता के मौलिक अधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बहाली आरंभ करने से पूर्व जेटेट परीक्षा आयोजित करते हुए फ्रेस विज्ञापन जारी करने की मांग की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष महिपाल महतो, उपाध्यक्ष मनीष कुमार, योगेंद्र महतो तथा अरुण कुमार शामिल हुए।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में 'फार्मा अन्वेषण 2025' कार्यक्रम का आयोजन

आधुनिक तकनीकों को उपयोग करें विद्यार्थी : रितु सहाय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हमारा देश जेनेरिक दवा की आपूर्ति के मामले में अहम स्थान रखता है। हमने कोविड के दौरान इस दिशा में दुनिया भर में वैक्सीन की सप्लाई की। हाल के वर्षों में कई सरकारी योजनाओं से भी देश में दवाओं के उत्पादन को बढ़ावा मिला और इस दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। उक्त बातें स्टेट ड्रग्स कंट्रोल डायरेक्टरेट की निदेशक रितु सहाय ने कहीं। वह गुरुवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय में नेशनल फार्मेसी एजुकेशन डे के अवसर पर मनाये गये कार्यक्रम 'फार्मा अन्वेषण 2025' के अवसर

पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर बोल रही थीं। उन्होंने छात्रों से आधुनिक तकनीकों को उपयोग कर अपना हुनर बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए झारखंड के एकमात्र विवि के तौर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के चयन और इस निमित्त मिलने वाले अनुदान पर विवि के फार्मेसी विभाग को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं को डॉक्टर रेड्डी लैब के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. राकेश्वर बंदीछोर, पीसीआइ के सेंट्रल काउंसिल मेंबर डॉ आकाश वेद के अलावा बीआइटी, मेसरा के डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेस के प्रोफेसर डॉ वी प्रकाश एवं सैमिरा इनोफार्म के जीएम जय गणेश एएस ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में एसबीयू के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने आंत्रप्रेन्योरशिप में उपलब्ध अवसरों, फार्मेसी की भूमिका और इसके इतिहास पर संक्षेप में प्रकाश डाला। कुलपति प्रो सी जगनाथन ने शिक्षा के उद्देश्यों पर बात की। उन्होंने दवाओं की आवश्यकता को शिक्षा के मूल सत्व से जोड़ते हुए छात्रों को इसकी जरूरत के विषय में बताया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण सरला बिरला विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के इंचार्ज डॉ शुभ्रजीत मंत्री और धन्यवाद भाषण निशा सिंह ने दिया।

इस अवसर पर डॉ. सुभानी बाड़ा, प्रो. विजय कुमार सिंह, आशुतोष द्विवेदी, डॉ. नीलिमा पाठक, डॉ. शैलेश नारायण, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. सविता, सुरुचि गुप्ता, पल्लवी रानी, अंजलि मिश्रा, पवन महतो, संतोष कुमार समेत विवि के अधिकारी एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के आयोजन पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महिला दिवस पर पारस हॉस्पिटल में निःशुल्क डॉक्टर परामर्श आठ से 12 मार्च तक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर धुर्वा स्थित पारस हॉस्पिटल, एचइसी में महिलाओं के लिए आठ से 12 मार्च तक निःशुल्क डॉक्टर परामर्श दिया जायेगा। यह परामर्श सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक दिया जायेगा। सभी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा महिलाओं को निःशुल्क परामर्श दिया जायेगा। इस पहल के तहत, निःशुल्क डॉक्टर परामर्श लेने के बाद ओपीडी की जांच पर 50% की छूट और हेल्थ पैकेज पर भी 50% की छूट दी जायेगी। इसके अलावा, विशेष जानकारी के लिए आप

7282010101 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। पारस हॉस्पिटल के जोनल हेड श्रीकांत सुबुद्धि ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर पारस हॉस्पिटल ने एक पहल की है, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए निःशुल्क डॉक्टर्स परामर्श दिया जायेगा। महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच करवाना जरूरी है, खासकर हार्मोनल संतुलन, हृदय स्वास्थ्य, हड्डियों की मजबूती और मधुमेह जैसी बीमारियों की जांच के लिए। महिला दिवस पर महिलाएं खुद से यह वादा करें कि अपनी सेहत को प्राथमिकता देंगे। पारस हॉस्पिटल एचइसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस खास मौके पर महिलाओं के सम्मान में पारस हॉस्पिटल निःशुल्क डॉक्टर परामर्श उपलब्ध करा रहा है। यह एक बेहतरीन अवसर है, जहां महिलाएं अपने स्वास्थ्य की देखभाल करवा सकती हैं और विभिन्न जांचों एवं पैकेजों पर छूट का लाभ उठा सकती हैं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
198000 Subscribers
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

सीएम हेमंत सोरेन से मिला झारखंड पुलिस एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड पुलिस एसोसिएशन, रांची, झारखंड के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी के साथ अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री ने भी झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करने वालों में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू, वरीय उपाध्यक्ष मोहम्मद महताब आलम, उपाध्यक्ष रोहित कुमार रजक, महामंत्री संजीव कुमार, वरीय संयुक्त सचिव संतोष कुमार महतो एवं राकेश कुमार पांडेय, संगठन सचिव मंटू कुमार, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद कमाल, भागवत मुर्मू, करण कुमार और नितिन रवि, झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के महामंत्री रमेश उरांव, उपाध्यक्ष देवचंद मुंडा, उपाध्यक्ष परमेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष गुलाब महतो, सहायक महामंत्री लालेश्वर राम, सहायक महामंत्री तपेश्वर यादव, पूर्व मेंस अध्यक्ष नरेंद्र कुमार, पूर्व वरीय उपाध्यक्ष अखिलेश्वर पांडेय और झारखंड पुलिस एसोसिएशन, रांची शाखा के अध्यक्ष आनंद राज खलखो, अनीश कुजूर, देवता चरण उपाध्याय एवं उपाध्यक्ष ठाकुर दयाल महतो मौजूद थे।

सिटी ट्रेंड्स के नये शोरूम का उद्घाटन 8 मार्च को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वस्त्रों के रिटेल आउटलेट में शहर का जाना पहचाना नाम सिटी ट्रेंड्स के रांची में दूसरे नये आउटलेट का उद्घाटन अरगोड़ा, कटहल मोड़ रोड पर लाला लाजपत राय स्कूल के समीप चापू टोली, पुंदाग में शनिवार आठ मार्च को किया जायेगा। उद्घाटन की जानकारी देते हुए सिटी ट्रेंड्स के प्रबंधक ने बताया कि रांची के सिंह मोड़ एवं सिमडेगा जिला स्थित सिटी ट्रेंड्स स्टोर के अनुरूप ही यह स्टोर भी ग्राहकों के हित को सर्वोपरी मानते हुए कार्य करेगा। स्टोर में सभी उम्र के ग्राहकों (पुरुष/महिला) के वस्त्र/परिधान के विशाल रेंज उपलब्ध कराये जायेंगे।

समीर उरांव ने आदि बाजार का शुभारंभ किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुवार को आड्रे हाउस कांके, रांची में आदि चित्रा एवं आदि बाजार का शुभारंभ पूर्व सांसद राज्यसभा समीर उरांव द्वारा किया गया। इस अवसर पर शैलेंद्र कुमार राजू क्षेत्रीय प्रबंधक ट्राइफेड झारखंड एवं बिहार एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह मेला 6 मार्च से 12 मार्च तक आदिवासी जनजातीय क्षेत्र, नॉर्थ इस्ट, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के जनजातीय आर्टिजन की उपस्थिति में ट्राइफेड क्षेत्रीय कार्यालय झारखंड एवं बिहार द्वारा प्रायोजित किया गया।

इस मेले में विभिन्न प्रदेशों के हस्तशिल्प का प्रदर्शनी सह विक्रय हेतु स्टॉल लगाया गया है। मेला का मुख्य उद्देश्य जनजातीय भाई-बहनों को वित्तीय स्थिति को मजबूत करना है। उनके द्वारा बनाये गये विभिन्न उत्पादकों देश के कोने-कोने एवं विदेश तक पहुंचना है। जनजातीय समाज के परंपरागत विरासत को कायम रखना है। आदि चित्रा द्वारा विभिन्न प्रदेशों के पेंटिंग जैसे सोहराय, कोहबर, सोरा, पेंटिंग और वर्ली पेंटिंग का भी प्रदर्शनी एवं विक्रय हेतु किया गया है। जिसमें स्थानीय कलाकार दिलेश्वर लोहरा एवं विभिन्न प्रदेश से आये जनजातीय पेंटिंग्स कलाकार भाग ले रहे हैं।

राज्यपाल ने खेल प्रतियोगिता 2025 की शुरुआत की

झारखंड होमगार्ड और फायर बिग्रेड के जवान खेलकूद में दिखायेंगे जलवा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अगले तीन दिनों तक झारखंड होमगार्ड और अग्निशमन के बेहतरीन खिलाड़ी अपना दमखम दिखायेंगे। झारखंड होमगार्ड एवं अग्निशमन विभाग खेल प्रतियोगिता 2025 का गुरुवार को आगाज हो चुका है। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

खेलकूद बेहद महत्वपूर्ण

रांची के धुर्वा स्थित होमगार्ड ग्राउंड पर गुरुवार से तीन दिवसीय झारखंड होमगार्ड और अग्निशमन खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का आगाज हो गया है। तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में राज्य के राज्यपाल संतोष गंगवार मुख्य अतिथि के रूप भाग लिया। खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत होमगार्ड जवानों के बेहतरीन परेड के द्वारा शुरू की गयी।

इस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने अपने जवानों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता हर पुलिस के लिए बेहद जरूरी है। प्रतियोगिता के माध्यम से जवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। साथ ही साथ एक दूसरे जवानों को एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का सामना करने का भी मौका मिलता है।

बेहतरीन हैं हमारे जवान

झारखंड के होमगार्ड जवानों और अग्निशमन विभाग के जवानों का हौसला बढ़ाते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि दोनों ही फोर्स बेहद कठिन परिस्थितियों में काम करती है। अग्निशमन रास्ते में शामिल हमारे जवान अपनी जान पर खेलकर आग पर काबू पाते हैं। ऐसे जवानों के हक की आवाज हमेशा उठाई जाती है हर तरह की सुविधा देने का प्लान भी तैयार किया गया है।

450 खिलाड़ी ले रहे हैं भाग

खेलकूद प्रतियोगिता में इस वर्ष लगभग 450 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में 10 खेलों का आयोजन किया गया है। जिनमें एथलीट्स, फुटबॉल और वॉलीबॉल भी शामिल है। तीन दिनों तक यह प्रतियोगिता चलेगी। जिसमें जवानों को अपने खेल का हुनर दिखाने का मौका मिलेगा।

इस मौके पर मौजूद डीजी होमगार्ड अनिल पालटा ने बताया कि इस तरह के आयोजन हमारे जवानों के लिए बेहद आवश्यक हैं। हमारे जवान बेहद कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं। ऐसी प्रतियोगिताएं उनके लिए बेहद जरूरी है।

मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम का निलंबन समाप्त

जल संसाधन विभाग ने जारी किया आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम को निलंबन मुक्त कर दिया है। इस संबंध में जल संसाधन विभाग ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने ग्रामीण विकास विभाग में मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के दौरान 23 फरवरी 2023 को वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद सरकार ने 27 फरवरी 2023 को उन्हें निलंबित कर दिया था।

लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें न्यायालय से जमानत मिली और 21 नवंबर 2024 को वे जेल से रिहा हुए। इसके अगले ही दिन, 22 नवंबर 2024, उन्होंने जल संसाधन विभाग में योगदान दिया, क्योंकि उनका मूल कैडर यही विभाग है। योगदान के साथ ही उन्होंने सरकार से निलंबन समाप्त करने का अनुरोध किया था। सरकार ने पूरे मामले की समीक्षा के बाद उन्हें 22 नवंबर 2024 की तिथि से निलंबन मुक्त करने का निर्णय लिया है।

जेएसएलपीएस की सीइओ कंचन सिंह ने ओरमांझी प्रखंड का किया दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी कंचन सिंह ने गुरुवार को रांची जिले के ओरमांझी प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने झिमडी परियोजना के तहत सखी मंडल की महिलाओं द्वारा संचालित कृषि गतिविधियों का निरीक्षण किया और उनकी प्रगति का जायजा लिया। कंचन सिंह ने महिला किसानों से संवाद किया, जो सूक्ष्म टपक सिंचाई के माध्यम से खेती कर रही हैं और साल में तीन फसलों का उत्पादन सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की महिलाएं अपनी लगन और नवाचार से खेती में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं। उन्होंने सखी मंडल की महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकती हैं और आत्मनिर्भर बन सकती हैं। उन्होंने महिला उद्यमियों को अंडा उत्पादन के लिए मुर्गीपालन अपनाने का सुझाव दिया, जिससे न केवल उनके परिवारों के पोषण स्तर में सुधार होगा, बल्कि यह एक अतिरिक्त आय का साधन भी बनेगा। जेएसएलपीएस के इस प्रयास से महिला किसानों को सशक्त बनाने और सतत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद मिल रही है। इस मौके पर जेएसएलपीएस के राज्य और जिला स्तर के अधिकारी और सखी मंडल की महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

ह्यूमन रिसोर्स अकाउंटिंग पर आधारित पुस्तक का विमोचन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के कुलपति ने गुरुवार को ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट इन चैरिटेबल हेल्थ आर्गनाइजेशन, इनसाइट्स एंड इंपैक्ट एनालाइसिस पुस्तक का विमोचन किया, जिसे सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में सहायक प्रोफेसर, डॉ प्रज्ञान पुष्पांजलि द्वारा लिखा गया है। डॉ प्रज्ञान पुष्पांजलि न केवल मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रख्यात शिक्षिका हैं, बल्कि एक प्रभावशाली कॉरपोरेट ट्रेनर भी हैं और उन्होंने कई प्रसिद्ध कॉरपोरेट घरानों, नौकरशाहों, न्यायाधीशों और अन्य सरकारी अधिकारियों के लिए कई प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये हैं। यह डॉ प्रज्ञान पुष्पांजलि द्वारा लिखी गयी पहली पुस्तक है और इसका विषय ह्यूमन रिसोर्स अकाउंटिंग पर आधारित है, जो

एचआरए में एक बहुत ही रोचक और अभी तक कम खोजा गया शोध क्षेत्र है। झारखंड में कार्यरत चयनित चैरिटेबल हेल्थ संगठनों पर मानव संसाधन लेखांकन और इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का अध्ययन एक गहराई से शोधित और व्यापक पुस्तक है जो सामाजिक कार्य और चैरिटेबल एजेंसियों में ह्यूमन रिसोर्स अकाउंटिंग (एचआरए) की अवधारणाओं और सिद्धांतों के अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालती है। यह पुस्तक एचआरए की अवधारणाओं और तकनीकों के साथ-साथ इसके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोणों का गहन विश्लेषण प्रदान करती है। इसमें यह विस्तार से समझाया गया है कि संगठित, परोपकारी और चैरिटेबल संस्थान एचआरए का उपयोग कैसे कर सकते हैं, ताकि वे अपने बनाये गये कल्याण, उनके सेवा प्रदाताओं द्वारा किये गये बलिदानों और उनके मानव संसाधनों के मूल्य को मौद्रिक रूप से माप सकें। यह एचआरए आधारित तार्किक और तर्कसंगत मापन न केवल उन्हें रणनीतिक निर्णय लेने में मदद कर सकता है, बल्कि विभिन्न दानदाताओं और एजेंसियों से दान प्राप्त करने के लिए उनके प्रतिस्पर्धी दावों को मजबूत और न्यायसंगत ठहरा सकता है, बल्कि यह भी सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है कि उनके कार्यों को हितधारकों और समाज द्वारा कैसे देखा जाता है।

हाइकोर्ट में इडी अधिकारियों को मैनेज करने के आरोपों की जांच पर 27 मार्च को सुनवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के अधिकारियों को कथित रूप से मैनेज करने के आरोपों की जांच को लेकर दाखिल याचिका पर झारखंड हाइकोर्ट अब 27 मार्च को सुनवाई करेगा। इस मामले की सुनवाई गुरुवार को भी हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई, जिसमें कोर्ट ने इडी के अधिकारियों के खिलाफ पीड़ादायक कार्रवाई पर लगाये गये रोक के आदेश को अगली सुनवाई तक बढ़ा दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाइकोर्ट के आदेश को किया बरकरार : इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाइकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें रांची पुलिस को पंडरा ओपी, सुखदेव नगर थाना, जगन्नाथपुर थाना, अनगड़ा थाना, मोरहाबादी टीओपी, नामकुम थाना और देवघर थाना के सीसीटीवी फुटेज को 4 अक्टूबर 2024 से 17 अक्टूबर 2024 तक सुरक्षित रखने का निर्देश दिया था।

फ्लोरेंस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में फार्मा अन्वेषण 2025 का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इरबा स्थित फ्लोरेंस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में नेशनल फार्मेसी दिवस के अवसर पर फार्मा अन्वेषण 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मेंबर ऑफ एग्जीक्यूटिव कमेटी, फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया धर्मेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि रजिस्ट्रार कम सेक्रेटरी, झारखंड स्टेट फार्मेसी कौंसिल, प्रशांत कुमार पांडेय, फाउंडर एंड सीइओ डी सेट कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु चिन्मया मिश्रा, क्वालिटी हेड ज्दुस हेल्थ केयर लिमिटेड, अहमदाबाद गुजरात, रविंद्र पात्रा, टीम लीडर फेरिंग लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद, रत्नाकर सत्पथी, संस्थान की सचिव जीनत कौशर, सोसाइटी मेंबर डॉ नाजनीन कौशर, निदेशक डॉ शाहीन कौशर मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम आयोजन द्वीप प्रज्ज्वलित कर और छात्रों द्वारा रंगारग कार्यक्रम कर नेशनल एजुकेशन फार्मेसी दिवस का आगाज किया गया। मुख्य अथिति धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि इस दिन को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र नायको, फर्मासिस्ट और फार्मेसी पेशेवरों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है।

फर्मासिस्ट आम जनता की भलाई सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करते हैं, वहीं विशिष्ट अतिथि प्रशांत कुमार पांडेय ने कहा कि फार्मासिस्ट हमें जीवन बचाने वाली दवाइयों को उपलब्ध कराने का कार्य करते हैं, उन्हें हमारे स्वास्थ्य का संरक्षक भी कहा जाता है, वहीं संस्थान के सचिव जीनत कौशर ने कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के साथ-साथ फार्मासिस्ट की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है, फार्मासिस्ट उचित दवाइयों को रोगियों तक पहुंचाने के लिए एक कड़ी की तरह कार्य करते हैं, वो डॉक्टर और नर्सों के साथ मिलकर रोगियों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करने के लिए काम करते हैं। मौके पर मुख्य रूप से प्राचार्या डॉ संजीब कुमार कर, आशुतोष बेहेरा, मजहर अंसारी, पवन कुमार, डॉ मंजर आलम, रचना भारती, ज्योति कंचन, सत्यजीत मोहंती आदि उपस्थित थे।

अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल हों : प्रशांत

वाइबीएन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी में फार्मा अन्वेषण 2025 मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वाइबीएन यूनिवर्सिटी, रांची के स्कूल ऑफ फार्मेसी ने फार्मास्यूटिकल रिसर्च और इनोवेशन में प्रगति का पता लगाने के लिए प्रसिद्ध उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और छात्रों को एक साथ लाकर फार्मा अन्वेषण 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में झारखंड राज्य फार्मेसी परिषद (जेएसपीसी) के रजिस्ट्रार प्रशांत कुमार पांडेय ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य, दवा विकास और नियामक मामलों में फार्मासिस्टों की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया और छात्रों को

अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित किया। सम्मानित अतिथि अमित दास, वरिष्ठ वैश्विक परीक्षण विशेषज्ञ, ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब, हैदराबाद और धर्मेंद्र सिंह, कार्यकारी परिषद सदस्य, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआइ), नयी दिल्ली ने वैश्विक नैदानिक परीक्षणों, नियामक प्रगति और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में कैरियर के अवसरों पर अपनी विशेषज्ञता साझा की।

वाइबीएन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मेसी के डीन प्रोफेसर डॉ आशीष सरकार ने इस कार्यक्रम के आयोजन में अहम भूमिका निभायी और अकादमिक शोध और उद्योग प्रथाओं के बीच की खाई को पाटने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को अभिनव शोध करने और उभरते फार्मास्युटिकल परिदृश्य में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध पेशेवर और शिक्षाविद भी शामिल हुए, जिनमें ओड़िशा के सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के प्रोफेसर डॉ कीर्तिमाया मिश्रा, डरहम के टेर्गस फार्मा एलएलसी के वैज्ञानिक अभिषेक कुमार मिश्रा, चंडीगढ़ के सन फार्मा के प्रोडक्शन हेड गेजेंद्र कुमार सेठी और बेंगलुरु के जुवेंटस के मैनेजर (क्यूए) राजेंद्र परिदा शामिल थे। इस कार्यक्रम का संचालन संगीता कुमारी और रोहित कुमार ने किया। कार्यक्रम का समापन एक सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें फार्मास्युटिकल क्षेत्र में उनके योगदान के लिए विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया गया। अपाला बनर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। फार्मा अन्वेषण 2025 ने फार्मास्युटिकल शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए वाइबीएन विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

कौन करेगा भरोसा!

रूस के साथ चल रहे युद्ध के खत्म होने में अभी काफी वक्त है, इस बयान के कुछ ही दिनों बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ शर्तों के साथ युद्धविराम की पेशकश की है। युद्ध का रुकना अच्छी बात है, लेकिन यह पेशकश लाचारी में की गयी लगती है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सैन्य मदद रोकने के एलान के बाद जेलेंस्की की ओर से इसका प्रस्ताव आया।

मजबूरी की पेशकश: पिछले हफ्ते अमेरिका में जेलेंस्की और ट्रंप की बातचीत हुई थी। इसमें ट्रंप ने यूक्रेन पर एहसान-फरामोशी का आरोप लगाया था। जेलेंस्की की ओर से भी तल्ख बातें की गयी थीं। इसी के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा था कि रूस के साथ शांति में काफी वक्त लगेगा। लेकिन इस पूरे प्रकरण के बाद उन पर ट्रंप के साथ रिश्तों को सुधारने का दबाव था। इस बीच, पिछले सोमवार को ट्रंप ने यूक्रेन को सैन्य मदद रोकने का एलान कर दिया। इसलिए जेलेंस्की का यह कदम मजबूरी में उठाया गया लगता है।

सुरक्षा गारंटी नहीं: ट्रंप यह भी चाहते हैं कि अमेरिका ने जो 100 बिलियन डॉलर की मदद दी है, उसके बदले यूक्रेन उसे अपने यहां के रेयर अर्थ मिनरल्स दे। युद्ध रुकने के बाद ट्रंप यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी नहीं देंगे। उनका कहना है कि रेयर अर्थ की माइनिंग के लिए अमेरिकी लोगों के यूक्रेन में होने की वजह से रूस उस पर हमला नहीं कर सकेगा। लेकिन तीन साल पहले जब व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला बोला था, तब भी अमेरिकी कंपनियां वहां काम कर रही थीं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्धविराम की पेशकश की है, लेकिन यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य मदद रोकने के एलान के बाद मजबूरी में उठाया गया लगता है। ट्रंप यूक्रेन से सुरक्षा गारंटी छोड़कर रेयर अर्थ मिनरल्स की मांग कर रहे हैं, जिससे अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच गलत संदेश जायेगा।

साख गिरेगी: यूक्रेन को लेकर अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों के बीच भी दूरी बढ़ रही है। ब्रिटेन और फ्रांस ने युद्धविराम के दौरान यूक्रेन में अपनी फौज रखने का वादा किया है, लेकिन अमेरिका की गारंटी के बगैर यह काफी नहीं होगा। बाइडन सरकार ने लोकतंत्र और पुतिन के विस्तारवादी एजेंडे को रोकने के लिए यूक्रेन की मदद की थी। वहीं, ट्रंप ने डिप्लोमेसी को सौदेबाजी में बदल दिया है। इससे अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच गलत संदेश जायेगा। आज से पहले अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ खड़ा रहा है, लेकिन यूक्रेन मामले को लेकर ट्रंप का जो रुख है, उसे देखते हुए शायद ही कोई अमेरिका पर ऐतबार करेगा।

गलत है सोच: फिर इसकी क्या गारंटी है कि पुतिन यूक्रेन के बाद किसी और देश पर हमला नहीं करेंगे? ट्रंप को यह भी लगता है कि रूस के साथ अदावत खत्म करके वह पूरा ध्यान चीन से मुकाबले पर लगायेंगे। लेकिन इसके लिए उन्हें खासतौर पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोगियों की जरूरत होगी। सवाल यह है कि यूक्रेन को लेकर अमेरिका का जो रुख है, उसे देखते हुए क्या सहयोगी उन पर भरोसा करेंगे?

अभिमत
आजाद सिपाही

आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तिकरण एक विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। जहां देखो, लोग नारी की चर्चा करते मिलते हैं। कहते हैं, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते है। नारी सशक्तिकरण के लिए सबसे पहले जरूरी है नारी के प्रति समाज को जागरूक करना। उन्हें समाज में वह इज्जत दिलानी होगी, जिसकी वह पहले से ही हकदार हैं।

तब खुद-ब-खुद तैयार हो जायेगा विकसित भारत का कारवां

शेख तंजीला नाज

विकसित भारत का नारा देशभर में गूंज रहा है। इस निमित्त सरकार विकास की अनेक योजनाएं चला रही हैं। सड़क, सफाई, स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा आदि क्षेत्रों में लगातार कार्य हो रहे हैं। महिला सशक्तीकरण को लेकर सरकार बहुत गंभीर दिख रही है। ये सभी विकसित भारत की दिशा में सुंदर संकेत दे रहे हैं।

आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तिकरण एक विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। जहां देखो, लोग नारी की चर्चा करते मिलते हैं। कहते हैं, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते है। नारी सशक्तिकरण के लिए सबसे पहले जरूरी है नारी के प्रति समाज को जागरूक करना। उन्हें समाज में वह इज्जत दिलानी होगी, जिसकी वह पहले से ही हकदार हैं। इससे आगे बढ़ें, तो महिलाओं का शिक्षित होना सशक्तिकरण की पहली पायदान है। शिक्षा से ही महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे बढ़ पाती हैं।

आज वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं, बल्कि हर मैदान में अपनी फतह का परचम लहराया है।

सदियों से हम कहते-सुनते आये हैं कि यदि घर-परिवार में एक महिला पढ़ी-लिखी हो, तो उस परिवार के पूरे लोग पढ़ लिख जायेंगे। महिलाओं ने इसे सच करके भी दिखाया है।

सभी जानते हैं कि सदियों पहले, लाखों-लाख महिलाएं ऐसी थीं, जिन्हें पढ़ना-लिखना नहीं आता था। मगर, वे अपने घर-परिवार को पूरी ताकत से और बहुत ही सलीके से संभालती थीं। तब इतने संसाधन भी नहीं थे। फिर भी हर काम वक्त पर और करीने से कर लिया जाता था। बहरहाल, बदलते समय के साथ महिलाएं भी बदलीं। आज वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं, बल्कि हर मैदान में अपनी फतह का परचम लहराया है। चाहे वह खेल का मैदान हो, राजनीति हो, नौकरी, सोशल वर्क, ज्यूडिशियरी या बड़े पद पर आसीन होने के साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर भी महिलाएं कई सारी पदों पर विराजमान हैं। मिसाल के तौर पर देखा जाये, तो ग्रामीण महिलाएं सरकार के तमाम योजना से जुड़ कर काम कर रही हैं। आंगनबाड़ी हो या फिर स्वास्थ्य क्षेत्र हो, हर क्षेत्र में इन्होंने परचम लहराया है।

ऐसे देखा जाये, तो ग्रामीण महिलाएं आज बहुत ही आगे हैं, क्योंकि वो तरह-तरह के रोजगार से जुड़ कर अपनी आजीविका चला रही हैं। और ये तमाम बातें हमें विकसित भारत की ओर ले जा रही हैं। हमारे सपने साकार हुए हैं। केंद्र और राज्यों की सरकारों ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अच्छे कदम उठाये हैं। सरकारी योजनाओं से उन्हें लगातार लाभान्वित किया जा रहा है। महिलाओं के लिए मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा ऋण, उज्ज्वला योजना समेत अन्य कई योजनाएं इस बाबत उल्लेखनीय हैं। ये सभी स्वागत-योग्य कदम हैं।

अब हालात के साथ वक्त भी बदल गया है। आज महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं हैं। वो जहाज उड़ाने से लेकर चांद के पार तक सफर कर चुकी हैं और इन सब को करने में सरकार का काफी योगदान रहा है। सरकार ने हर मैदान में महिलाओं को आगे रखा है। कल तक जिसे बहुत कुछ नहीं आता था, आज वो भी एक सफल कार्य कर अपने घरों को चला रही हैं। खास कर देखा जाये, तो बिना पढ़ी-लिखी महिलाएं भी आज एक सफल बिजनेस वीमेन बन कर उभर रही हैं या यूं कहें उभरी हैं, क्योंकि सरकार ने जो भी योजनाएं चलायी हैं, उनमें सबसे ज्यादा भागीदारी महिलाओं की ही रही है, चाहे वो शहरी इलाका हो या ग्रामीण स्तर।

ऐसे देखा जाये, तो ग्रामीण महिलाएं आज बहुत ही आगे हैं, क्योंकि वो तरह-तरह के रोजगार से जुड़ कर अपनी आजीविका चला रही हैं। और ये तमाम बातें हमें विकसित भारत की ओर ले जा रही हैं। हमारे सपने साकार हुए हैं। केंद्र और राज्यों की सरकारों ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अच्छे कदम उठाये हैं। सरकारी योजनाओं से उन्हें लगातार लाभान्वित किया जा रहा है। महिलाओं के लिए मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा ऋण, उज्ज्वला योजना समेत अन्य कई योजनाएं इस बाबत उल्लेखनीय हैं। ये सभी स्वागत-योग्य कदम हैं। लेकिन विकसित भारत की राह हमारी तब और आसान हो जायेगी, जब गरीबी-बेरोजगारी के खिलाफ भी राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जायेगा। यह अत्यंत आवश्यक है।

रोजी-रोटी की समस्या सुलझती रहे, तो हमारा कार्य और सुगम हो जायेगा। इन सबके बीच जो सबसे आवश्यक बिंदु है, वह है सौहार्द का सशक्तिकरण। प्रेम और भाइचारे को मजबूती देकर ही यह संभव है। पूरी दृढ़ता के साथ कहा जा सकता है कि जब सौहार्द का सशक्तिकरण हो जायेगा, विकसित भारत का कारवां तब खुद-ब-खुद तैयार हो जायेगा।

(लेखिका रांची स्थित वरिष्ठ पत्रकार हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

कोल्हान की खबरें

व्यापारी को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बीते दिनों एएसएल मोटर्स के मालिक दिलीप गोयल के कंपनी को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी गई।एसएसपी किशोर कौशल ने बताया आरोपी की पहचान राहुल तिवारी उर्फ राहुल पारीख के रूप में हुई है। जो पूर्व में श्री गोयल की कंपनी में कार्यरत था। उसने धन उगाही के उद्देश्य से यह धमकी दी थी। राहुल ने स्वयं

को बचाने के लिए अपने एक परिचित का मोबाइल फोन उपयोग कर 4 मार्च की रात 9:24 बजे धमकी भरा कॉल किया था। कॉल के बाद उसने मोबाइल से उस नंबर को डिलीट कर दिया था। टीएसपी कुमार शिवाशीष के नेतृत में पुलिस टीम ने तत्परता से कारवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उस मोबाइल को भी जब्त कर लिया।जमशेदपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से शहर के व्यवसायियों व नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

युवक का शव मिलने से लोगों में आक्रोश, सड़क जाम कर किया विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। बीते दिनों कपाली थाना अंतर्गत कमारगोडा में 20 वर्षीय शिवम सिंह का शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगो ने अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोनारी कांदरबेड़ा मुख्य मार्ग में टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। जिससे क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया।वही सूचना मिलने पर पहुची पुलिस आक्रोशित लोगों को समझा बुझा कर यातायात बहाल करने के प्रयास में लगे रहे। उधर स्थानीय लोगो का कहना था शिवम सिंह झारखंड क्षत्रिय संघ सोनारी इकाई के उपाध्यक्ष जीतेंद्र सिंह के भतीजा था। कमारगोडा-कपाली

मोड़ के पास शव मिलने की सूचना मिला था। शिवम सिंह के गर्दन समेत शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट के निशान पाये गये। सूचना मिलने पर पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर परिजनों को सूचित किया।मृतक के परिजनों ने बताया शिवम सिंह का कपाली निवासी एक युवक से विवाद हुआ था। बाद में वह दोस्त बन गया था। घटना की रात शिवम उसी युवक के साथ निकला था और घर नही लोटा।बादमे सूचना मिली उसका शव बरामत हुआ।सूत्रों की माने तो शिवम सिंह की हत्या के आरोपी आत्मसमर्पण कर दिया। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। फिलहाल जिला प्रशासन ने आम लोगो को शांति बनाए रखने व कानून व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की।

बोड़ाम और पटमदा में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने विधानसभा क्षेत्र बोड़ाम और पटमदा प्रखंडों में सिंचाई सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की। गुरुवार को विधायक ने सरकार से अनुरोध करते हुए चांडिल डैम से अंडरग्राउंड पाइपलाइन (युजीपीएल) के

माध्यम से क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। ताकि किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।

जमशेदपुर रेड पॉज रेस्क्यू फाउंडेशन का पांचवां 'फीड द स्ट्रे' अभियान 9 को

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर रेड पॉज रेस्क्यू फाउंडेशन के द्वारा आगामी 9 मार्च को 5वें फीड द स्ट्रे अभियान का आयोजन किया जायेगा। गुरुवार को इसकी जानकारी अनीज पटेल ने दी। उन्होंने बताया 9 मार्च को आयोजित अभियान के दौरान शहर के आवारा कुत्तों, बिल्लियों, गायों, बैलों और अन्य निराश्रित जानवरों को भोजन उपलब्ध कराया जायेगा। आगामी 9 मार्च को बिस्टुपुर डायमंड पार्क के पास सुबह 7:30 बजे हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा। इस अभियान में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान की जायेगी। उन्होंने शहर के पशु प्रेमिओ से इस महत्वपूर्ण पहल पर समाज में पशु कल्याण व जागरूकता बढ़ाने में मदद करने की अपील की।

होली और रमजान में विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए बैठक

चाईबासा (आजाद सिपाही)। पश्चिमी सिंहभूम जिले में होली एवं रमजान के मद्देनजर विधि-व्यवस्था संधारण के उद्देश्य से समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि आगामी 14 मार्च को होली है तथा उससे पूर्व 13 मार्च को होलिका दहन होगा। साथ ही, अभी मुस्लिम समुदाय का रमजान महीने में रोजा भी चल रहा है। उक्त के संदर्भ में उपायुक्त ने सभी अनुमंडलाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचलाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहकर सारी गतिविधियों पर निगरानी रखने एवं आयोजन दिवस से पूर्व सभी स्थानों का भौतिक निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि इस दौरान पदाधिकारी कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन के साथ ही स्थानिक जन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद करने को कहा। उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी/ पुलिस पदाधिकारियों के साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी/ थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में संचालित व्हाट्सएप ग्रुपों में प्रसारित होने वाली सूचनाओं तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का अनुश्रवण करने का भी निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग को सभी स्वास्थ्य केंद्रों को क्रियाशील रखने, एंबुलेंस की व्यवस्था के साथ ही चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को नियमित रूप से सभी होटल, मिठाई दुकानों आदि की गहन जांच करने का भी निर्देश दिया।

बाबूलाल को विधायक दल का नेता चुने जाने पर महानगर अध्यक्ष ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर पूरे प्रदेश में हर्ष और उत्साह का माहौल है। गुरुवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी को बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा बाबूलाल मरांडी न केवल एक कुशल संगठनकर्ता व अनुभवी राजनेता हैं बल्कि वे झारखंड की माटी के एक सच्चे सपूत भी हैं। उनके नेतृत्व में भाजपा को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। श्री ओझा ने विश्वास जताया बाबूलाल मरांडी के मार्गदर्शन में

पार्टी प्रदेश की जनता के हितों की रक्षा के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष करेगी। साथ ही एक जागरूक और प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभायेगी।

जोहार ट्रस्ट और आदिवासी हो समाज महासभा का राष्ट्रीय मागे पर्व आज से

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिस्टुपुर गोपाल मैदान में जोहार ट्रस्ट व आदिवासी हो समाज महासभा का तीन दिवसीय (7 मार्च से 9 मार्च) राष्ट्रीय मागे पोरोब एवं जोहार नाईट कार्यक्रम शुक्रवार शाम 5 बजे से शुरूआत होगी। जोहार ट्रस्ट के सचिव दुर्गा चरण बारी ने बताया महोत्सव की सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान सभी पारंपरिक गीत, संगीत, नृत्य एवं खेलकूद की प्रस्तुतियाँ देंगे। मागे पर्व झारखंड,ओडिशा और पश्चिम बंगाल के हो जनजाति का एक

प्रमुख पारंपरिक पर्व है। जो मानव उत्पत्ति और सृष्टि की रचना के प्रतीक है। इस महोत्सव का उद्देश्य आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और कला को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन गोपाल मैदान में 7 मार्च को शाम 5 बजे भव्य रूप से किया जायेगा। इस अवसर पर 11 राज्यों से आए आदिवासी नृत्य दलों की प्रस्तुतियां होंगी। 8 मार्च को 'मागेसुसुन' प्रतियोगिता और मेगा आर्ट फेस्टिवल का आयोजन होगा। जिसमें 2000 से अधिक छात्र भाग लेंगे। 9 मार्च महोत्सव के अंतिम दिन 'बिगेस्ट डांस चैलेंज' का ग्रैंड फिनाले आयोजित होगा। जिसमें बॉलीवुड व झारखंड के जनजातीय सिने कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी। उन्होंने समाज के लोगो को ज्यादा से ज्यादा की संख्या में शामिल होकर विशाल कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

अबुआ बजट उम्मीदों से बढ़कर : आफताब आलम

रंका (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,45,400 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट पेश किया। जो झारखंड का अब तक का सबसे बेहतर और सराहनीय बजट रहा। अबुआ बजट शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, ग्रामीण विकास और महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देता है। बातचीत के क्रम में जिला उपाध्यक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा के आफताब आलम ने आजाद सिपाही को बताया कि हेमंत सोरेन सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी, सामाजिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से सजग और विकसित बनाने के लिए मंईयां सम्मान योजना दिया है, जिसकी जितनी प्रशंसा की जाये कम है। इस बजट की सभी वर्ग धर्म संप्रदाय के लोग प्रशंसा कर रहे हैं। महिला,व्यवसायी,छात्र और किसानों को यह बजट विशेष रूप से मजबूत करने का काम करेगा।

छात्रों का आरोप, साइकिल के नाम पर शिक्षक वसूलते हैं मोटी रकम

साइकिल दिलवाने के नाम पर हेडमास्टर साहब ने छात्रों से सचिव साहब का और अपना पाकिट खर्चा मांगा : छात्र धर्मजीत कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा। छात्रों को मिलने वाली सरकारी साइकिल योजना बना पैसा वसूल योजना साइकिल देने के बदले शिक्षक वसूलते है मोटी रकम। इसका खुलासा सगमा प्रखंड कार्यालय से साइकिल लेकर लौट रहे छात्रों द्वारा किया गया। गुरुवार के दिन दुसैया उत्क्रमित मध्य विद्यालय के छात्र प्रखंड कार्यालय से साइकिल लेकर घर जा रहे थे, उसी समय सगमा ब्लॉक मोड़ के पास साइकिल लेकर आ रहे छात्रों की मुलाकात मीडिया कर्मियों से हो गया। मीडिया कर्मियों ने पूछा की आप लोग किस विद्यालय में पढ़ते है, इस पर छात्रों ने कहा कि हम सभी उत्तक्रमित मध्य विद्यालय दुसैया के वर्ग आठ में पढ़ते है। फिर मीडिया कर्मियों ने सवाल किया कि साइकिल लेने के लिए पैसा भी देना पड़ता है क्या? इस पर साइकिल लिए छात्रा अनिता कुमारी, गुलाम सर्वर, हजरत अंसारी, धर्मजीत कुमार तथा जहरून खातून ने बताया कि इसके लिए हेड गुरुजी पंकज कुमार राय को दो सौ से तीन सौ रुपये दिये हैं तब जाकर हम लोगों को साइकिल मिला है। यह घटना तो उदाहरण के लिए है। इसी तरह प्रखंड के सभी विद्यालय में साइकिल के बदले पैसा वसूली का खेल चल रहा है। मीडिया कर्मियों ने दूरभाष के माध्यम से प्रखंड सिक्षा पदाधिकारी प्रतिभा कुमारी से पूछा तो उन्होंने कहा कि साइकिल सरकार के द्वारा मुफ्त दिया जाता है, इसमें किसी प्रकार का पैसा वसूल करना कानून के विपरीत है इसकी सूचना अभी मिला है। इसकी जांच किया जायेगा। सच्चाई मिलने पर दोषी पाये गये शिक्षकों पर कार्रवाई कर दंडित किया जायेगा।

वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी ने इस संबंध में कैशर राजा से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जब इस तरह का मामला है, तो जांच किया जायेगा और जांच के उपरांत दोषी पाये जाने पर सख्त से सख्त कार्रवाई किया जायेगा।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप कुमार यादव ने कहा कि झारखंड में हर स्तर पर घूसखोरी का खेल चल रहा है, अब विद्या के मंदिर कहे जाने वाले विद्यालय भी अछूता नहीं रह गया। पैसा वसूलने वाले शिक्षकों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किया जाना चाहिए।

इधर इस संबंध में हेडमास्टर पंकज कुमार राय से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि जो आरोप मेरे उपर पैसा लेने का लगाया जा रहा है वह गलत है।

मरांडी को विधायक दल का नेता चुने जाने पर सत्येंद्र तिवारी ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने आज प्रदेश कार्यालय रांची में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर उन्हें बधाई दी एवं राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

श्री तिवारी ने कहा कि बाबूलाल जी झारखंड के लोकप्रिय नेता हैं। उनको विधायक दल का नेता चुने जाने से अब झारखंड विधानसभा में भी राज्य की जनता की आवाज को मजबूती मिलेगी। विधायक ने कहा कि बाबूलाल मरांडी के चयन से कार्यकताओं में काफी खुशी है। राज्य में भाजपा को मजबूती मिलेगी। भाजपा के लोग सड़क से सदन तक राज्य हित में संघर्ष करने के लिए तैयार हैं।

विधानसभा अध्यक्ष से मिले सत्येंद्र तिवारी, भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने संबंधित पत्र सौंपा

गढ़वा। विधायक सह सभापति सत्येंद्र नाथ तिवारी ने गुरुवार को विधान सभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो से उनके कांके स्थित आवास पर मुलाकात की और बाबूलाल मरांडी के भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने संबंधित पत्र सौंप कर मरांडी को प्रतिपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देने की मांग की। गढ़वा विधायक के पत्र देने के बाद विधान सभा अध्यक्ष ने जल्द से जल्द श्री बाबूलाल जी को प्रतिपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देने से संबंधित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 9 को

आजाद सिपाही संवाददाता

अध्यक्ष मंसूर आलम का फाइल फोटो

डंडई। प्रखंड के रारो मदरसा मैदान में आयोजित झारखंड प्रीमियम लीग कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 9 मार्च को खेला जायेगा। इसकी जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष मंसूर आलम व सचिव जमील अंसारी ने दी। उन्होंने बताया कि पहले सेमीफाइनल मैच में खरदाहा की टीम ने लवाही को हराकर फाइनल में अपना जगह बनाया। इसी तरह दूसरे सेमीफाइनल में छतरपुर की टीम ने मकरी को हराकर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। फाइनल मुकाबला मकरी व बौलिया के बीच खेला जायेगा। बताया कि फाइनल के मुख्य अतिथि विधायक अनंत प्रताप देव व झामुमो जिला कार्यकारिणी सदस्य ताहिर अंसारी होंगे जबकी विशिष्ट अतिथि दीपक प्रताप देव होंगे। उन्होंने खेल प्रेमियों से अनुरोध किया है कि फाइनल मैच के दिन मैदान में पहुचकर खेलाड़ियों का हौसला अफजाई करें।

कांडी में किसान गोष्ठी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण गढ़वा के आदेश पर आत्मा से सहायक अनुदान योजना के तहत मझिगावां पंचायत भवन के सभागार में मंगलवार को प्रक्षेत्र दिवस किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कांडी प्रखंड के बिटिएम ओमप्रकाश गुप्ता ने किसानों को संबोधित करते हुए फसल उत्पादन में वृद्धि के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली कृषि तकनीकों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही, किसानों को केसीसी (कृषि क्रेडिट कार्ड) आवेदन के लिए जागरूक किया और एफपीओ (कृषि उत्पादक संगठन) के माध्यम से कृषि कार्यों में लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। ओमप्रकाश गुप्ता ने किसान समृद्धि योजना और पीएम कुसुम योजना के लाभों के बारे में भी विस्तार से बताया और इसे किसानों के लिए लाभकारी बताया। किसान गोष्ठी में पंचायत की मुखिया रीता देवी, किसान मित्र सुधांशु चौबे, मुखियापति शंभूनाथ शाह, किसान मोती चौबे, राम ध्यान राम और गंगेश्वर प्रसाद गुप्ता सहित कई किसान उपस्थित थे। इस आयोजन से किसानों को नई तकनीकी जानकारी मिली और वे अपने कृषि कार्यों में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित हुए।

विधायक अनंत प्रताप देव ने सदन में उठाया केहूनिया नाला का मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। प्रखंड क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित केहूनिया नाला सिंचाई योजना का कार्य वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। इसको लेकर विधायक अनंत प्रताप देव काफी गंभीर है। गुरुवार को विधानसभा के चालू सत्र के दौरान विधायक अनंत प्रताप देव ने जोरदार तरीके से इस मुद्दे को उठाया। मामला विधानसभा में विधायक द्वारा उठाये जाने से उसके पूरा होने की उम्मीद जगी है। तारांकित प्रश्न में विधायक ने बताया कि केहूनिया नाला पर डैम का निर्माण कार्य 80 प्रतिशत पूरा हो गया है। वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने के कारण योजना वर्षों से लंबित है। उन्होंने सदन में बताया कि केहूनिया नाला के पश्चिमी भाग का डायवर्सन का कार्य के साथ दो जगह पर नहर की खुदाई और चार जगहों पर पुल का निर्माण कार्य सहित अन्य अधूरे कार्य हैं। उन्होंने सदन को बताया कि केहूनिया नाला डैम के निर्माण कार्य को पूर्ण नहीं होने के कारण प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों के खेत सिंचाई के लाभ से वंचित रह गये हैं। विधायक के सवाल पर सरकार के अवर सचिव की ओर से मामले पर कार्रवाई को लेकर जल संसाधन विभाग विभाग के अभियंता प्रमुख को निर्देशित किया गया है। उधर केहूनिया नाला से संबंधित मामले को सदन में उठाये जाने पर प्रखंड क्षेत्र के लोगों ने विधायक के प्रति आभार जताया है। उन्होंने बताया कि यह योजना स्थानीय किसानों के लिए बहुत ही लाभदायक साबित होगा। उसके बाद भी जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण यह अधूरा पड़ा रहा। अब अधूरे सिंचाई योजना को पूरा होने की उम्मीद बढ़ी है।

नौकुंडीय महायज्ञ की पूणार्हुति

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड स्थित पोखरा के बीचोबीच निमार्णाधीन सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साथ गुरुवार को नव कुंडीय महायज्ञ की पूणार्हुति की गयी।

भगवान भास्कर के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व मूर्ति के प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया गया। बुधवार की शाम रथ पर सुसज्जित प्रतिमा के नगर भ्रमण के दौरान सैकड़ों महिला व पुरुष नाचते गाते और जयकारा लगाते दिखे। सूर्य मंदिर निर्माण सह छठ पूजा समिति के तत्वाधान में आयोजित भगवान भास्कर की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं नवकुंडीय महायज्ञ 28 फरवरी को विशाल कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ था।

महायज्ञ के दौरान एक मार्च की जलाधिवास, दो मार्च को अन्नाधिवास व फलाधिवास,तीन मार्च को मिष्ठानाधिवास, चार मार्च को पुष्पाधिवास, घृताधिवास व पांच मार्च को नगर भ्रमण सहित छः मार्च को विधिवत प्राण प्रतिष्ठा के बाद महायज्ञ की पूणार्हुति की गयी। इस महायज्ञ के दौरान हजारों दानवीरों ने आर्थिक व शारीरिक सहयोग किया। जबकि सेमौरा गांव निवासी अरुण प्रसाद, कांडी बाजार निवासी गरीब प्रसाद, अल्फा कंप्यूटर एंड वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर तथा डुमरसोता गांव निवासी सुखाड़ी साह द्वारा महायज्ञ के दौरान महाभंडारा का आयोजन कर प्रसाद का वितरण किया गया। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा सह महायज्ञ के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष कृष्ण बारी, उपाध्यक्ष रविरंजन, सचिव पंकज कुमार, उप सचिव अनूप राम, कोषाध्यक्ष गोरख प्रसाद, उप कोषाध्यक्ष जेपी सोनी, संरक्षक बाबूलाल प्रसाद, उदय सहित सैकड़ों लोगों की महती भूमिका रही।

केतार में जंगली भालू ने एक व्यक्ति पर किया हमला, लोग दहशत में

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। प्रखंड क्षेत्र के योगियाबीर निवासी नारायण गुप्ता को जंगली भालू ने गुरुवार सुबह 6:30 शौच जाने के दौरान अचानक हमला कर दिया। जिससे नारायण गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल को सामुदायिक अस्पताल भवनाथपुर में भर्ती कराया गया। वन विभाग की टीम अस्पताल पहुंच कर जायजा लिया। वहीं मौके पर सूचना पाकर वन रक्षी अनूप सिंह, निशांत कुमार, फॉरेस्टर अनिल गिरि अपने टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी लिया। हालांकि ग्रामीणों के अनुसार भालू होने की बात कही गयी, परंतु वन विभाग के द्वारा पुष्टि होना बाकी है। वन विभाग के वापस होते हैं जंगल में ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की जिसमें कई जगह पर भालू के पंजे के निशान भी मिले हैं, जिसकी सूचना पुनः वन विभाग को दे दी गयी है। इधर वन विभाग की टीम जांच में जुट गयी है। समाचार लिखे जाने तक इसकी पुष्टि नहीं हो पायी है। परंतु संदिग्ध जानवर होने की जानकारी दिया है। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी वन विभाग के टिम में फारेस्टर अनिल गिरी के साथ निशांत कुमार ने बताया कि जंगल की तरफ ना निकले और आवश्यकता होने पर समूह बनाकर हीं निकले, सूर्य ढलने के बाद लोग घर से बाहर जंगल की तरफ ना जाएं और सतर्क रहें। किसी प्रकार की जंगली जानवर आने के बाद तुरंत प्रशासन एवं वन विभाग को सूचित करें ताकि उसे पकड़कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया जा सके। लोगों को जंगल में जाने से मना किया है। किसी कारण वश अगर जंगल जाना आवश्यक हो, तो समूह में लाठी डंडे के साथ जाने की बात कही गयी है। इस घटना की जानकारी पर वन विभाग की टीम एवं समाजसेवी नागेंद्र सिंह, नागेंद्र प्रजापति, संजय गुप्ता ,एस कुमार गुप्ता, राजू गुप्ता रमेश बैठा, विश्वनंदन राम, लालबहादुर अगरीया, गंगेशवर गुप्ता सहित दर्जनों स्थानीय ग्रामीण मौजुद थे।

मुखिया ने डीसी से पर्यटन स्थल सतबहिनी झरना तीर्थ को अपग्रेड करने की मांग की

आजाद सिपाही संवादाता

कांडी। गढ़वा उपायुक्त की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक में सतबहिनी झरना तीर्थ का किसी ने नाम तक नहीं लिया, यह बड़े ही खेद की बात है। जिला के पर्यटन संवर्द्धन समिति की बैठक में जिला के कई पर्यटक स्थलों को उनके स्तर के अनुरूप अपग्रेड किया गया। इसके साथ ही कई चयनित स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में स्वीकृति प्रदान करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बावजूद इसके जिला एवं राज्य ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित एवं प्रसिद्ध मनोरम पर्यटन स्थल सतबहिनी झरना तीर्थ का उक्त बैठक के किसी प्रतिभागी ने नाम लेना भी मुनासिब नहीं समझा। जबकि गढ़वा जिला में सबसे पहले वास्तविकता के धरातल पर देखा जाये, तो सतबहिनी झरना तीर्थ को अपग्रेड करना चाहिए था। इस संबंध में कांडी प्रखंड अंतर्गत सरकोनी पंचायत के मुखिया सुबोध कुमार वर्मा ने कहा कि बैठक की खबर विस्तार से पढ़ने के बाद उन्हें और इस क्षेत्र के हजारों लोगों को काफी कष्ट हुआ है। इसलिए कि सतबहिनी झरना तीर्थ का विकास नागरिक प्रयास से किया गया है। इस मामले में यह पर्यटन स्थल एक अनोखा स्थान रखता है। उन्होंने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि जब सरकारी पैसे की बंदरबांट की चारों तरफ परिपाटी बन चुकी हो, तो ऐसे समय में सतत अकाल ग्रस्त क्षेत्र की जनता ने अपने पसीने की गाढ़ी कमाई एवं अपनी खर्ची बेचकर या दान करके इस स्थल के विकास में वर्ष 2001 से 2017 तक ढाई करोड रुपये खर्च कर इसे उत्कृष्ट पर्यटन स्थल का स्वरूप प्रदान किया है। मुखिया ने कहा कि उनके हृदय में इस मामले को लेकर इतना कष्ट हुआ कि उन्होंने 11:00 बजे रात में उपायुक्त शेखर जमुआर के व्हाट्सएप पर संदेश भेजने से अपने को रोक नहीं सका कि सतबहिनी झरना तीर्थ पर भी ध्यान दिया जाये श्रीमान।

वन विभाग की टीम ने 18 बोटा लकड़ी की जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत कैलान पंचायत के सुरक्षित वन क्षेत्र के जंगलों में पेड़ों की कटाई इन दिनों जोरों पर है, संबंधी खबर आजाद सिपाही अखबार के पिछले अंक में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद वन विभाग की निंद्रा टूटी। रेंजर प्रमोद कुमार के निर्देश पर गुरुवार को वन विभाग की टीम ने कैलान के नावानगर टेड़की महुआं के पास से पेड़ के 18 बोटा लकड़ी जब्त कर वन कार्यालय लाया। वहीं रेंजर प्रमोद कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर वन विभाग द्वारा कैलान के जंगलों में छापामारी कर माफियाओं द्वारा काटे गये पेंड़ो के 18 बोटा को जब्त किया गया है, साथ ही पेड़ काटने वालों को उपर कार्रवाई हेतु उन्हें चिन्हित किया जा रहा है।

जानते चलें कि कैलान के सुरक्षित जंगलों से इन दिनों लकड़ी माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर बड़े बड़े पेड़ो को काटते हुए आरा मशीन से लकड़ी का बोटा बनाकर बेचने का कार्य किया जाता रहा है। इसी दौरान कैलान दक्षिणी नावानगर टेड़की महुआं के पास 18 बोटा रखा हुआ था।

संबद्ध डिग्री महाविद्यालय महासंघ ने कुलपति से की समस्याओं के समाधान की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। संबद्ध डिग्री महाविद्यालय महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल महासंघ के अध्यक्ष विवेकानंद उपाध्याय के नेतृत्व में नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति डॉ दिनेश कुमार सिंह से मुलाकात कर उन्हें बुके भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान महासंघ ने संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग रखी।

महासंघ ने अनुदान राशि समय पर जारी करने, संबद्ध महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय के सिंडिकेट में प्रतिनिधित्व देने, मूल्यांकन सहित परीक्षा विभाग से जुड़ी सभी बकाया राशि का तत्काल भुगतान कराने और संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को भी पीएचडी कराने का अधिकार देने जैसी मांगें रखीं।

कुलपति डॉ दिनेश कुमार सिंह ने परीक्षा विभाग से संबंधित सभी लंबित भुगतानों को एक पखवाड़े के भीतर निपटाने का आश्वासन दिया। साथ ही, अन्य मांगों पर भी नियम संगत समाधान का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर महासंघ के संरक्षक और लातेहार कॉलेज के प्राचार्य प्रो प्रदीप तिवारी, एके सिंह जपला कॉलेज के प्राचार्य सुर्यमणि सिंह, संत तुलसीदास कॉलेज, रेहला के प्राचार्य संतोष कुमार मिश्रा, महासंघ के महासचिव डॉ. बंशीधर सिंह, बीएस एम कालेज भवनाथपुर के प्रो अफजल, बीएसएम कालेज के प्रो संजीत कुमार, गोपीनाथ सिंह महिला कालेज डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ महिपाल सिंह, एके सिंह जपला के डॉ रामसुभग सिंह, एम के कालेज पांकी के डॉ राजकमल वर्मा, डॉ मधेसर सहाय सुखदेव सहाय डिग्री कालेज के प्रो अंजनी पाठक, अनुपम मिश्रा, अमरेश पांडे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा।
(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

जिला परिषद चतरा द्वारा प्रखण्ड हंटरगंज एवं टण्डवा में निर्मितन्यू डाक बंगला को एक वर्षों के लिए बंदोबस्ती /लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। परिसम्पति विवरणी निम्नवत् है:–

क्र. स.	जिला परिषद द्वारा निर्मित भवन	क्षेत्रफल	बन्दोबस्ती की सुरक्षित राशि एक वर्ष का	जमानत की राशि तीन माह का
1	2	3	4	5
1	हंटरगंज डाकबंगला	3876 sqft	120000	36000
2	टण्डवा डाकबंगला	3876 sqft	120000	36000

अतएव सूचित करना है कि दिनांक.28/03/2025 को 3:00 बजे अपराहन में उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद,चतरा के सभागार में अद्योहस्ताक्षरी द्वारा या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा उपरोक्त परिसम्पतियों के बन्दोबस्ती प्रक्रिया की जायेगी।
जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते हैं आवेदन के साथ 5000.00 (पॉच हजार) रू0 का बैंक ड्राफटजो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिशद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा कर निम्नलिखित शर्तो का अनुपालन करते हुए निर्धारित समय पर डाक में भाग ले सकते हैं, जो लौटाया नहीं जायेगा।

शर्त :–

1. बन्दोबस्ती एक वर्ष के लिए की जायेगी।
2. डाक बोलने वाले को डाक में भाग लेने हेतु कॉलम–5 में वर्णित राशि जमानत के रूप में बैंक ड्राफट द्वारा उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद,चतरा के पदनाम से जिला परिषद, कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमा कर्ताओं की जमानत की राशि सफल डाक वक्ता के साथ एकरारनामा के तुरन्त बाद वापस कर दी जायेगी।
3. उच्चतम डाक वक्ता को सरकार द्वारा निर्धारित GST भुगतान करना होगा।
4. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को अपना पहचान पत्र /पैन कार्ड की अभिप्रमाणित प्रति जमा करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात साथ में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोवस्तधारी द्वारा सभी शर्तो को पुरा करने की स्थिति में निबंधित एकरारनामा किया जाना अविवार्य होगा। एकरारनामा के पश्चात् डाकबंगला आवंटित होगा।
6. निर्धारित निबंधन एवं एकरारनामा स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयंवहन करना होगा।
7. यदि एक वर्ष के बाद एकरारनामा बढाया जाता है तो 10 %से 15 % किराया में वृद्धि किया जायगा।
8. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
9. किसी भी प्रकार का विवाद होने पर चतरा जिला अन्तर्गत न्यायालय के jurisdiction में सुनवाई होगी।

कार्यपालक पदाधिकारी
जिला परिषद चतरा।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद्, चतरा।

PR 347926 (District) 24-25 (D)

सीएमयू महामंत्री ने किया एनके एरिया का दौरा

खलारी (आजाद सिपाही)। कोल फील्ड मजदूर यूनियन के महामंत्री राघवन रघुनंदन ने एनके एरिया का दौरा किया। दौरे के क्रम में उन्होंने डकरा भी आइपी क्लब में सीएमयू सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में उनका स्वागत किया गया। उन्होंने 21 एवं 22 मार्च को एनके एरिया में आयोजित दो दिवसीय अधिवेशन की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि एनके एरिया में सीएमयू के केंद्रीय अधिवेशन में सीसीएल के सभी एरिया से दो सौ से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिवेशन में मुख्य अतिथि एचएमएस के राष्ट्रीय महामंत्री हरभजन सिंह सिध्धु शामिल होगे इसके अलावा अन्य कई बड़े पदाधिकारी भी आयेंगे। उन्होंने कहा कि मेडिकल अनफिट के तहत आश्रित को जो नौकरी मिलती थी, वह अब कोल इंडिया प्रबंधन खत्म करने में लगा हुआ है। इसके अलावा कई अन्य मजदूरों से संबंधित कई मुद्दे है, जिनको लेकर कोल फील्ड मजदूर यूनियन मजदूरों के बीच जाकर समझाने और उनको साथ लेकर आंदोलन का भी तैयारी शुरू करेगा।

भाजपा ने किया अटल विरासत सम्मेलन

खूंटी (आजाद सिपाही)। भाजपा के कार्यालय खूंटी में अटल बिरासत सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनसंघ काल, 74 आंदोलन और वनांचल आंदोलन से जुड़े हुए लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू उपस्थित थे। माय ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी विराट व्यक्तित्व, इमानदार, कुशल नेतृत्वकर्ता कहा जाए तो वे असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। 25 दिसंबर 1924 में उनका जन्म हुआ था। मात्र 18 वर्ष की उम्र में राजनीति में आ गये थे। 1942 में जब भारत छोड़ो आंदोलन हुआ तब अटल जी को उस वक्त 24 दिनों के लिए जेल में रहना पड़ा। आरंभ से वे राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता से ओतप्रोत थे। वे अपना आरंभिक जीवन एक पत्रकार के रूप में शुरू किया था। राष्ट्र धर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन जैसे अखबारों का संपादन किया था। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर से अटल जी पहली बार चुनाव जीतकर आये और नौ बार हमारे महान देश के सांसद बन कर रहे। कार्यक्रम से पूर्व संगठन के प्रणेता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर सामूहिक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन किया गया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष बिनोद नाग, जगन्नाथ मुंडा, गंदौरी गुड़िया, भगीरथ राय, जिला कोषाध्यक्ष प्रियांक भगत, लक्ष्मी देवी, जिला मिडिया सह प्रभारी महावीर राम, आदर्श अंशुल, मण्डल अध्यक्ष मदन मोहन गोप, राजकुमार सिंह, आदि उपस्थित थे।

बाहरी लोगों को नौकरी हुई तो होगा जोरदार आंदोलन : मोर्चा

खलारी (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा केडीएच शाखा की बैठक विश्रामपुर पंचायत भवन में जालिम सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में केडीएच परियोजन के रैयत विस्थपितों के नौकरी मुआवजा एवं मुलभूत सुविधाओं पर चर्चा हुई। बैठक में कहा गया कि विश्रामपुर गांव के समीप खदान पहुंच गया है। जिससे खदान में होने वाली ब्लास्टिंग से भूकंप का अहसास हो रहा है। साथ ही उड़ने वाली धुल डस्ट से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। वहीं खदान से सटे घरों के नजदीक जहरली गैस का रिसाव भी नियमित हो रहा है। मोर्चा के लोगों ने कहा कि प्रबंधन ग्रामीणों को रही समस्याओं के प्रति पुरी तरह से उदासीन बना हुआ है। मोर्चा ने कहा कि केडीएच परियोजना में बाहरी लोगों के द्वारा गलत तरिके से कागजात बनाकर नौकरी लेने का प्रयास किया जा रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोष है। ग्रमीणों ने मांग किया कि सीसीएल प्रबंधन एवं अंचल केडीएच परियोजना के मुल रैयतों को उनका अधिकार दिलाने में सहयोग करे। केडीएच परियोजना में अगर किसी भी बाहरी व्यक्ति को नौकरी देने का प्रयास किया गया तो मोर्चा प्रबंधन के विरूद्ध जोरदार आंदोलन करने की तैयारी में है। बैठक का संचालन प्रभाकर गंझू ने किया। बैठक में मुख्य रूप से एरिया उपाध्यक्ष अमृत भोगता, दामोदर गंझू, धर्मराज गंझू, बालजीत गंझू, सोनू गंझू, देवलाल गंझू, किसुन मुंडा, निलेश गंझू, चंद्रदीप भोगता, सिप्ता गंझू, गुड्डु गंझू, अनिकेत गंझू, संजय गंझू, महावीर गंझू, देवेंद्र सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

जिला प्रशासन और मीडिया प्रतिनिधियों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच, उपायुक्त बने मैच ऑफ द मैच

खूंटी (आजाद सिपाही)। अफीम मुक्त खूंटी अभियान के अंतर्गत गुरुवार को अड़की प्रखंड के कोचांग स्थित स्कूल मैदान में जिला प्रशासन और मीडिया प्रतिनिधियों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले में नशामुक्ति एवं खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। मैच में मीडिया एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवरों में 91 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए जिला प्रशासन एकादश की ओर से उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 36 रन बनाये और टीम को आठ विकेट से जीत दिलाई। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। साथ हीं बेहतरीन बोलिंग करते हुए जिला प्रशासन की टीम से ब्रजेश कुमार ने तीन विकट चटकाये। उन्हें बेस्ट बॉलिंग ट्रॉफी प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने स्थानीय खिलाड़ियों एवं स्कूली बच्चों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए हॉकी एवं जर्सी का वितरण किया। उन्होंने खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक प्रयास भी है। उन्होंने जिला वासियों से अफीम मुक्त समाज बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

हेराफेरी कर वृद्धा के खाते से पेंशन के 47 हजार रुपये निकाले

आजाद सिपाही संवाददाता

राहे। राहे थाना क्षेत्र स्थित एसबीआइ शाखा से एक मृतक वृद्ध महिला के खाते से वृद्धावस्था पेंशन की राशि 47 हजार की निकासी बिचौलियों की मिलीभगत से किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामले के संबंध में बताया जाता है कि प्रखंड इड़िसेरेंग गांव के एक मृतक वृद्ध महिला इतवारी देवी का वृद्धावस्था पेंशन की 47 हजार की अवैध राशि निकाली गयी है। वृद्ध महिला की पांच वर्ष पूर्व एक अक्टूबर 2019 को मृत्यु हुई थी। इस वृद्ध महिला के मरने के बाद भी पांच साल से बैंक खाते में पेंशन की राशि आती रही। उक्त मृतक महिला के खाते की राशि पर अस्थायी बैंक कर्मी और बिचौलियों का नजर पड़ी और दो किस्तों में 17 हजार ओर 30 हजार की राशि अवैध तरीके से निकाली गयी, मामला 27 फरवरी की है। महिला के खाते में वृद्धा पेंशन की जमा राशि कुल 77 हजार रुपये की बतायी गयी है। महिला के खाते में अभी भी 30 हजार की राशि बची हुई है। शाखा प्रबंधक ने मृत वृद्ध महिला के बेटे डोमन मुंडा के घर जाकर निकाले गये रुपये की जमा करने की बात की। मामले की खबर उपप्रमुख उमेश महतो को मिली। इन्होंने बीडीओ अशोक कुमार को जानकारी दी। बीडीओ ने मामले को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्रवाई करते जांच पड़ताल शुरू कर दी। राशि निकासी करने वाले बिचौलिए और अस्थायी बैंककर्मी ने अधिकारियों के बढ़ते दवाब देख तत्काल उक्त राशि को मृत वृद्ध महिला के खाते में जमा कर दिया। इस संबंध में बीडीओ अशोक कुमार ने कहा कि मामला मेरे संज्ञान में आया है। मामला की जांच चल रही है। पांच सालों के मृत वृद्धाओं का सूची तैयार की जा रही है। सरकारी राशि गबन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इस संबंध में शाखा प्रबंधक एइ खलखो ने कहा कि अवैध निकासी का मामला सामने आते ही राशि की वसूली की गयी। संलिप्त अस्थायी बैंककर्मी को निष्कासित कर दिया गया है। बिचौलियों द्वारा किये कार्य की जांच किया जा रहा है।

जिला शिक्षा अधीक्षक से मिला प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ का प्रतिनिधिमंडल

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने जिला अध्यक्ष संजय कुमार पाठक के नेतृत्व में गुरुवार को जिला शिक्षा अधीक्षक से मूलाकात और मानदेय भुगतान को लेकर आवेदन दिया। ज्ञात हो कि जीरो आपार आइडी के कारण सहायक अध्यापकों का माह जनवरी से मानदेय भुगतान नहीं किया गया, जबकि अभी सामने होली है। होली जैसा त्यौहार में शिक्षकों का मानदेय रोकना उनके साथ सौतेला व्यवहार के समान है। आपार आइडी का कार्य प्रारंभ है, पर बहुत सी तकनीकी अड़चन के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिन बच्चों का आधार नहीं है उनका आपार नहीं बन पाता है और आधार के लिए जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की भी समस्या है। सहायक अध्यापक अपने कार्य के प्रति समर्पित हैं, हमारा संगठन कार्य नहीं करने वाले शिक्षकों की पैरोकार नहीं है, किंतु जो कार्य करते हैं अल्प मानदेय में अपना भरण पोषण कर रहे हैं। उनहें भुगतान मिलना चाहिए। जिला सचिव नेली लुकस ने कहा कि मानदेय रोकना कहीं से उचित नहीं। यदि होली से पहले मानदेय भुगतान नहीं किया गया तो संगठन बैठक कर आगे की रणनीति तैयार करेगी और धरना प्रदर्शन के लिए बीबस होंगे। बैठक में बुडन सिंह मुंडा, मनोज प्रामाणिक, कृष्णा महतो, रत्न पुरान, शांति होरो, सुखराम ओड़ेया, एनीमा नेल्सन नाग, मंगल सिंह मुंडा, नवास पूर्ति, सनिका मुंडा, मतीयश कंडीर आदि उपस्थित थे।

अवैध बिजली कनेक्शन के खिलाफ आठ पर मामला दर्ज

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ थाना क्षेत्र के मिलन चौक और टीकर में अवैध बिजली कनेक्शन के खिलाफ बिजली विभाग द्वारा छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी अभियान में मिलन चौक में नंदलाल साहू एवं भृगु महतो, टीकर में प्रकाश कुमार गोराई, मंथन चंद्र गोराई, पशुपति गोराई,तारापदो, गुरू पद एवं श्यामापद गोराई के खिलाफ बिजली विभाग द्वारा अवैध रूप से चोरी छिपे बिजली कनेक्शन करने के खिलाफ ईचागढ़ थाना में मामला दर्ज किया गया एवं जुमार्ना लगाया गया। बिजली कर्मी टींकू दे ने बताया कि अवैध बिजली कनेक्शन और बिना बिजली मीटर लगाये बिजली उपयोग करने के खिलाफ बिजली विभाग के सहायक अभियंता के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि सभी का कनेक्शन काट दिया गया एवं जुमार्ना के साथ मामला दर्ज किया गया।

सरहुल और रामनवमी को लेकर राय पंचायत के ग्रामीणों ने की बैठक

पिपरवार (आजाद सिपाही)। कोयलांचल क्षेत्र के राय पंचायत स्थित राय मे रामनवमी और सरहुल का त्योहार हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाएं जाने को लेकर राय पंचायत के ग्रामीणो की राय पंचायत सचिवालय भवन राय मे बैठक संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता राय पंचायत के समाजसेवी और मुखिया पति विजय पाहन एवं संचालन दुर्गा महतो ने किया। इस बैठक मे प्रत्येक वर्ष कि तरह इस वर्ष भी रामनवमी पूजा एवं सरहुल पूजा पूरे धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। सरहुल त्योहार के दौरान शोभायात्रा ढोल नगाड़े के साथ परंपरागत झारखंडी नृत्य के साथ निकाला जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर सहयोग राशि के रूप मे 350 रुपया चंदा स्वरूप निर्धारित किया गया है।

विद्यार्थी परिषद ने किया जिला स्तरीय छात्र पंचायत का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) खूंटी ने गुरुवार को जिला स्तरीय छात्र पंचायत का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य खूंटी जिले के छात्रों की समस्याओं का समाधान करना है। जिला संयोजक प्रकाश टूटी ने बताया कि खूंटी जिले में किसी भी विद्यार्थी को प्रवेश परीक्षा, परिणाम, छात्रवृत्ति या किसी अन्य प्रकार की समस्या होने पर वे छात्र पंचायत में अपनी समस्या रख सकते हैं। एबीवीपी द्वारा उन समस्याओं का समाधान करने का पूरा प्रयास किया जायेगा। छात्र पंचायत में छात्रों की समस्याओं को सुना जायेगा और उनका समाधान निकालने का प्रयास किया जायेगा। छात्र पंचायत का आयोजन खूंटी शहर के विभिन्न स्थानों पर किया जायेगा। एबीवीपी प्रदेश कार्यकारणी सदस्य हीरांजलि हेमरोम ने कहा कि एबीवीपी छात्रों की मदद के लिए हमेशा तत्पर है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को लेकर छात्र पंचायत में आएं और एबीवीपी से मदद लें। मौके पर मंगल कुम्हार, निमोनती बोदरा सहित काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

राजस्थान निवासी पुखराज की हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। राजस्थान निवासी पुखराज कुमार हत्याकांड में शामिल दो आरोपितों को पुलिस ने रांची के नामकुम थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों में रांची के नामकुम थानांतर्गत सुकरीडीह गांव निवासी आनंद मुंडा (34 वर्ष) और हरसिंह मुंडा (42 वर्ष) शामिल हैं। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने सुकरीडीह गांव के समीप एक जमीन पर दफन किये गये मृतक पुखराज के सिर को बरामद कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपितों के पास से पुखराज से लूटे गये 17 लाख रुपये में से नगद साढ़े आठ लाख रुपये, घटना में प्रयुक्त एक आल्टो कार, चार मोटरसाइकिल, एक टांगी, एक हथौड़ा और पांच मोबाइल फोन बरामद कर लिये हैं। यह जानकारी गुरुवार शाम को पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से प्रारंभिक पूछताछ और अनुसंधान में यह बात सामने आई है कि अवैध अफीम और डोडा कारोबार में लेनदेन के मामले को लेकर पुखराज की हत्या की गयी है। इस हत्याकांड में तीन आरोपित शामिल थे। एक आरोपित रांची के नामकुम थाना क्षेत्र निवासी शिवनाथ फिलहाल फरार है। फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी जारी है। बताया गया कि राजस्थान निवासी पुखराज कुमार अवैध अफीम और डोडा के कारोबार में जुड़ा था। वह डोडा खरीदने के लिए ही 27 फरवरी को रांची आया था। आरोपितों ने बताया कि पुखराज के पास पहले से ही उनका इस अवैध कारोबार का साढ़े 12 लाख रुपये बकाया था। गिरफ्तार आरोपित आनंद मुंडा के मकान पर रुके पुखराज से आरोपितों ने कहा कि इस बार पुलिस सख्ती के कारण डोडा उपलब्ध नहीं है। इसलिए डोडा खरीदने के लिए लाये गये रुपये में से उनका बकाया राशि की भुगतान कर दे। इसी बात पर पुखराज से मामूली विवाद होने पर आरोपितों ने पुखराज की निर्मम हत्या कर दी और मृतक की पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसके सिर को धारदार हथियार से काटकर धड़ से अलग कर दिया। फिर सिर को गांव के समीप एक जमीन पर दफन कर धड़ को खूंटी के मारंगहादा थानांतर्गत कुजराम से चुकरू जाने वाली सड़क पर लाकर फेंक दिया था। एसपी ने बताया कि इस ब्लाइंड केस के उद्वेदन के लिए खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। टीम में मारंगहादा अंचल के पुलिस निरीक्षक फ्रांसिस जेवियर बाड़ा, मारंगहादा थाना प्रभारी शंकर कुमार विश्वकर्मा समेत अन्य पुलिस अधिकारी और जवान शामिल थे।

गिरफ्तार आरोपितों का रहा है आपराधिक इतिहास

बताया गया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों का अपराधिक इतिहास रहा है। वर्ष 2018 में रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में हुई एक बुजुर्ग की हत्या मामले में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

फरार आरोपित के घर से मिली एक किलो 900 ग्राम अवैध अफीम

बताया गया कि पुखराज हत्याकांड में शामिल एक फरार आरोपित शिवनाथ के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित मकान पर जब पुलिस ने नामकुम पुलिस के सहयोग से छापामारी की तो शिवनाथ तो घर पर नहीं मिला लेकिन उसके घर से पुलिस को एक किलो 900 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुआ। बताया गया कि बरामद अवैध अफीम को नामकुम थाना की पुलिस ने जप्त कर लिया है। इस संबंध में नामकुम थाना में एक मामला दर्ज किया गया है।

विधायक सविता महतो ने विधानसभा में उठाया चांडिल डैम के विस्थापितों का मामला

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। के विधायक सविता महतो नें झारखंड विधानसभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न में चांडिल डैम से हुए विस्थापितो का मामला उठाया। जिसमे उन्होंने चांडिल डैम का निर्माण से हुए विस्थापितों को पुनर्वासित किये जाने हेतु 22 स्थल चिन्हित किया गया है, लेकिन उसमें से मात्र 13 स्थान को ही आधा अधूरा विकसित किया गया है। उत्तर स्वीकारात्मक है। किया यह बात सही है कि माकुला, सितु, कुंद्रीलोंग, घाघारी, बांदु, झीमरी, मुरगडीह एवं चाकरी गांव को अबतक बिकसित नहीं किया गया है। उत्तर स्वीकारात्मक है। उत्तर में 13 पुनर्वास स्थल में कुल 4342 आवासीय भूखंड है, जिसमें से 2641 भूखंड विस्थापितों को आवंटित है, और 1701 भूखंड शेष है। 13 पुनर्वास स्थल पर रिक्त भूखंड पर पूर्ण आवंटन के पश्चात अन्य नौ पुनर्वास स्थल पर भूखंड आवंटन एवं विकसित करने की कार्रवाई की जायेगी। वही विधायक नें प्रश्न किए कि झारखंड सरकार की पुनर्वास नीति के तहत विस्थापितों को नियोजित किये जाने का प्रावधान है। उन्होंने चांडिल डैम से विस्थापित हुए विस्थापितों को चिन्हित कर उनकी योग्यता अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय रिक्त पदों पर नियोजित करने का विचार रखती है।

कमारगोड़ा में एक युवक का शव बरामद

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। कपाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत कमारगोड़ा स्थित एक नाले के पास खजूर के पेड़ के नीचे एक युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान जमशेदपुर के सोनारी थाना क्षेत्र के ग्वाला बस्ती नि वासी शिवम कुमार सिंह (मैट्रिक परीक्षा का छात्र) के रूप में हुई है। युवक की हत्या तेज धारदार ह थियार से किये जाने की आशंका जताई जा रही है। शव के पास शराब की बोतल, सिगरेट का डब्बा, एक जोड़ी चप्पल, पानी और कोल्ड ड्रिंक की बोतलें भी पाई गयी। इसके अलावा मौके से हीरो होंडा सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल भी बरामद की गयी है। स्थानीय लोगों ने जब शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। कपाली ओपी पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गयी। प्रारंभिक जांच में शव की पहचान होने के बाद पुलिस घटना स्थल पर मिले सुरागों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। पुलिस के अनुसार, संभावना है कि मृतक बीती रात अपने दोस्तों के साथ वहां गया था, जहां साजिश के तहत उसकी हत्या कर दी गयी। चांडिल एसडी पीओ अरविंद कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार किया जायेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

भाजपा राहे मंडल अध्यक्ष चितरंजन महतो के अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़

राहे (आजाद सिपाही)। भाजपा राहे मंडल के अध्यक्ष और समाजसेवी चितरंजन महतो का शरीर गुरुवार को पंचतत्व में विलीन हो गया। उनका बुधवार शाम को रांची के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हुआ था। भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने पार्थिव शरीर पर भाजपा का झंडा ओढ़ाकर सम्मान दिया। फिर निवास स्थान डोकाद से कोकरो नदी तक निकली शवयात्रा में बड़ी संख्या लोग शामिल हुए। कोकरो श्मशान घाट पर उनके पुत्र ने मुखाग्नि दी। अंत्येष्टि कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामाकांत महतो, ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार पूर्व विधायक डॉ जीतू चरण राम , जिला परिषद सदस्य बादल महतो, प्रमुख लीलमनी देवी,पूर्व जिलाध्यक्ष रंधीर चौधरी, जिला उपाध्यक्ष प्रभुदयाल बड़ाइक,उप प्रमुख उमेश महतो, विनोद महतो आदि मौजूद हुए।

मैकलुस्कीगंज में प्रबंधन समिति की बैठक

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। जाह्नवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मैक्लुस्कीगंज में विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति की बैठक हुई। बैठक में विद्यालय के विकास सहित कई बातों पर चर्चा की गयी। बैठक के बाद विद्यालय की ओर से सहभोज का आयोजन हुआ। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जितेंद्र नाथ पांडे, संरक्षक रामसेवक प्रसाद साहू, सचिव सरयू प्रसाद साहू, सह सचिव दीपक कुमार प्रसाद, कोषाध्यक्ष कुलदीप प्रसाद साहू ,सदस्य पंकज कुमार प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, विजय कुमार आदि उपस्थित थे।

बिरसा कॉलेज में चित्रांकन, श्लोगन और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन

खूंटी (आजाद सिपाही)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को बिरसा कालेज खूंटी में एनएसएस के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रांकन, श्लोगन और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्लोगन और चित्रांकन का मूल्यांकन कर्ता डॉ पीएस सांगा, डॉ प्रियंका कुमारी थी। नुक्कड़ नाटक का मूल्यांकन डॉ अभिषेक कुमार, डॉ सुधांशु शर्मा कर रहे थे। भाषण में प्रथम दीक्षा कुमारी द्वितीय अल्बिना गुड़िया, तृतीय रशिम सांगा रही। निबंध में प्रथम दीक्षा कुमारी, द्वितीय मनीषा बरला, तृतीय पार्वती बड़ा युद्ध, श्लोगन में प्रथम अनामिका कुमारी, द्वितीय ईभा तोपनो, तृतीय चंदन हजाम, चित्रांकन में प्रथम असरीन मारकी द्वितीय शिल्पी टूटी, तृतीय अल्बिना गुड़िया रही। नुक्कड़ नाटक में प्रथम स्थान हिंदी विभाग, द्वितीय स्थान अर्थशास्त्र विभाग को मिला। कार्यक्रम में प्राचार्या प्रो जी किड़ो, प्रोग्राम अफसर डॉ पी सुरीन, प्रो तारीफ लुगून, डॉ पीएस सांगा, डॉ प्रियंका कुमारी, डॉ अभिषेक, डॉ सुधांशु शर्मा और अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

कोयलांचल में आज अदा की जायेगी रमजान महीने के पहले जुमे की नमाज

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में रमजान महीने के पहले जुमे की नमाज आज अदा की जायेगी। जिसको लेकर कोयलांचल क्षेत्र के सभी मस्जिदों में सारी तैयारी पूरी कर ली गयी है। इस संबंध में बचरा जामा मस्जिद के ईमाम हाफिज मुमताज आलम ने बताया कि रमजान के महीने में जुमे की नमाज का काफी महत्व होता है। इस दिन लगभग सभी मुसलमान मस्जिद जाकर नमाज अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि रमजान के महीने में रोजा रखने के अलावे तरावीह की नमाज,जांच वक्त की नमाज के अलावा जुमे की नमाज अदा करना भी काफी जरूरी होता है। उन्होंने कोयलांचल क्षेत्र के सभी लोगो से समय पर मस्जिद जाकर जुमे की नमाज अदा करने की अपील की है। फोटो-2.हाफिज मुमताज आलम की फोटो।

14 अप्रैल को मनेगी भीमराव अंबेडकर की जयंती

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। धमधमिया में 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती समारोह पूर्वक मनायी जायेगी। जयंती को लेकर गुरुवार को धमधमिया में मुखिया संतोष कुमार महली की अध्यक्षता में हुई। बैठक में धमधमिया में 14 अप्रैल को समारोहपूर्वक डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। इसकी तैयारी को लेकर एक कमिटि का गठन किया गया। जिसमे कमिटि में संरक्षक मुखिया संतोष कुमार महली,पंचायत समिति सदस्य सहदेव महली, मुकद्दर लोहरा,राजकिशोर सिंह, सरजू सिंह, उमाकांत सिंह, अमृत भोगता, सहकोषध्यक्ष रोहित कुमार सहित कार्यकारिणी सदस्य में दर्जनों लोगों को शामिल किया गया है।

दहशत : पुरानी रंजीश में दिया घटना को अंजाम, जांच में जुटी पुलिस

आनंद मार्ग आश्रम में घुसकर दो लोगों की गोली मारकर की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात अपराधियों ने आनंद मार्ग आश्रम में घुसकर दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इस दोहरे हत्याकांड से इलाके में दहशत का माहौल है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पुरानी रंजिश के चलते हमले को अंजाम दिया गया है। वहीं, मरने वालों की पहचान मुकेश शाह (65) और राजेंद्र यादव के रूप में हुई है। मुकेश शाह बिहार के भागलपुर का रहने वाला था।

मृतक मुकेश शाह की फाइल फोटो।

जबकि राजेंद्र हत्या का आरोपी था, आश्रम में ही छिपकर रह रहा था। आशंका है कि उसकी पुरानी दुश्मनी के चलते घटना को अंजाम दिया गया है। उधर, प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो, बुधवार की देर रात अचानक आश्रम में घुसे अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से सन्यासी मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राजेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उधर, खलारी डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। खबर है कि अब तक तीन-चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दूसरी ओर, इस दोहरे हत्याकांड से क्षेत्र में आक्रोश है।

डायन बिसाही के संदेह में महिला पर जनलेवा हमला

लापुंग (आजाद सिपाही)। दोलाइचा नवाटोली में गुरुवार अपराह्न तीन बजे डायन बिसाही के संदेह में जीतन मुंडाइन (40) नामक महिला पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया। आरोपी सोमरा मुंडा ने धारदार बलुआ से सात बार वार किया जिसमें सिर, गर्दन, बाह और सीने पर गंभीर जोट के निशान है। घायल जितन मुंडाइन को परिजनों की मदद से लापुंग सामुदायिक स्वस्थ केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वहीं, आरोपी सोमरा मुंडा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि प्राथमिकी दर्ज नहीं हो पायी है। जानकारी के अनुसार जीतन मुंडाइन जंगल से लकड़ी लाने गई थी। तभी रास्ते में अकेला पाकर सोमरा ने हमला कर दिया।

मरासिल्ली पहाड़ को विकसित करने की मांग विधायक राजेश कच्छप ने सदन में उठाया मुद्दा

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। झारखंड की राजधानी रांची का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मरासिल्ली पहाड़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और हरियाली के लिए जाना जाता है। यह ना केवल देशभर के पर्यटकों को आकर्षित करता है, बल्कि विदेशों से भी प्रकृति प्रेमी और साहसिक यात्रा के शौकीन यहां आते हैं। वर्ष 2021 में इसे राज्य स्तरीय पर्यटन स्थल का दर्जा दिया गया था, लेकिन चार साल बीत जाने के बाद भी यहां पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा कोई विकास कार्य नहीं किया गया है। बजट सत्र के दौरान शून्यकाल में विधायक राजेश कच्छप ने इस मामले को सदन में उठाया। उन्होंने आसन के माध्यम से सरकार से अनुरोध किया कि मरासिल्ली पहाड़ को विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाया जाएं। उन्होंने कहा कि यह स्थल पर्यटन की अपार संभावनाओं से भरा हुआ है, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के अभाव में इसे अभी तक उचित पहचान नहीं मिल पाई है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार इस स्थल पर सड़क, बिजली, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था और पर्यटकों के लिए अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित करे, ताकि यह झारखंड के पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान हासिल कर सके और स्थानीय लोगों को भी रोजगार के अवसर मिल सकें। मरासिल्ली पहाड़ को विकसित करने की यह मांग झारखंड के पर्यटन क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है। अब यह देखना होगा कि सरकार इस पर क्या कदम उठाती है।

गेतलसूद श्रद्धा सरना समिति का गठन अजय उरांव फिर से चुने गये अध्यक्ष

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। गेतलसूद श्रद्धा सरना समिति की बैठक गुरुवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता अजय उरांव ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से समिति का पुनर्गठन किया गया। जिसमें अजय उरांव पुनः अध्यक्ष चुने गए। वहीं उपाध्यक्ष रवि किशोर उरांव, गौरीशंकर मुण्डा, सचिव दशरत मुण्डा, उपसचिव बिट्टू उरांव, वीरेंद्र उरांव, कोषाध्यक्ष नीरज मुण्डा एवं उपकोषाध्यक्ष मोहन उरांव को बनाया गया। निर्णय लिया गया कि दो अप्रैल को श्रद्धा सरना समिति का 22 वां वार्षिक समारोह धूमधाम से मनाया जायेगा। वहीं, तीन अप्रैल को गेतलसूद में भव्य सरहूल शोभायात्रा निकाली जायेगी। इसस दौरान कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कमेटी के पदाधिकारियों को अलग-अलग दायित्व भी सौंपे गए। अजय तिर्की ने बताया कि कार्यक्रम में मंत्री चमरा लिंडा, शिल्पी नेहा तिर्की, इरफान असांरी, विधायक राजेश कच्छप, सुरेश बैठा सहित अन्य विशिष्ट अतिथि आमंत्रित किए जायेंगे। बैठक में ग्राम प्रधान सह संरक्षक जितेन्द्र उरांव, संदीप उरांव, अर्जुन मुण्डा, विजय उरांव, करण उरांव, मनु उरांव, दिलीप पहान, मोहन उरांव, अमीत, सूमीत, निशांत, सुलेन्दर, कुलेश्वर मुंडा, अनीता देवी, गीता देवी, मीणा देवी, कुन्ती देवी आदि मौजूद रहीं।

विधायक ने मृतक के परिजनों को दिया मदद

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत बरवे बसाती ग्राम के जल्लू नायक (55) का वीते दिनों आकस्मिक निधन हो गया। जिनके दशकर्म के लिए विधायक राजेश कच्छप के सौजन्य और विधायक के सलाहकार एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रमेश उरांव के सहयोग से से परिजनों को चावल की मदद की गयी। इस मौके पर मृतक की पत्नी, पुत्र एवं ग्रामीण सिलेखन नायक, जानकी देवी, कांति देवी, प्रकाश नायक, सूरज उरांव, पवन नायक आदि मौजूद थे।

काटमकुली गांव में महिला सम्मान समारोह आठ को

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। कांके बीएयू और पारादीप फोस्फेट लिमिटेड के सहयोग से महिला दिवस पर आठ मार्च को काटमकुली गांव में महिला सम्मान समारोह का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें कांके प्रखंड किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड द्वारा क्षेत्र के प्रगतिशील महिला किसानों समेत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट व सफल महिलाओं को भी सम्मानित किया जायेगा। साथ ही कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों द्वारा उन्नत कृषि का प्रशिक्षण दिया जायेगा। उक्त जानकारी उत्पादक समिति के अध्यक्ष राजेंद्र महतो ने दी है।

अब बिंजा-चैनगड़ा पंचायत भवन में भी होगी केवाइसी

बुढ़मू (आजाद सिपाही)। इंडियन बैंक के उमेडंडा शाखा में केवाईसी जमा करवाने के लिए ग्राहकों की हो रही भीड़ और असुविधा को देखते हुए गुरुवार को बैंक के डिप्टी मैनेजर के निर्देश पर तत्काल काउंटरों की संख्या बढ़ा दी गई। रांची जोन के डिप्टी जोनल मैनेजर मनीष कुमार ने शाखा का दौरा किया और खाताधारकों की परेशानियों को समझते हुए समाधान का निर्देश दिया। उन्होंने ग्राहकों को केवाईसी कराने में सहूलियत देने के लिए बीजा पंचायत भवन और चैनगड़ा पंचायत भवन में भी केवाईसी कैंप लगाने की व्यवस्था की। इसके अलावा, बैंक शाखा में भी एक अतिरिक्त काउंटर शुरू किया गया, जहां डिप्टी जोनल मैनेजर मनीष कुमार और शाखा प्रबंधक विशाल कुमार ने स्वयं चार खाताधारकों का केवाईसी कर इसकी शुरूआत की। इस मौके पर दोनों पंचायतों के मुखिया, बैंक अधिकारी-कर्मी, कई खाताधारक आदि मौजूद रहे।

पुआल में लगी आग, जलकर हुआ राख

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के चंपाडीह चापा टोली गांव में एक खलिहान में रखे पुआल के ढेर में गुरुवार की दोपहर दो बजे अचानक आग लग गइ। इससे पारा शिक्षक सह किसान लच्छु उरांव और उसके दो भाईयों का पुआल जलकर राख हो गया। हलांकी ग्रामीणों ने आग लगने के तुरंत बाद मौके पर पहुंचकर पानी मशीन से आग बुझाने का प्रयास किया। तब तक पुआल पूरी तरह जलकर राख हो चुका था।

ओवरलोड पिकअप अनियंत्रित होकर पलटी, खलासी की मौत

नामकुम (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सरवल रिंगरोड में एक अनियंत्रित पिकअप गाड़ी पलटने से खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जामुदाग सोनाहातु निवासी लक्ष्मण कोइरी (35) के रूप में हुई है, जबकि चालक धर्मेंद्र मंडल सुरक्षित बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिकअप तमाड़ से ओवरलोड कुट्टी (चारा) लेकर कटहल मोड़ की ओर जा रही थी। सरवल रिंगरोड पर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे खलासी लक्ष्मण कोइरी गाड़ी के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग थी। ओवरलोड होने के कारण पिकअप संतुलन खो बैठी और पलट गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और फिर परिजनों को सौंप दिया गया।

दुर्घटनाग्रस्त पिकअप को थाना लाया गया है, और मामले की जांच की जा रही है।

सदन में झारखंडी जनमानस के हितों के लिए मुखर आवाज होंगे बाबूलाल मरांडी : विनय

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। झारखंड के प्रथम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को झारखंड विधानसभा में सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। इस पर भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इनके अनुभव एवं सशक्त नेतृत्व में पार्टी मुखर होकर विधानसभा के अंदर और बाहर निरंतर राज्य के जनमानस के हितों के लिए सजग विपक्ष की भूमिका का निर्वाह करेगी। बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के गरीबों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए लंबा संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को उनके नेतृत्व में राज्य के विधायक धरातल पर उतारने में अपनी भूमिका निभायेंगे।

किसानों के बीच बकरियों का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को कृषि पशुपालन विभाग की ओर से बकरा विकास योजना के तहत कृषकों के बीच बकरियों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित विधायक प्रतिनिधि जमील मलिक ने कहा कि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री सह झारखंड सरकार सम्मनवयक समिति के सदस्य बंधु तिर्की अपने क्षेत्र के लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार उपलब्ध करने के लिए सरकार की ओर से चलाए जा रहे कल्याणकारी योजना को लोगों तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्प हैं। इसी कड़ी में मांडर प्रखंड के लगभग 110 किसनों के बीच बकरी वितरण किया गया, जो आत्म निर्भर बनकर रोजगार प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर मांडर के प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी चंचला कुमारी, प्रखंड उपप्रमुख अमानत अंसारी, बीएचओ अजय कुमार गुप्ता और सेरोफीना मिंज सहित कई लाभुक उपस्थित थे।

संस्कारों के बिना जीवन का कोई मूल्य ही नहीं है : रश्मि किशोरी

श्रीमद देवी भगवत कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। महादानी मंदिर परिसर में नवनिर्मित दशभुजी मां देवी दुर्गा देवी के मंदिर में चल रहे 11 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा सह शतचंडी महायज्ञ से बेड़ो प्रखंड मुख्यालय में माहौल भक्तिमय बना हुआ है। वहीं शतचंडी महायज्ञ के यज्ञ मंडप में पूजा-अर्चना और परिक्रमा के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। धार्मिक अनुष्ठान यज्ञाचार्य अंचल पाठक, मृत्यंजय पाठक, विकास पाठक, नरोत्तम पांडेय, भरतेन्दु द्विवेदी, ध्रुव मिश्रा, आशुतोष पांडेय सोनू पांडेय की अगुवाई में करायी जा रही है। जबकि यज्ञशाला में बने हवन कुंड में यजमानों ने घी सामग्री से आहुतियां डालकर मंगल कामना की। इससे पहले बुधवार की शाम में कथावाचिका देवी रश्मि किशोरी ने कि सृष्टि की रचना एवं शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया। कहा कि मनुष्य जीवन बार-बार नहीं मिलता है। इसलिए इस कलयुग में दया धर्म, भगवान के स्मरण से ही सारी योनियों को भवपार करता है। मनुष्य जीवन का महत्व समझाते हुए कहा कि भगवान की भक्ति में अधिक से अधिक समय देना चाहिए। कथा श्रवण करने से जन्म जन्मांतर का पाप कट जाता है। जीवन में विश्वास के साथ किये गए कार्य में सफलता निश्चित तौर पर मिलती है।। उन्होंने शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि यह विवाह एक पवित्र संस्कार है, लेकिन आधुनिक समय में प्राणी संस्कारों से दूर भाग रहा है। आत्मा के बिना शरीर निरर्थक होती है। ऐसे ही संस्कारों के बिना जीवन का कोई मूल्य नहीं होता। भक्ति में दिखावा नहीं होना चाहिए। जब माता सती के विरह में भगवान शंकर की दशा दयनीय हो गई तो सती ने भी संकल्प के अनुसार राजा हिमांचल के घर पर्वतराज की पुत्री के रूप में पार्वती बनकर जन्म लिया। पार्वती जब बड़ी हुईं तो हिमांचल को उनकी शादी की चिंता सताने लगी। एक दिन देवर्षि नारद हिमांचल के महल पहुंचे और पार्वती को देखकर उन्हें भगवान शिव के योग्य बताया। इसके बाद सारी प्रक्रिया शुरू तो हो गई, लेकिन भगवान शिव अब भी सती के विरह में ही रहे। ऐसे में शिव को पार्वती के प्रति अनुरक्त करने कामदेव को उनके पास भेजा गया, लेकिन वे भी शिव को विचलित नहीं कर सके और उनकी क्रोध की अग्नि में कामदेव भस्म हो गए। इसके बाद वे कैलाश पर्वत चले गए। तीन हजार सालों तक उन्होंने भगवान शिव को पाने के लिए तपस्या की। इसके बाद भगवान शिव का विवाह माता पार्वती के साथ हुआ। वहीं कथा के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की मनमोहक झांकी निकाली गई। इस दौरान वादकों में बेंजोवाक सुशील कुमार, तबला वादक हरि कुमार और पैड में बबलू कुमार, झांकी में कृष्ण मुरारी, दिनेश गोस्वामी, पप्पू गोस्वामी, लालबाबू गोस्वामी और बासुदेव मिश्रा ने अहम भूमिका निभाई।

ग्रामीण बैंक ने चलाया जागरूकता अभियान

बेड़ो (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की बेड़ो शाखा की ओर से गुरुवार को साप्ताहिक गुरुवार बाजार में प्रखंड के ग्रामीणों के लिए वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया। जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। शिविर में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को बैंक और सरकार द्वारा दी जा रही अनेकों सुविधाओं के बारे में बताया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में भी लोगों को बताया गया। इस मौके पर नुक्कड़ नाटक मंडली के साथ ही झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक बेड़ो शाखा के प्रबंधक प्रिय रंजन, एफएलसी के केएन तिवारी, बैंक मित्र बृजेश महतो और बैंक सखी अनु देवी आदि मौजूद थे।

95 वादों का निष्पादन, 7.80 लाख का हुआ सेटलमेंट

प्ली-बारगेनिंग विशेष कैंप, वादों के निस्तारण का एक माध्यम: जस्टिस दिवाकर पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। रांची रेलवे न्यायालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत प्ली बारगेनिंग की ओर से रेलवे न्यायालय में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि के रूप में शामिल न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच संचालन रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय ने कहा कि प्ली-बारगेनिंग विशेष कैंप के आयोजन का मुख्य उद्देश्य रेलवे न्यायालय में लंबित मामलों का निष्पादन करना हैं। समय-समय पर प्ली-बारगेनिंग विशेष कैंप का आयोजन किया जाता है और आगे भी किया जायेगा। उन्होंने प्ली-बारगेनिंग विशेष कैंप के महत्व को समझाते हुए त्वरित निष्पादन करने की सलाह दी। वहीं, अपर न्यायायुक्त प्रभात शर्मा ने त्वरित निष्पादन के फायदे पर फोकस किया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण मामलों का निष्पादन किया गया। जिसमें अपराध प्रकरण क्रमांक 271/21 आरपीएफ हटिया के अभियुक्त आशेश्वर कुमार मेहता, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता सिग्नल एसई रेलवे रांची धारा 175, 154 रेल अधिनियम के अंतर्गत दोष स्वीकार किया। जिसे रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी विजय यादव ने दंडित करते हुए 15 हजार रुपए क्षतिपूर्ति रेलवे को भुगतान करने का आदेश सह धारा 12 प्रोवेशन का लाभ भी प्रदान किया। न्यायालय में लंबित 284 केस में से 95 कांड का निष्पादन किया गया। अब रेलवे न्यायालय में लंबित कांडों की संख्या घट कर 189 रह गई है। इस कैंप में रेलवे विभाग को क्षति सह मुआवजा के रूप में सात लाख 80 हजार रुपए का मुआवजा प्राप्त हुआ। इस मौके पर अपर न्यायायुक्त प्रभात शर्मा, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी विजय यादव, सहायक वाणिज्य प्रबंधक अनिल जेराय, अधिवक्तागण, आरपीएफ पोस्ट के पदाधिकारी, रेलवे कोर्ट कर्मी आदि उपस्थित थे।

गांवों की महिलाएं भी हो रहीं सशक्त : रंजना

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। बाढ़ु गांव में महिलाओं को सशक्त एवं आत्म निर्भर बनने को लेकर गुरुवार को जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित संस्था की निदेशक रंजना चौधरी ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे जा रही हैं। फाईटर प्लेन भी चला रही हैं। गांवों की महिलाएं भी सशक्त हो रही हैं। कहा कि मलहिलाओं के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही हैं, जिसका लाभ लेने की जरूरत है। महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए निजी संगठनों के साथ ही समाज को भी आगे आना चाहिए। इस मौके पर बैंक ऑफ बडौदा के मैनेजर, बाढ़ु पंचायत की मुखिया सुनीता देवी, ग्राम संगठन की अध्यक्ष पुनीता कुजूर, जेएसएलपी की सीसी बिरसमुनी देवी, वार्ड सदस्य इंद्रजीत मित्रा उपस्थित थे।

गुमला की रसोइया-संयोजिका का रांची में धरना और प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया संयोजिका संघ ने अपनी 5 सूत्री मांगों को लेकर गुरुवार की अपराह्न 3 बजे रांची के कूटे मैदान में धरना प्रदर्शन किया। जिसमें गुमला से सैकड़ो की संख्या में संघ के सदस्य शामिल हुए।

जिला अध्यक्ष देवकी देवी ने बताया रसोईया को अस्थायी नियमावली बनाये जाने का लिखित आश्वासन दिया गया था। कैबिनेट से पास भी हुआ था। अक्टूबर 2024 से लागू होने की बात कही गयी थी। लेकिन अब तक लागू नहीं हुआ। इसी उम्मीद से हम लोगों ने सरकार बनाने में मदद भी की थी। हमारी पांच सूत्री मांगों में सभी रसोइया संयोजिका को न्यूनतम वेतन लागू किया जाये। संयोजिका एवं अध्यक्ष को भी रसोईया के तर्ज पर मानदेय से जोड़ा जाये। रसोईया का स्थायी नियमावली जब तक नहीं बनता है तब तक 60 साल उम्र की बाध्यता समाप्त की जाये साथ ही घर के कोई एक सदस्य को काम पर रखा जाये। काम के दरमियान चोट लगने जल जाने या कोई अंग क्षतिग्रस्त होने पर रसोईया संयोजिका को समुचित इलाज करते हुए क्षतिपूर्ति एवं घटना में मृत्यु होने पर उसका आश्रितों को आर्थिक सहायता साथ ही 5 लाख का निशुल्क बीमा किया जाये। सभी रसोइया संयोजिका को पेंशन स्कीम से जोड़ा जाये एवं एपीएफ से जोड़कर पीएफ कटौती की जाये साथ ही ग्रेजुएट भी लागू किया जाये।

युवती का यौन शोषण करने वाला गिरफ्तार

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के गांव निवासी 31 वर्षीय युवक ने शादी का झांसा देकर 28 वर्षीय युवती के साथ यौन शोषण किया था। मामले को लेकर बीते माह युवती ने गुमला थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। युवती ने बताया युवक से विगत 8 सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था इसके बाद उसने मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की विरोध करने पर उसने शादी करने की बात कही। इसके बाद हम दोनों के बीच कई बार शारीरिक संबंध हुआ। शादी की बात करने पर युवक टाल मटोल करता रहा। इसके बाद युवती ने 28 फरवरी को युवक के विरुद्ध महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने युवती का मेडिकल टेस्ट कराया। वहीं पुलिस ने बुधवार की अपराह्न 4 बजे युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

नगर परिषद और पीएचइडी विभाग की पेंच में फंसा भुगतान

हड़ताल पर गये कर्मी, जलापूर्ति ठप

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। नागफेनी जलापूर्ति योजना के तहत गुमला शहर में जलापूर्ति करने वाले कर्मी गुरुवार को हड़ताल पर चले गये हैं। कर्मियों के हड़ताल में जाने के कारण शुक्रवार से गुमला के शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति ठप रहेगा। कर्मियों के हड़ताल में जाने का कारण है कि संवेदक द्वारा पिछले एक साल से मजदूरों को मानदेय नहीं दिया है। नागफेनी जलापूर्ति योजना के तहत नागफेनी मोटर, पुगू में जल शोधन और पीएचइडी कार्यालय स्थित पानी टंकी से जल वितरण करने वाले लगभग 11 मजदूर गुरुवार को पीएचइडी कार्यालय पहुंचे और कार्यपालक अभियंता अनुज कुमार मिश्रा के समक्ष अपनी समस्या को रखा। कहा कि रमजान का महीना है होली और रामनवमी भी नजदीक है। जलापूर्ति योजना में वे लोग 2008 से काम कर रहे हैं। इस वर्ष पिछले 12 माह से मानदेय नहीं मिला है जिस कारण उनके घर परिवार में भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पूरे शहर को पानी पिलाने वाले व्यक्ति भूखे पेट कैसे पानी पिलायेगा। कार्यपालक अभियंता से मुलाकात करने वालों में दुर्गा साहु, सोनू साहु, अमन मुंडा, बीरेंद्र लकडा, सजीत तिर्की, लगनू साहु, संजीव गोप, सुधीर उरांव, सतीश बाखला, राजेन्द्र साहु ओर विनित लकड़ा के नाम शामिल है। इनका कहना है कि जब तक उन लोगों को मानदेय नहीं मिलता है तब तक जलापूर्ति ठप रहेगा।

कार्यपालक अभियंता ने स्वीकार किया कि मजदूरों को समय पर मजदूरी मिलनी चाहिए। शहरी जलापूर्ति की जिम्मेवारी नगर प्रशासक को दी गई है और उन्हें संवेदक को भुगतान के लिए भी पत्राचार किया गया है। पिछले सत्र का बकाया पीएचइडी से भुगतान होगा।

इस संबंध में संवेदक संदीप कुमार ने कहा कि मजदूरों का मजदूरी लगभग एक साल से बकाया है। इसका कारण विभाग के पास मेरा दो साल से पैसा बकाया है। विभाग को प्रति माह बिल विपत्र दिया जा रहा है। लेकिन पिछले दो वर्षों से भुगतान लंबित है। भुगतान के लिए उपायुक्त से मुलाकात कर वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया है। बकाया राशि का भुगतान होते ही मजदूरों का भुगतान हो जायेगा।

बाबूलाल के विधायक दल का नेता चुने जाने का शैल मिश्रा ने किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। बाबूलाल मरांडी को भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल का नेता चुने जाने पर भाजपा नेत्री शैल मिश्रा ने प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होने कहा है कि अब सदन के अंदर तथा बाहर पार्टी का रुख और धारदार होगा। श्रीमती मिश्रा ने यह भी कहा कि बाबू लाल मरांडी अनुभवी तथा बेबाक क्षवि के मालिक हैं। उनकी कुशल अगुवाई में झारखंड के मौजूदा ठगबंधन सरकार की नाकामी को भी उजागर किया जायेगा। सरकार द्वारा पेश किये बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शैल ने कहा कि बजट को लेकर सरकार के मंत्री खुद अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। जबकि अनियोजित युवा वर्ग और किसानों के लिए बजट में कुछ नहीं है।

होली के दिन शहर में भारी वाहनों के आवागमन पर होगी रोक : एसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। आगामी होली त्यौहार के मद्देनजर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह गुमला ने संयुक्त रूप से की। बैठक में नगर परिषद, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान शहर की जल आपूर्ति, ट्रैफिक, नशे की बढ़ती समस्या, साइबर क्राइम, सार्वजनिक सुरक्षा और त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। शांति समिति के सदस्यों ने जल संकट की समस्या को प्रमुखता से उठाया, खासकर रमजान के दौरान होने वाली पानी की कमी को लेकर चिंता जतायी। उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रत्येक वार्ड में पानी के टैंकर भेजे जायेंगे और रमजान के दौरान विशेष जलापूर्ति की व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने कहा कि नये इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में समय और लागत लगती है, लेकिन वर्तमान संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर नागरिकों को राहत देने का हरसंभव प्रयास किया जायेगा।

बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने बताया कि होली के दिन रात 8 बजे से भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी जायेगी और चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जायेगी। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती होगी और सार्वजनिक स्थलों पर पेट्रोलिंग बढ़ाई जायेगी। उन्होंने कहा कि होली के दौरान विवाद मुख्य रूप से नशे, ओवरस्पीडिंग और आपत्तिजनक गानों के कारण होते हैं, इसलिए डीजे पर विवादित गाने न बजाने की सख्त हिदायत दी गयी है। बाहर से आने वाली अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए सघन जांच अभियान चलाया जाएगा, और अवैध दुकानों पर छापेमारी की जायेगी। उन्होंने यह भी बताया कि बीते छह महीनों में ड्रग्स से जुड़ी 20 से अधिक शिकायतें आई हैं, जिन पर सख्त कार्रवाई की गई है। चोरी की घटनाओं पर चर्चा के दौरान यह सामने आया कि नशे की लत के कारण कई युवक अपराध में लिप्त हो रहे हैं, उन्होंने नशे से जुड़े घटनाओं के सम्बन्ध में पुलिस प्रशासन को अवगत कराने की अपील की। होली के दिन ड्राई डे रखने की भी उन्होंने जानकारी दी।

घाघरा में चला वाहन जांच अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। पुलिस अधीक्षक गुमला के निर्देशानुसार घाघरा थाना के गेट के समीप थाना प्रभारी तरुण कुमार के नेतृत्व में एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें सभी दो पहिया वाहन का ड्राइविंग लाइसेंस इंसुरेंस एवं हेलमेट की जांच की गयी। सभी तरह के कागजात की जांच की गयी। वहीं थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया की बढ़ती सड़क दुर्घटना एवं बिना हेलमेट पहने हुए मोटरसाइकिल चालकों की चेकिंग की जा रही है। जो भी वाहन चालक बिना हेलमेट पहने हुए एवं शराब पीकर वाहन चला रहे हैं। वैसे वाहन चालक पकड़े गये तो उसे पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

शहर में बजबजाती नालियों से बढ़ रहा मच्छरों का प्रकोप, नप सफाई में फिसड्डी

सुधाकर कुमार

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला शहर में जगह-जगह गंदगी गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिसके कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है गर्मी भी शुरू होने वाली है। साथ ही रमजान पर्व का पवित्र माह चल रहा है निकट ही होली, सरहुल, चैती छठ, रामनवमी पर्व है। पर्व त्यौहार को देखते हुए नगर परिषद द्वारा शहर की साफ सफाई को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई जा रही है। लोगों की शिकायत के बाद भी साफ सफाई की दिशा में कोई पहल नहीं हो रहा है। जिसके कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है। वही नगर परिषद में रखा मच्छर भगाने वाला फॉगिंग मशीन सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। वही नगर परिषद चैन की नींद सो रहा है। जिसके कारण लोगों में नगर परिषद के विरुद्ध आक्रोश देखने को मिल रहा है। नगर परिषद द्वारा सिर्फ कागजों में साफ सफाई का लेखा-जोखा लिखा जा रहा है। आम तो आम खास लोगों के द्वारा नगर परिषद में शिकायत किए जाने पर भी उनकी पहचान व समय नहीं होने की बात कही जाती है। वहीं विभाग अपने जिम्मेदारियां से पल्ला झाड़ रहा है। अधिकारी सिर्फ खाना पूर्ति करने में जुटे हुए हैं। उनकी दिलचस्पी सिर्फ नगर परिषद के फंड से साफ सफाई और कचरा उठाने वाला मशीन और डस्टबिन आदि वस्तुओं के खरीदारी में ज्यादा है। लोगों ने बताया पूर्व में गर्मी आते ही नगर परिषद द्वारा फॉगिंग मशीन चलाया जाता था। जिससे मच्छरों के प्रकोप से कुछ हद तक राहत मिलती थी। लेकिन अब वह मशीन नगर परिषद में रखें जंग लग रहा है। बीते कुछ वर्षों से उक्त मशीन का एक दिन भी शहर में प्रयोग नहीं किया गया है। जिसको लेकर लोगों में नगर परिषद के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शहर के डीएसपी रोड सहित कई वार्डों में संकीर्ण गलियां व सड़क है जिसके कई जगह नालियों में स्लैब नहीं लगे हैं। इसकी जानकारी नगर परिषद को दी गई है लेकिन आज तक इस दिशा में किसी प्रकार की पहल नहीं की गई है। वहीं कहीं जगह सड़क पर ही नाली का पानी जमा हो रहा है। जिससे लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने नगर परिषद से शहर के नालियों और कूड़ा कचरा के नियमित साफ सफाई करने की मांग की है।

बीएन जालान कॉलेज में चित्रांकन और स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर बीएन जालान कॉलेज में आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रतिभागी छात्र छात्राओं के बीच चित्रांकन व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों ने महिला सशक्तिकरण, समाज में महिलाओं की भूमिका पर चित्रांकन किया। साथ ही समानता के अधिकार पर श्लोगन लिखा। वहीं नुक्कड़ नाटक का भी तैयारी किया गया। मौके पर प्रभारी प्राचार्य अमिताभ भारती ने कहा एन एस एस का समाज में अहम भूमिका होता है। जो हर क्षेत्र मे स्वयं सेवक के रुप मे अपना योगदान करता है। आज महिला दिवस कार्यक्रम के तहत प्रतियोगिता कराया जा रहा है। प्रतिभागी छात्रों के लिए सफलता की अहम कड़ी साबित होगा। चार दिवसीय कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को महिला सशक्तिकरण पर नुक्कड़ नाटक, शोभा यात्रा का कार्यक्रम किया जायेगा। वहीं आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। मौके पर एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी सोनिया कुमारी, प्रवीण बसंती, जेन सिसिलिया बारला, डॉ रंजीत कुल्लू, डॉ पारंगत खलखो, डॉ निसार अहमद, विनीता गुड़िया, करम सिंह ओडेया, कीर्ति मिंज, सुरेश साहु, डॉ दीपक कुमार, डॉ श्रवण तिवारी, डॉ इंद्रजीत राम, जगरनाथ साहु सहित कई लोग उपस्थित थे।

सिसई में फाल्गुन मेला का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। ऐतिहासिक फाल्गुन मेला 2025 का जिप अध्यक्ष किरण बाड़ा , जिप सदस्य विजय लक्ष्मी कुमारी व प्रखंड प्रमुख मीणा देवी ने संयुक्त रूप से विधिवत पूजा अर्चना व फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान जिप अध्यक्ष किरण बाड़ा ने कहा मेला आपसी सौहार्द व भाईचारे का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक मेले में सभी समुदाय के लोगों की भागीदारी व सहभागिता होती है। इस मिसाल को कायम रखने की सभी आमजनों व मेला समिति का दायित्व है। उन्होंने लोगों से बढ़ चढ़ कर मेला का आनंद लेने की अपील की।

जिला परिषद सदस्य विजय लक्ष्मी कुमारी ने कहा कि मेला झारखंड राज्य की संस्कृति है, मेले से जहां सामाजिक चेतना, मनोरंजन और व्यवसाय का समावेश होता है । वहीं आपसी सौहार्द और भाईचारगी का भी समावेश होता है। वहीं सिसई बाजार टांड़ में लगने वाले ऐतिहासिक फाल्गुन मेला का सीओ नितेश रोशन खलखो, सीआई दिलीप कुमार सिंह द्वारा निरीक्षण किया गया। और विधि व्यवस्था एवं खेल तमाशे की जानकारी लेते हुए मेला डाकधारी मो समीर अंसारी को शांतिपूर्ण तरीके से मेले का आयोजन करने के लिए खास दिशा निर्देश दिया। मो समीर अंसारी ने बताया कि इस बार मेला का डाक 29 लाख 51 हजार है। मेला एक माह तक चलेगा। मारुति सर्कस, जादूगर, चित्रहार, ब्रेक डांस, टोरा टोरा, ड्रैगन झूला, नाव झूला, सर्कस, बच्चों के लिए झूला, मीना बाजार, लोगों के मनोरंजन के साथ साथ खाने पीने व अन्य वस्तुएं की भी दुकानें लगी हैं। साथ ही सिसई मेला में पहली बार नाऊडी झूला लगाया गया है जो लोगों के मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहेगा। मेले में सुरक्षा इंतजाम को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में वोलेंटियर्स उपलब्ध हैं, साथ ही सुरक्षा व विधि व्यवस्था में पुलिस व स्थानीय प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा है।

मौके पर पंचायत समिति सदस्य जाकिर अंसारी, समाज सेवी रोहित शर्मा, मुकेश श्रीवास्तव, पूर्व उपप्रमुख दीपक अधिकारी, झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोज वर्मा, बरगांव उत्तरी मुखिया सुनिता देवी, बरगांव दक्षिणी मुखिया शोभा देवी , सिसई मुखिया शकुन्तला देवी, भदौली मुखिया अलबीना देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

पंजाब के खिलाड़ी अपने होम ग्राउंड धर्मशाला में तैयारियों के लिए अभ्यास के लिए यहां पंहुचे थे। टीम के स्टार खिलाड़ी युजवेंद्र चहल, प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह सहित 11 सदस्य ने भाग लिया।

पंजाब किंग्स का अभ्यास सत्र संपन्न, आज लौटेंगे खिलाड़ी

एजेंसी

धर्मशाला। आइपीएल की तैयारियों के लिए पंजाब किंग्स की टीम ने धर्मशाला स्टेडियम में पांच दिनों के अभ्यास सत्र में खूब पसीना बहाया है। वीरवार को अभ्यास के अंतिम व पांचवें दिन खिलाड़ियों ने मैदान और नेट में जमकर अभ्यास किया। साथ ही खिलाड़ियों ने इस दौरान धर्मशाला व मैक्लोडगंज की वादियों में गुपचुप तरीके से घूमने फिरने का भी आंनद लिया। पांच दिवसीय अभ्यास सत्र के बाद अब अधिकतर खिलाड़ी शुक्रवार को धर्मशाला से वापिस लौट जाएंगे।

एचपीसीए के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में वीरवार को पंजाब किंग्स की टीम प्रैक्टिस के लिए उतरी। पंजाब के खिलाड़ी आईपीएल मैचों से पूर्व अपने होम ग्राउंड धर्मशाला में तैयारियों के लिए पांच दिवसीय अभ्यास सत्र के लिए यहां पंहुचे थे। टीम के स्टार खिलाड़ी युजवेंद्र चहल, प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह सहित 11 सदस्य कड़ी ट्रेनिंग में भाग लिया। धर्मशाला स्टेडियम में स्टार क्रिकेटरों को देखने के लिए प्रशंसक भी पहुंच रहे हैं।

उधर, एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि धर्मशाला में खेले जाने वाले तीन मैचों से यहां के पर्यटन को नए पंख लगेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब किंग्स के खिलाड़ी पांच दिवसीय अभ्यास के बाद शुक्रवार को रवाना हो जायेंगे।

गोल्फर अमनदीप द्राल हीरो डब्ल्यूपीजीटी में वाणी कपूर के साथ शीर्ष पर पहुंचीं

एजेंसी

गुरुग्राम। गोल्फर अमनदीप द्राल हीरो महिला पेशेवर गोल्फ टूर (हीरो डब्ल्यूपीजीटी) में वाणी कपूर के साथ शीर्ष पर पहुंच गयी हैं। क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले जा रहे हीरो डब्ल्यूपीजीटी के पांचवें चरण के दूसरे दौर में उन्होंने 2-ओवर 74 का स्कोर किया और 36 होल के बाद 1-ओवर 145 के कुल स्कोर के साथ वाणी के साथ शीर्ष पर हैं।

पहले दौर की लीडर रहीं वाणी कपूर ने दूसरे दौर में 3-ओवर 75 का कार्ड खेला और अमंदीप के साथ संयुक्त रूप से टॉप पह बनी हुई हैं। इस जोड़ी से केवल एक शॉट पीछे तीसरे स्थान पर रिया झा हैं, जिन्होंने पहले नौ होल में दो बर्डी और बाद के नौ होल में दो बोगी के साथ ईवन पार 72 का स्कोर बनाया।अमनदीप ने इस दौर में एकमात्र बर्डी 14वें होल पर बनायी, लेकिन तीन बोगी कर बैठीं। वहीं, उनकी साथी खिलाड़ी वाणी कपूर ने पहले होल में बर्डी के साथ अच्छी शुरूआत की, लेकिन बाद में चार बोगी कर बैठीं।

माप-तौल विभाग से लाइसेंस नवीनीकरण कैंप लगाने की अपील

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव बबलू वर्मा ने माप-तौल विभाग से अनुरोध किया है कि व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लाइसेंस नवीनीकरण के लिए एक विशेष कैंप लगाया जाये। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को अपने माप-तौल उपकरणों के लाइसेंस नवीनीकरण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विभागीय प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाने के लिए एक कैंप आयोजित किया जाना चाहिए, जिससे व्यापारी समय पर अपने दस्तावेज नवीनीकरण करवा सकें। चैंबर ऑफ कॉमर्स ने यह भी अपील की कि विभाग इस प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित बनाये, जिससे व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके। माप तोल ऑफिस सप्ता मे दो दिन ही खुलता है मंगलवार एवं शनिवार को जो कि दोनों ही दिन गुमला बाजार रहता है।

लायंस क्लब का नेत्र जांच शिविर 9 को

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ गुमला द्वारा निशुल्क आंखों की जांच शिविर आगामी 9 मार्च 2025 दिन रविवार को लायंस क्लब में आयोजन किया गया है। समस्त नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि अपनी आंखों की जांच लायंस क्लब में आकर करवा ले और जिनका भी मोतियाबिंद होगा उसका ऑपरेशन 23 मार्च 2025 दिन रविवार को किया जाएगा। यह जांच रांची के सुप्रसिद्ध नेत्र सर्जन के द्वारा किया जायेगा। यह बिल्कुल ही निशुल्क है' यह जानकारी लायंस क्लब के सचिव अशोक जायसवाल ने दी।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट

झरिया (आजाद सिपाही)। बस्ताकोला चौहान बस्ती के समीप खाली पड़े एक भूखंड पर निर्माण हो रहे दीवार के पिलर क्षतिग्रस्त करने को लेकर गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। लोगों की भीड़ के कारण झरिया-धनबाद मुख्य मार्ग कुछ समय के लिए जाम हो गया। उक्त जमीन पर दशरथ यादव और परशुराम चौहान सहित अन्य कई लोग अपनी दावेदारी कर रहे हैं। बीते एक मार्च को भी उक्त भूखंड पर कब्जा को लेकर दो पक्ष में मारपीट हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पहुंची पुलिस ने दशरथ यादव एवं परशुराम चौहान को झरिया थाना बुलाकर अपना कागजात दिखाने को कहा। हालांकि पुलिस के पहुंचने के पहले दर्जनों लोग लाठी-डंडा लेकर आमने सामने खड़े थे। दोनों ओर से बहस चल रही थी, जिसे पुलिस ने शांत कराया।

दरीदा की विवादित बाउंड्री के भीतर की जमीन की मापी शुरू

विधायक सरयू राय ने 2024 में विस में उठाया था उक्त सरकारी जमीन का मुद्दा

सांसद ढुल्लू महतो पर 16.50 एकड़ सरकारी-रैयती जमीन हड़पने का लगा है आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

विवादित बाउंड्री के भीतर की जमीन की मापी करते अधिकारी।

धनबाद। बाघमारा सीओ बाल किशुन महतो की मौजूदगी में गुरुवार को सिंदुआटांड़ गांव के समीप दरीदा मौजा में स्थित विवादित बाउंडी के भीतर की जमीन की मापी शुरू हुई है। सीओ ने बताया कि मापी कर विवादित बाउंड्री के अंदर की स्थित सरकारी जमीन को चिन्हित किया जाएगा। मापी के बाद जमीन को चिन्हित कर वहां सरकारी बोर्ड लगाया जाएगा, ताकि सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री ना हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि विधायक सरयू राय ने विधानसभा सत्र में विवादित बाउंड्री का मामला उठाया था। जिसके आलोक में सरकार के निर्देश पर विवादित बाउंड्री जमीन की मापी और जांच शुरू की गयी है। बतातें चलें कि विधायक सरयू राय ने 22 अप्रैल 2024 को बरोरा थाना क्षेत्र स्थित उक्त विवादिक बाउंड्री का दौरा किया था। इस दौरान दर्जनों स्थानीय रैयतों ने सरयू राय को लिखिक आवेदन देकर बाघमारा के तत्कालिन विधायक सह धनबाद के वर्तमान सांसद ढुल्लू महतो पर जबरन सरकारी और रैयती जमीन पर कब्जा कर बाउंड्री करने का आरोप लगाया था। हालांकि सीओ ने उक्त आरोपों के संबंध में कुछ भी बोलने से साफ मना कर दिया। पता चला है कि विवादित बाउंड्री के अंदर लगभग 16.50 एकड़ सरकारी जमीन है।

आइआइटी-आइएसएम के छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, हॉस्टल के शौचालय से शव बरामद

धनबाद (आजाद सिपाही)। आइआइटी-आइएसएम में पढ़ रहे बीटेक के तृतीय वर्ष (2022-23) के छात्र की संदिग्ध परिस्थित में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। उसकी पहचान तन्मय प्रजापति के रूप में हुई है। वह मध्यप्रदेश के इंदौर का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार इस दिन हॉस्टल के शौचालय का दरवाजा अंदर से बंद था। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं हो सका था कि तन्मन की मौत आत्महत्या है या साजिश। डीएसपी नौशाद आलम ने बताया कि सूचना मिली थी कि आइआइटी आइएसएम में एक छात्र का शव शौचालय में मिला है। इसी संबंध में जांच के लिए धनबाद पुलिस की टीम यहां पहुंची है। आशंका जताई जा रही है कि छात्र ने किसी प्रकार की दवा का सेवन किया था, जिस कारण उसकी मौत हुई है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी जानकारी मिल पाएगी। उन्होंने बताया कि छात्र के परिजनों को सूचना दे दी गई है। दूसरी ओर प्राथमिक पड़ताल में यह भी पता चला है कि तन्मय मानसिक रूप से परेशान रह रहा था। पिछले कुछ दिनों से उसकी निरंतर काउंसलिंग चल रही थी।

पल्स डायग्नोस्टिक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की छापामारी

धनबाद (आजाद सिपाही)। अवैध तरीके से लिंग जांच एवं अन्य अनियमितताओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से सघन छापामारी अभियान जारी रहा। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग की पीसी एंड पीएनडीटी टीम ने सरायढेला थाना अंतर्गत स्टील गेट स्थित पल्स डायग्नोस्टिक में औचक छापामारी कर जांच किया। जहां अल्ट्रा स्कैन सेंटर का निरीक्षण किया।

मधुलिका और श्याम स्वीट्स कारखाना में निगम का छापा

वसूला गया 60 हजार रुपये का जुर्माना

- राइजिंग पाइप से अवैध कनेक्शन लेकर चल रही थी फैक्ट्री

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने मेमको मोड़ स्थित मधुलिका कारखाना में छापामारी की। यहां पानी का अवैध कनेक्शन मिला। राइजिंग पाइप से कनेक्शन लेकर मिठाई का कारखाना चलाया जा रहा था। इसी से फायर फाइटिंग सिस्टम का कनेक्शन भी जुड़ा था। इस दौरान संचालक पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। साथ ही फैक्ट्री संचालक को कागजात के साथ नगर निगम बुलाया गया है। अभियान का नेतृत्व कर रहे फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि मधुलिका कारखाना में अवैध कनेक्शन का मामला पकड़ा गया है। जांच के दौरान 2019 में एक डोमेस्टिक कनेक्शन का पेपर दिखाया गया। जबकि यहां डोमेस्टिक कनेक्शन के नाम पर कॉमर्शियल उपयोग किया जा रहा था। राइजिंग पाइप से कनेक्शन जोड़ा गया है, जो पूरी तरह गलत है। राइजिंग पाइप से सीधे किसी भी संस्था को कनेक्शन नहीं दिया जा सकता है। मधुलिका कारखाना में राइजिंग पाइप से ही कनेक्शन जोड़ा गया था, जिसे जेसीबी लगाकर कनेक्शन काट दिया गया है। संचालक को कागजात के साथ बुलाया गया है। डोमेस्टिक कनेक्शन में कॉमर्शियल उपयोग मामले में जुर्माना के साथ ही पांच साल का बकाया टैक्स वसूला जायेगा।

स्टैंड पोस्ट से पाइप जोड़कर श्यामा स्वीट्स का चल रहा था कारखाना

छापामारी के दौरान मेमको मोड़ में भी अवैध कनेक्शन मिला है। फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि यहां स्टैंड पोस्ट से पाइप जोड़कर कई दुकानें चल रही थी। इसी से मिठाई का कारखाना भी चल रहा था। यहां भी राइजिंग पाइप से जोड़कर स्टैंड पोस्ट का कनेक्शन दिया गया है। जिससे पाइप जोड़कर श्यामा स्वीट्स के कारखाना में पानी जा रहा था। पाइप को जब्त कर लिया गया है। लगे हाथ श्याम स्वीट्स से मौके पर ही 10 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। स्टैंड पोस्ट से और भी अवैध कनेक्शन है। इसकी जांच चल रही है। श्याम स्वीट्स को भी कागजात के साथ नगर निगम बुलाया गया है।

20 सूत्री मांगों पर बनी सहमति

इनमौसा के सदस्यों ने ढ़ोरी खास प्रबंधक के साथ किया एजेंडा बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो/बेरमो। सीसीएल के खास ढ़ोरी परियोजना के इंडियन नेशनल माइन ऑफिशियल एवं सुपरवाइजरी स्टॉप एसोसिएशन (इनमोसा) की एजेंडा बैठक गुरुवार को खास ढ़ोरी परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में हुई। जिसकी अध्यक्षता इनमोसा की ओर से ढोरी खास के अध्यक्ष हीरालाल रविदास और प्रबंधन की ओर से परियोजना पदाधिकारी रंजीत कुमार ने की। इनमोसा के सदस्यों ने पूर्व में दिए अपने 20 सूत्री मांगों पर क्रमबद्ध वार्ता की। मैन पावर आवंटन की प्रति पाली प्रभारी को देने, माइनिंग स्टाफों को सैप सौफ्टवेयर के अनुसार एमआईआर के स्थान पर किये जा रेह डी/आर रीडकिया में सुधारा की मांग की गयी। इसके अलावा प्रत्येक पाली में ट्रींबर मिस्त्री औजारयुक्त नियुक्त करने, रविवार को आइडियल डे के रूप में खदानों का संपूर्ण निरीक्षण कराया जाने, दोनों खदानों में ग्रीन रूफ सपोर्ट की व्यवस्था करने, रूफ बोलटिंग के लिए सीमेंट एवं अनकोर टेस्टिंग मशीन बेस्ट क्वालिटी मंगवाए जाने की भी मांग की गयी। लगे हाथ दोनों भूमिगत खदानों में प्रत्येक एसडीएल एम/सी में एक-एक माईनिंग सरदार नियुक्त करने, बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए सब्सिडेंस एवं पंप की निरीक्षण के लिए माइनिंग स्टाफ नियुक्त करने, नेशनल सेफ्टी कॉन्फ्रेंस 11 और 12 की परामर्श को ढोरी खास कोलियरी में सुचारू रूप से लागू करवाने, माईनिंग स्टाफ के लिए अलग से एक-एक रूम बनवाने और पोर्टेबल मेगजिन को अविलंब चालू करवाने आदि की भी मांग को लेकर चर्चा की गयी। इस अवसर पर हीरालाल रविदास ने कहा कि इनमोसा के सभी सदस्य सुरक्षा के साथ उत्पादन में कदम से कदम मिला कर चलते आ रहे है। इसके बावजूद उनके साथ हमेशा दोहरी नीति आपनायी जाती है। लगभग दो साल पहले 15 सूत्री मांग पत्र दिया गया था, पर समस्याएं घटने के स्थान पर बढ़ती ही जा रही है। वहीं, पीओ ने कहा कि इनमोसा के सदस्यों की मांगों पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। क्योंकि उनकी वजह से ही कोयला उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि अभी उत्पादन का महीना चल रहा है। कोयला देश की जरूरत है, इसके सुरक्षित उत्पादन में अपना सहयोग दें। इस मौके पर खान प्रबंधक मृत्युंजय कुमार सिंह, प्रोजेक्ट इंजीनियर अभिषेक कुमार, कार्मिक प्रबंधक सीताराम यूईके, फाइनेंस मैनेजर संदीप झा, असिस्टेंट मैनेजर मयंक सिंह, डॉक्टर बी सतीश, इनमोसा के सदस्यों में क्षेत्रीय अध्यक्ष तुलसी प्रसाद महतो, कुमार नीरज, एस नोनिया, पंकज कुमार, भोलानाथ सिंह, मयंक कुमार, श्याम पद बावड़ी, बसंत कुमार सिंह, नीरज कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार यादव, पवन कुमार रजक और नारायण महतो आदि मौजूद थे।

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
जिला– लातेहार
विज्ञापन संख्या– 21/2024–25

संविदा अधारित नियुक्ति

लातेहार नगर पंचायत अन्तर्गत चटनाही में निर्मित विद्युत शवदाह गृह (Electric Cremation House) के संचालन एवं रख–रखाव हेतु लातेहार नगर पंचायत में संविदा के आधार पर संचालक सह रात्री प्रहरी के नियोजन हेतु निम्नवत् रूप से आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

क्रमांक	पदनाम	कुल पद	एकमुश्त मानदेय राशि
01	संचालक सह रात्री प्रहरी	01 (एक)	11596/- (ग्यारह हजार पॉच सौ छीयान्वे रूपये प्रतिमाह)

संविदा शर्त्तों के आधार पर उपर्युक्त पद पर नियुक्ति हेतु इच्छुक आवेदक अपना आवेदन स्वयं तैयार करते हुये अपना बायोडाटा, जन्म प्रमाण–पत्र, सभी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण–पत्र (यदि कोई हो), अनुभव प्रमाण–पत्र, जाति प्रमाण–पत्र, संबंधित आवेदक के स्वस्थ्य होने का चिकित्सिय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण–पत्र, चरीत्र प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट आकार का फोटोग्राफ एवं Self Addressed Envelope with postage Stamp के साथ आवेदन दिनांक 28.03.2025 के 05:00 बजे तक नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय को निबंधित डाक द्वारा समर्पित कर सकते हैं। उक्त तिथि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पर कार्यालय द्वारा विचार नही किया जायेगा।

नियोजन/नियुक्ति से संबंधी अर्हत्ता एवं शर्त निम्नलिखित है :–

1. संबंधित पद के लिये आवश्यकतानुसार प्राप्त आवेदन पत्रों को अनुभव के आधार पर Short Listing की जा सकती है। तदोपरांत योग्य आवेदक को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जायेगा।
2. आमंत्रित आवेदकों का चयन गठित साक्षात्कार चयन समिति के द्वारा किया जायेगा।
3. यह संविदा आधारित नियोजन 11 माह के लिए की जायगी। भाविश्य में आवश्यकतानुसार दक्षता एवं कार्य क्षमता पर सेवा विस्तारित भी की जा सकती है। संबंधित पद पर नियमित नियुक्ति के उपरान्त पूर्व से कार्यरत अनुबंध कर्मी की सेवा स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
4. संविदा/मानेदय के आधार पर नियोजित व्यक्ति सरकारी सेवक नहीं माने जायेंगे और सरकारी सेवक के अनुमान्य किसी भी प्रकार के सुविधा के लिए हकदार नहीं होंगे। साथ ही संविदा/मानेदय के आधार पर नियोजन के बाद सरकारी सेवा में नियमितीकरण का कोई दावा मान्य नहीं होगा।
6. नियोजन के पूर्व नियमानुसार आवेदक को अपना अद्यतन स्वास्थ प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराना होगा जो सक्षम स्तर से निर्गत हो। यदि समय की समाप्ति के पूर्व उसका विस्तार नहीं किया जाता है तो ऐसी नियुक्ति स्वतः समाप्त समझी जायेगी।
8. इस प्रकार के नियोजन संविदा अवधि समाप्ति के पूर्व उभय पक्षों द्वारा सूचना देकर ही एक माह की संविदा राशि एकमुश्त भुगतान कर समाप्त की जा सकती है। इसके लिए उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा।
9. संबंधित पद के लिये 40 वर्श तक की आयु वाले आवेदक ही आवेदन समर्पित कर सकेगें। संबंधित पद के लिये पूर्व में किये गये कार्य वाले आवेदक को अनुभव के आधार पर प्राथमिकता दी जा सकती है।
10. संबंधित पद के लिये संविदा आधारित नियुक्ति में स्थानीय आवेदक को प्राथमीकता दी जायेगी।
11. आवेदक को आवेदन पत्र के साथ 500.00 (पॉच सौ) रू0 का बैंक ड्राफ्ट/बैंकर चेक जो कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, लातेहार के पदनाम से भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार में देय हो संलग्न करना अनिवार्य होगा।
12. बिना कारण बताये नियोजन की स्वीकृति/रद्ध करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।जिन्हे कही चुनौती नही दी जायेगी।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार।

PR 347951 Urban Development(24-25)D

रूई तैयार करने वाले कारखाने में लगी भीषण आग

धनबाद (आजाद सिपाही)। बरवाअड्डा के निरंकारी चौक स्थित कपड़ों के कतरन से रूई तैयार करने वाले कारखाने में गुरुवार को अचानक भीषण आग लग गयी। कारखाने में ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धार1ण कर लिया। जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। फैक्ट्री संचालक कुलदीप सिंह ने बताया कि आग लगने से करीब 3.5 लाख रुपये मूल्य की रूई जलकर आग लग गयी। हालांकि आग लगने के सटिक कारणों का पता नहीं चल पाया है। पर आशंका जताई जा रही है कि बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। फैक्ट्री संचालक की मानें तो साल 2024 में भी उक्त फैक्ट्री में आग लगने की घटना हुई थी। दूसरी ओर फैक्ट्री की धुंए का गुब्बार और आग की उठती लपटें देख तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना दी गयी। हालांकि दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था। इसके बाद दमकल की गाड़ियां पहुंची और आग पर पूरी तरह के काबू पा लिया।

यूट्यूब से सीखी ठगी साइबर ठग गिरफ्तार

रिश्तेदार बनकर लोगों को बनाता था शिकार

धनबाद (आजाद सिपाही)। जामाडोबा ताना क्षेत्र से पुलिस ने साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान रियाजुल हक अंसारी के रूप में हुई है। एसएसपी के निर्देश पर साइबर डीएसपी के नेतृत्व में गठित छापामारी टीम ने जामा डोबा में छापामारी कर उसे गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाईल फोन के अलावा दो सिम भी बरामद किया गया। साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने बताया कि प्रतिबिंब प्लाटेड नंबर के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की गई जिसमें आरोपित पकड़ा गया। उसके पास से वही प्लाटेड नंबर लगा मोबाईल भी बरामद हुआ। उसके पास से बरामद सिम में बिहार से दो और महाराष्ट्र से एक ऑनलाइन साइबर कम्प्लेन दर्ज पाया गया है। पता चला है कि वह रिश्तेदार बनकर लोगों को अपना शिकार बनाता था।

यूबीआइ ने शुरू किया मेगा एमएसएमइ आउटरीच अभियान

25 करोड़ के ऋण किये स्वीकृत

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। केंद्र सरकार के विकसित भारत की दृष्टिकोण के अनुरूप, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआइ) ने गुरुवार से देशव्यापी मेगा एमएसएमई आउटरीच अभियान की शुरूआत की। जिसका उद्घाटन धनबाद के पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह ने निवर्तमान महापौर चंद्रशेखर अग्रवाल, धनबाद रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमरेश सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता उदय प्रताप सिंह, यूबीआइ धनबाद इकाई के क्षेत्र प्रमुख दीपमाला लकड़ा की उपस्थिति में किया। इस अभियान के अंतर्गत बैंक के उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाले एमएसएमई उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें एमएसएमई सुपरफास्ट, युवाशक्ति, यूनियन नारीशक्ति एवं अन्य योजनाएँ शामिल हैं। साथ ही, सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और वित्तीय समावेशन पहलों की भी जानकारी दी गई। इस आयोजन में 400 से अधिक उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) एवं अन्य संगठनों ने भाग लिया। इस दौरान बैंक की ओर से कुल 25 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। जिससे राज्य के विकास लक्ष्यों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। वक्ताओं ने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, धनबाद क्षेत्र के सभी छोटे एवं मध्यम उद्यमियों को निरंतर समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अभियान के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर धनबाद क्षेत्रीय कार्यालय से उप क्षेत्र प्रमुख उमेश चंद्र, मुख्य प्रबंधक आनंद कुमार, मुख्य शाखा प्रबंधक धनबाद शाखा सोनल गौतम, शाखा प्रबंधक डीजीएमएस शाखा अरविंद कुमार सिंह, शाखा प्रबंधक लुबी सर्कुलर रोड शाखा अनिल कुमार आदि उपस्थित थे।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN No.:U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi–834002.
OFFICE OF THE
GENERAL MANAGER, TRANSMISSION ZONE-VII, DHANBAD
Bijli Colony, Hirapur, Dist: - Dhanbad, Pin: - 826001 Email: gmtz7dhanbad@gmail.com, website:www.jusnl.in

Short E-TENDER NOTICE

E-tenders in two parts i.e. Technical Part (Part-I) and Price Part (Part-II) is invited from reputed, experienced and financially sound agencies/ firms for the following work:-

S/N	NIT No.	Description of work	Tender Fee (non-refundable)	Earnest Money Deposit
1.	500/PR/JUSNL/2024-25	Carrying out patrolling, routine/breakdown /schedule maintenance of 220 KV D/C Govindpur-Dumka Transmission Line (50.5 Km) under Transmission Sub-Division Govindpur, Dhanbad for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.2950.00 (Rs.2500+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.27,400.00
2.	501/PR/JUSNL/2024-25	Carrying out patrolling, routine/breakdown/ schedule maintenance of 132 KV D/C Chandankyari - Govindpur Transmission Line (67.8 Km) under Transmission Sub-Division Chandankyari, Bokaro for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.32,400.00
3.	502/PR/JUSNL/2024-25	Carrying out patrolling, routine/breakdown/ schedule maintenance of 132 KV D/C Chandankyari - Jainamore Transmission Line (41.7 Km) under Transmission Sub-Division Chandankyari, Bokaro for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.2950.00 (Rs.2500+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.21,200.00
4.	503/PR/JUSNL/2024-25	Carrying out patrolling, routine/breakdown/ schedule maintenance of 220 KV D/C Govindpur-TTPS Transmission Line (90.5 Km) under Transmission Sub-Division Govindpur, Dhanbad for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.41,900.00
5.	504/PR/JUSNL/2024-25	Carrying out preventive/Schedule and breakdown maintenance of 132/33 kV, 2X50 MVA Grid Sub -station, Chandankyari, Bokaro for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.64,600.00
6.	505/PR/JUSNL/2024-25	Carrying out preventive/Schedule and breakdown maintenance of 220/132/33 kV, 2X50 MVA Grid Sub -station, Jainamore, Bokaro for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.63,800.00
7.	506/PR/JUSNL/2024-25	Carrying out preventive/Schedule and breakdown maintenance of 220/132/33 kV, 2X150+2X80 MVA Grid Sub-station, Govindpur, Dhanbad for the period from 01.04.2025 to 31.03.2026.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.78,800.00

Availability of Tender Documents on e-tender website	10.03.2025 at 3:00 PM to 24.03.2025 at 3:00 PM
Start Date & Time of upload of BID	10.03.2025 at 3:00 PM
End Date & Time for uploading BID	24.03.2025 at 3:00 PM
BID Opening date for Technical Part (Part-I)	25.03.2025 at 4:00 PM
BID Opening date for price Part	Will be communicated
Tender Inviting Authority and address for communication	General Manager, Transmission Zone-VII, Dhanbad, Bijli Colony, Hirapur, Dist: - Dhanbad, Pin: - 826001

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details/ clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 9431049515/7053713709 for any enquiry.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
4. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender/ last date of submission of hard copy of bid then the next working day will be considered.
5. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.
6. JUSNL reserves the right to accept or reject any bid partly or fully or cancel the bidding without assigning any reason thereof and in such case no bidder/intending bidder shall have any claim arising out of such action.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Trans. Zone-VII, Dhanbad

PR.NO.347952 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25):D

वेदांता एल्युमीनियम ने पहली बार महिलाओं के साथ लैंगिक विविधता को मजबूत किया

वर्ष 2030 तक महिलाओं का कार्यबल 30 प्रतिशत लाने का लक्ष्य

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत की सबसे बड़ी एल्युमीनियम उत्पादक कंपनी वेदांता एल्युमीनियम ने ओड़िशा के झारसुगुड़ा में अपने परिचालन में एक संपूर्ण स्मेल्टर लाइन को परिवर्तित करके लैंगिक समानता और कार्यस्थल समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम की घोषणा की है, जिसका संचालन और रखरखाव केवल महिला कर्मचारियों द्वारा किया जायेगा। झारसुगुड़ा स्मेल्टर दुनिया के सबसे बड़े एल्युमीनियम स्मेल्टरों में से एक है। यह अग्रणी पहल कार्यस्थल पर महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए वेदांता एल्युमीनियम की व्यापक प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जो विनिर्माण क्षेत्र में विविधता, समानता और समावेशन में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। एक ऐसा परिदृश्य जो धातु, खनन और भारी इंजीनियरिंग उद्योग के लिए बेहद असामान्य है, जहां वैश्विक स्तर पर लिंग विविधता कम एकल अंकों में रही है। परियोजना को तीन चरणों में क्रियान्वित किया जायेगा, जिसमें विभिन्न स्तरों, विशेषज्ञता और दक्षताओं में 100 से अधिक ड्यूटी पदों की पहचान की जायेगी। इस पहल के महत्व पर टिप्पणी करते हुए, वेदांता एल्युमीनियम के मुख्य परिचालन अधिकारी, सुनील गुप्ता ने कहा, हमारा मानना है कि विविधता और समावेशन नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता के प्रमुख चालक हैं। वेदांता एल्युमीनियम के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी, पंकज सुरेका ने कहा कि वेदांता एल्युमीनियम में, हम ह्यशक्ति से प्रगतिह्न या सशक्तिकरण के माध्यम से प्रगति के दर्शन में विश्वास करते हैं। वेदांता एल्युमीनियम सभी भूमिकाओं में लिंग-भेद को ध्यान में रखकर एक समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि महिलाएं गलाने, खनन, बिजली उत्पादन, रसद, संपत्ति सुरक्षा और खरीद में विविध जिम्मेदारियां संभालें। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 तक 30% महिला कार्यबल प्रतिनिधित्व हासिल करना है। इसके अतिरिक्त, लिंग-संतुलित भर्ती सुनिश्चित करने के लिए, वेदांता एल्युमीनियम नए पदों के लिए 50% महिलाओं को प्राथमिकता देता है। इनमें प्रोजेक्ट शक्ति शामिल है, जिसने ओड़िशा परिचालन में महिलाओं के लिए रात की शिफ्ट शुरू की, जो राज्य में पहली बार है, और प्रोजेक्ट पंछी, जो वेदांता एल्युमीनियम में उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके हाशिए के समुदायों की युवा लड़कियों के जीवन को बदल रहा है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

एसटीए के डिप्टी कमिश्नर के नौ ठिकानों पर विजिलेंस का छापा

प्रदीप महांति के यहां से 10 लाख नगद और जेवरात बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा में विजिलेंस विभाग ने राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए) कटक के डिप्टी कमिश्नर के नौ ठिकानों पर छापा मारा। इस दौरान 2000 के नोटों की गड्डियां, सोने-चांदी के गहने और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। टीम ने भुवनेश्वर, कटक, पुरी, खोरधा और नयागढ़ समेत कुल नौ ठिकानों पर छानबीन की। अधिकारियों को शक है कि महांती ने पद का दुरुपयोग कर बेनामी संपत्ति अर्जित की है। भुवनेश्वर के मैत्री विहार स्थित घर से 10 लाख रुपये से अधिक नगद और सोने और चांदी को देखकर अधिकारियों की होश उड़ गया। छापेमारी में दो एडिशनल एसपी, 13 डीएसपी, 12 इंस्पेक्टर, 25 एएसआइ शामिल हैं। भुवनेश्वर के चंद्रशेखरपुर मैत्री बिहार इलाके में एक घर, रघुनाथपुर इलाके में 4 मंजिला फ्लैट, नयागढ़ रणपुर में एक फार्म हाउस, भुवनेश्वर के गोबिंद प्रसाद इलाके में 5 मंजिला निमार्णाधीन घर, खुर्दा टांगी इलाके में एक घर, पुरी में एक रिश्तेदार के घर और कटक कार्यालय पर छापेमारी की जा रही है।

रेलवे बोर्ड ने की केंद्रीकृत सीबीटी की घोषणा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। रेलवे बोर्ड ने विभागीय पदोंनति परीक्षाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाने की आधिकारिक घोषणा की है। आज आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में, रेलवे बोर्ड ने पुष्टि की कि भविष्य की सभी विभागीय पदोन्नति परीक्षाएं रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) द्वारा कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के माध्यम से केंद्रीय रूप से आयोजित की जायेंगी। यह निर्णय आरआरबी द्वारा आयोजित सफल, पारदर्शी और अत्यधिक प्रशंसित परीक्षाओं के वर्षों के बाद लिया गया है, जिन्होंने निष्पक्षता और पारदर्शिता में एक बेंचमार्क स्थापित किया है।

आरआरबी पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित करता है:
आरआरबी की परीक्षा प्रक्रिया की अखंडता को कड़ी जांच, परिष्कृत तकनीकी अवसंरचना और गहन ऑडिटिंग के संयोजन के माध्यम से सुनिश्चित किया गया है। परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों का चयन एक खुली निविदा प्रक्रिया का पालन करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि केवल सबसे योग्य और प्रमाणित एजेंसियों को ही इन महत्वपूर्ण परीक्षाओं के आयोजन का काम सौंपा जाये। कठोर परीक्षा केंद्र ऑडिटिंगः रेलवे अधिकारी सभी परीक्षा केंद्रों का व्यापक ऑडिट करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी सुविधाएँ मानक के अनुरूप हैं। निष्पक्षता को और अधिक बनाये रखने के लिए, दो उम्मीदवारों को प्रश्नों का एक ही क्रम नहीं मिलता है, और प्रत्येक प्रश्न के उत्तर विकल्प यादृच्छिक होते हैं। निगरानी की कई परतेंः परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी तीन-स्तरीय निगरानी प्रणाली द्वारा की जाती हैः रेलवे अधिकारी और पर्यवेक्षक, परीक्षा संचालन एजेंसी (इसीए) टीम, और रेलवे सतर्कता टीम द्वारा औचक निरीक्षण। यह बहु-स्तरीय दृष्टिकोण कठोर निगरानी सुनिश्चित करता है और किसी भी तरह की गड़बड़ी के प्रयासों का तेजी से पता लगाता है। पात्रता सत्यापन और आवेदन की सत्यनिष्ठाः आवेदन प्रक्रिया को मजबूत धोखाधड़ी रोकथाम तंत्र के साथ डिजाइन किया गया है, जिसमें नकली आवेदनों का पता लगाने के लिए क्यूआर कोड और उम्मीदवारों की प्रामाणिकता की पुष्टि करने के लिए एडमिट कार्ड पर बारकोड शामिल हैं। विभागीय पदोन्नति के लिए सीबीटी के लिए यह केंद्रीकृत दृष्टिकोण न केवल भर्ती प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने और सुव्यवस्थित करने के लिए रेलवे बोर्ड के चल रहे प्रयासों को दशार्ता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि कर्मचारियों को निष्पक्षता या पारदर्शिता के बारे में किसी भी चिंता के बिना योग्यता के आधार पर पदोन्नत किया जाए।

आइएमएस और सम अस्पताल ने पार्किंसंस की पहली डीप ब्रेन स्टिमुलेशन सर्जरी की

भुवनेश्वर। यहां शिक्षा 'ओ' अनुसंधान डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी (एसओए) के चिकित्सा संकाय, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और एसयूएम अस्पताल, पार्किंसंस रोग के इलाज के लिए डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) सर्जरी सफलतापूर्वक करने वाला ओड़िशा का पहला अस्पताल बन गया है। देश के प्रख्यात न्यूरो सर्जनों में से एक और एसओए के प्रधान सलाहकार (स्वास्थ्य विज्ञान) प्रो डॉ अशोक कुमार महापात्रा ने कहा कि पार्किंसंस रोग (पीडी) के कुछ पहलुओं के इलाज के लिए एक शक्तिशाली उन्नत सर्जिकल थेरेपी के रूप में माना जाता है, यह ज्यादातर पार्किंसंस रोग के आंदोलन के लक्षणों को संबोधित करता है और नींद और दर्द सहित कुछ गैर-मोटर लक्षणों में सुधार करता है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि हालांकि डीबीएस रोग की प्रगति को ठीक नहीं करेगा, लेकिन यह उन्नत पीडी रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेगा। प्रो डॉ महापात्रा ने कहा कि डीबीएस अपेक्षाकृत सुरक्षित सर्जरी है और सर्जरी के दौरान मरीज ज्यादातर समय होश में रहता है। उन्होंने कहा कि पहले इस स्थिति का इलाज केवल दवाओं से किया जाता था, लेकिन अब सर्जरी के जरिए इसे ठीक किया जा सकता है। हाल ही में अस्पताल में 36 वर्षीय महिला पर यह अनोखी सर्जरी की गयी, जो पीडी से पीड़ित थी। चिकित्सा अधीक्षक प्रो डॉ पुष्पराज सामंतसिंहर ने कहा कि यह सर्जरी ओड़िशा में पहली बार आइएमएस और एसयूएम अस्पताल में की गयी है। न्यूरो सर्जरी विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख प्रो सौभाग्य पाणिग्रही ने कहा कि सर्जरी में सात से आठ घंटे लगे। न्यूरो मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर प्रो डॉ लुलुप कुमार साहू, जिन्होंने मरीज का इलाज किया, और कहा कि बीमारी के शुरूआती चार से पांच साल तक दवा से मरीज को अक्सर अच्छा महसूस होता है। पार्किंसंस एक न्यूरो डिजनरेटिव बीमारी है और एक मूवमेंट डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर धीमा हो जाता है। यह डोपामाइन उत्पादन के लिए आवश्यक मस्तिष्क कोशिकाओं के नुकसान के कारण होता है। यह आमतौर पर 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग रोगियों में होता है, प्रो डॉ पाणिग्रही ने कहा। प्रो डॉ साहू ने कहा कि यह बीमारी अब युवा व्यक्तियों में भी पाई जा रही है। समय, पीडी का सटीक कारण अज्ञात होता है, लेकिन कुछ युवा रोगियों में आनुवंशिक कारण होते हैं, उन्होंने कहा। प्रो डॉ साहू ने कहा कि इस बीमारी की विशेषता आंदोलन से संबंधित लक्षण हैं जैसे चलने में धीमापन, लिखने में कठिनाई, आवाज का धीमा होना, हाथ और पैर का कंपन, शरीर के अंगों में अकड़न और कभी-कभी आसन असंतुलन।

बहु-विशिष्ट मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। तालचेर सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, तालचेर थर्मल ने आशालोक अस्पताल और मणिपाल अस्पताल, भुवनेश्वर के सहयोग से गुरुजांगुली ग्राम पंचायत में एक बहु-विशिष्ट मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था, जिससे वे विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श और आवश्यक दवाओं तक आसानी से पहुंच सकें। इस स्वास्थ्य शिविर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 400 से अधिक मरीजों को विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं जैसे सामान्य चिकित्सा, हड्डी रोग, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और शिशु रोग के अंतर्गत लाभ मिला। इस अवसर पर, विजय चंद कार्यकारी निदेशक एवं प्रमुख परियोजना (एचओपी) तालचेर थर्मल ने कहा कि तालचेर थर्मल में, हम मानते हैं कि अच्छा स्वास्थ्य एक समृद्ध समाज की नींव है। यह स्वास्थ्य शिविर हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिसके तहत हम जरूरतमंदों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। हम अपने साझेदारों, आशालोक अस्पताल और मणिपाल अस्पताल, भुवनेश्वर के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से यह पहल सफल हो पाई। वर्ष 2025 में अब तक हमारे स्वास्थ्य शिविरों से 1,500 से अधिक मरीजों को लाभ मिला है, और हम अपनी पहुंच को और विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पटाखा कारखाने में विस्फोट, चार की हालत गंभीर

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। जाजपुर थाना बासुदेबपुर के जालपुर गांव में एक अवैध पटाखे बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। इस धमाके में चार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। चार में से दो वयस्क और दो नाबालिग बताये गये हैं। उनमें से दो की हालत गंभीर है और उन्हें जाजपुर मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि पितिबास पति के घर पर अवैध रूप से पटाखे बनाया जा रहा था। पटाखों की आवाज सुनकर पास में एक घर बना रहे दो मजदूर भी छत से गिर गये और उन्हें गंभीर हालत में जाजपुर मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया ।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**